फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 12 प्रभात जयपुर, मंगलवार 12 अगस्त, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBIT

Stings and Bites You Don't Want

The venom is so toxic that it makes the box jellyfish arguably the most deadly creature in the world

Birbala 'Did And Died'

Hidden China in Kolkata

If Kolkata is your next destination, then Terretti bazaar should be a 'must-visit' for you. Get the taste of uniqueness

विपक्ष ने अन्ततोगत्वा राहुल के नेतृत्व और राजनीतिक सोच व रणनीति को पूर्णतया स्वीकार किया

इसी रणनीति के तहत राहुल ने अपने निवास 5 सुनहरी बाग रोड, पर चुनाव आयोग पर मार्च से पहले डिनर दिया, जिसमें विपक्ष के सभी नेता शामिल हुए

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 अगस्त। जो राहुल गांधी हाल तक विपक्षी नेताओं के लिए एक हाशिये पर रखा गया चेहरा थे, वही आज विपक्षी राजनीति के केन्द्र बिंदु बन गए हैं। वरिष्ठ विपक्षी नेता अब उन्हें और उनकी राजनीति को गंभीरता से लेने लगे हैं।

आज संसद भवन से चुनाव आयोग तक निकाले गए मार्च में, जिसमें बिहार में मतदाताओं को उनके अधिकार से वंचित करने के चुनाव आयोग के कथित प्रयास के खिलाफ प्रदर्शन हुआ, सभी वरिष्ठ विपक्षी नेता न केवल मौजूद रहे, बल्कि उन्होंने गिरफ्तारी भी दी।

इसमें एनसीपी प्रमुख शरद पवार शामिल थे, जो मार्च में शामिल हुए और फिर गिरफ्तारी देने के लिए बस में सवार हुए। साथ ही, समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव, टीएमसी के प्रतिनिधि, और अन्य विपक्षी सांसद व नेता भी मौजूद रहे।

- **शरद पवार, उद्धव ठाकरे, ममता बनर्जी के भतीजे व तृणमूल की संसदीय पार्टी के नेता, अभिजीत बनर्जी, तेजस्वी यादव, सपा के अखिलेश यादव व विपक्ष के अन्य सभी नेताओं ने चुनाव आयोग के कार्यालय तक मार्च के बाद गिरफ्तारी भी दी।**
- **अब तक विपक्ष की सभी मीटिंग सोनिया गांधी के नाम पर होती थीं, पर अब विपक्ष की राजनीति का केन्द्र 10 जनपथ से शिफ्ट कर सुनहरी बाग रोड हो गया है।**
- **राहुल का तर्क है, कि सरकार ने सभी सरकारी संस्थाओं व गैर सरकारी संगठनों पर कंट्रोल कर लिया है। केवल एक ही चीज़ बची है वह है जनता का वोट, और अब "वोट चोरी" के जरिये वह भी उससे छिन रहा है।**

विपक्ष की राजनीति की धुरी अब बदल चुकी है।

अब यह राहुल गांधी का नैरेटिव है जो दिन की दिशा तय कर रहा है, भाजपा को रक्षात्मक स्थिति में डाल रहा है और विपक्ष को एकजुट कर रहा है।

चाहे वह जाति जनगणना हो, वोट चोरी हो, बिहार का मतदाता सूची पुनरीक्षण मुद्दा हो, या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीति पर लगातार हमले करना हो, राहुल गांधी ने ऐसे मुद्दों को उठाया है, जो आम जनता में गूंज रहे हैं।

संभवतः 21 सालों में यह पहला अवसर है, जब राहुल गांधी को विपक्षी नेताओं के बीच इस स्तर की स्वीकार्यता मिली है।

अब तक विपक्ष की बैठकें सोनिया गांधी के नाम पर होती थीं, लेकिन अब विपक्षी राजनीति का केन्द्र बिंदु 10 जनपथ से बदलकर, 5 सुनहरी बाग रोड हो गया है।

राहुल गांधी ने हाल ही में विपक्षी नेताओं के लिए एक रात्रिभोज (डिनर) का आयोजन किया, जिसमें शरद पवार आए, उद्धव ठाकरे अपनी पत्नी रश्मि ठाकरे के साथ मुंबई से आए, ममता बनर्जी के प्रतिनिधि के रूप में अभिजीत बनर्जी आये, तेजस्वी यादव आए और भी कई नेता शामिल हुए।

इनकी उपस्थिति यह दर्शाती है कि राहुल गांधी और उनकी राजनीति को विपक्षी नेताओं ने अब स्वीकार कर लिया है, क्योंकि वे आम लोगों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठा रहे हैं।

विपक्ष के लिए यह अब आर-पार की लड़ाई बन गई है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री 14 को बीकानेर में जनसभा करेंगे

बीकानेर, 11 अगस्त (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 14 अगस्त को बीकानेर जा रहे हैं जहां वे सीमा पर बीएसएफ के जवानों से संवाद करेंगे और फिर वे पॉलिटेक्निक कॉलेज में आजादी के समय हुए विभाजन के मुद्दे पर सभा को संबोधित करेंगे। जनसभा के लिए भारतीय जनता पार्टी तैयारी में जुट गई है।

भाजपा के प्रवक्ता मनीष सोनी ने बताया कि मुख्यमंत्री के 14 अगस्त को प्रस्तावित दौरे के मद्देनजर तैयारी की जा रही है। इस संबंध में किसान आयोग व संभाग प्रभारी अध्यक्ष सी.आर. चौधरी, धोद विधायक गोवर्धन वर्मा, रतनगढ़ के पूर्व विधायक अभिनेष महर्षि ने एक मीटिंग की। पॉलिटेक्निक कॉलेज में 14 अगस्त की दोपहर 12 बजे जनसभा शुरू होगी। मुख्यमंत्री बारह बजे पॉलिटेक्निक कॉलेज पहुंच जायेंगे। इससे पहले मुख्यमंत्री खाजूवाला पहुंचेंगे। जहां भारत पाकिस्तान सीमा पर स्थित कोड़ेवाला पोस्ट पर बीएसएफ जवानों से संवाद करेंगे।

- **पहले मुख्यमंत्री खाजूवाला के पास कोड़ेवाला पोस्ट पर बी.एस.एफ. जवानों से संवाद करेंगे।**

कार्यक्रम प्रभारी धोद विधायक गोवर्धन वर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री के आगमन से पहले हम जिला पदाधिकारियों, मंडल, मोर्चा, पार्षदों, सामाजिक व युवा संगठनों की बैठक कर रहे हैं और ज्यादा से ज्यादा लोगों को निमंत्रण दे रहे हैं।

"यह आंकड़े जो मैंने 'प्रज़ेन्टेशन' में दिखाये वे मेरे आकड़े नहीं, चुनाव आयोग के आंकड़े हैं"

अतः आकड़ों के बारे में मैं कैसे शपथ पत्र पर हस्ताक्षर कर सकता हूँ?-राहुल गाँधी

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 11 अगस्त। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, जिन्होंने आज संसद से चुनाव आयोग के कार्यालय तक इंडिया गठबंधन की विशाल विरोध मार्च का नेतृत्व किया, ने 2024 के लोकसभा चुनाव में कथित वोट चोरी को लेकर दिए गए अपने बयान पर हलफनामा देने से इनकार कर दिया। उनका कहना है कि यह डेटा उनका नहीं, बल्कि चुनाव आयोग का है।

कांग्रेस सांसद ने स्पष्ट किया कि उन्होंने 7 अगस्त को "वोट चोरी" को लेकर की प्रेस कॉन्फ्रेंस में जो डेटा साझा किया था, वह चुनाव आयोग द्वारा प्रदान किया गया था।

उन्होंने कहा, यह चुनाव आयोग का डेटा है, मेरा नहीं है कि मैं इसके लिए कोई हलफनामा दूं।

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग को चुनौती देते हुए कहा, चुनाव आयोग इस डेटा को उठाकर अपनी वेबसाइट पर डाल दे, फिर उन्हें खुद ही सच्चाई का पता चल जाएगा।

उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग द्वारा उन्हें भेजा गया नोटिस सिर्फ मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश है।

- **राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर आगे कहा, मैं चुनाव आयोग को चुनौती देता हूं, कि वे इन आंकड़ों को अपने "वेब साइट" पर डालें, और उन्हें भी जनता की भांति सच्चाई का स्वयम् आभास हो जायेगा।**
- **अपनी गिरफ्तारी के बारे में राहुल ने कहा, कि चुनाव आयुक्त से मिलने के लिए 300 सांसद, चुनाव आयोग के दफ्तर मार्च करके गये, पर चुनाव आयोग इन सांसदों से नहीं मिले, बल्कि इन सांसदों को गिरफ्तार किया गया, क्योंकि चुनाव आयोग सच जानता है, तथा उसे उजागर होने से डरता है।**
- **"हमारी यह लड़ाई राजनीतिक नहीं है, यह लड़ाई इस देश की आत्मा व संविधान को संरक्षित रखने के लिए लड़ी जा रही है। क्योंकि अब "एक व्यक्ति, एक वोट" की सोच संकट में है।**

राहुल गांधी ने कहा, "यह सब केवल मुद्दे से ध्यान हटाने के लिए किया जा रहा है। यह सिर्फ बेंगलुरु में ही नहीं हुआ है, बल्कि बहुत सी सीटों पर हुआ है। चुनाव आयोग जानता है कि जो डेटा वे छुपाने की कोशिश कर रहे हैं, वह एक दिन फूट पड़ेगा।"

प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए राहुल गांधी ने, अन्य सांसदों के साथ, रिहा होने के बाद संसद मार्ग पुलिस थाने के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए ये बातें कहीं।

प्रदर्शन मार्च और उसके दौरान हुई अनेक विपक्षी सांसदों की गिरफ्तारी पर बोलते हुए कांग्रेस नेता ने दृढ़तापूर्वक कहा कि आयोग सच्चाई से डरता है।

उन्होंने कहा, "भारत में लोकतंत्र की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चुनाव आयोग के दफ्तर से एक किलोमीटर पहले सांसदों को पुलिस ने रोका

पुलिस ने काफी सख्त इन्तज़ामात कर रखे थे, पार्लियामेंट स्ट्रीट पर, ट्रांसपोर्ट भवन से पहले भारी बैरिकेड लगा रखे थे

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 11 अगस्त। सोमवार को दिल्ली पुलिस ने विपक्षी सांसदों के चुनाव आयोग की ओर मार्च को रोकते हुए उन्हें हिरासत में ले लिया। विपक्षी सांसद यह मार्च सत्तारूढ़ भाजपा के साथ आयोग की मिलीभगत के विरोध में निकाल रहे थे।

लोकसभा प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित, अनेक विपक्षी सांसदों को निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने के आरोप में हिरासत में लिया गया। कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन के आ ान पर संसद भवन से चुनाव आयोग तक यह मार्च निकाला जा रहा था, लेकिन उन्हें बीच रास्ते में ही रोक दिया गया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और उनके सहयोगी जयराम रमेश उन नेताओं में शामिल थे, जिन्हें हिरासत में लेकर बसों से पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने ले जाया गया।

- **सांसदों ने पी.टी.आई. बिल्डिंग के सामने सड़क पर बैठकर काफी नारेबाजी की।**
- **पुलिस इन नेताओं को गिरफ्तार कर बस से पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन ले गई।**

राहुल गांधी ने पत्रकारों से कहा, यह लड़ाई राजनीतिक नहीं है, बल्कि संविधान को बचाने की है। उन्होंने आगे कहा, सच्चाई सम्पूर्ण देश के सामने है।

विपक्षी सांसद, जिनमें राहुल गांधी और प्रियंका गांधी शामिल थे, हिरासत से रिहा होने के बाद संसद लौटे; तथा संसद में नारेबाजी एवं हंगामा करने लगे, जिसके कारण संसद की कार्यवाही एक घंटे के लिए स्थगित करनी पड़ी।

पुलिस द्वारा आगे बढ़ने से रोके जाने पर बहुत सारे सांसद पार्लियामेंट स्ट्रीट स्थित पीटीआई भवन के सामने सड़क पर बैठ गए, जो चुनाव आयोग से लगभग एक किलोमीटर दूर है। वहां वे "विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)" को वापस लेने, तथा और वोट चोरी के आरोपों से संबंधित नारे लगाने लगे।

सांसदों ने पोस्टर और बैनर लेकर एस आई आर को वापस लेने की मांग की और नारे लगाए।

प्रदर्शनकारी सांसद सफेद टोपी पहने हुए थे, जिन पर 'एस आई आर' और वोट चोरी के शब्दों पर लाल क्रॉस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गंगोत्री में बनी झील ने बढ़ाई मुसीबत

नई दिल्ली, 11 अगस्त। उत्तरकाशी के धराली में तबाही के बावजूद आफत अभी तक कम नहीं हुई है। अब धराली में एक झील से पानी आ रहा है और बारिश ने भी स्थानीय लोगों और बचाव कार्य में जुटे लोगों की परेशानी को और बढ़ा दिया है। झील का पानी आने के कारण कई रास्ते एक बार फिर बंद हो गए हैं और आवागमन बाधित हुआ है। धराली और हर्षिल में एसडीआरएफ ने अलर्ट जारी किया है और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए कहा है। साथ ही लगातार हो रही बारिश के कारण भी लोगों को परेशानी

- **उत्तरकाशी में बादल फटने से आई बाढ़ के राहत व बचाव में निरंतर बाधा आ रही है। गंगोत्री में बनी झील से लगातार पानी आ रहा है जिससे धराली में पानी कम नहीं हो रहा है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'श्री सीमेंट को प्राप्त 840 करोड़ की टैक्स राहत का पुनर्मुल्यांकन नहीं होगा'

राजस्थान हाईकोर्ट ने सहायक आयुक्त के आदेश को रद्द करते हुए फैसला सुनाया

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 11 अगस्त। राजस्थान हाईकोर्ट ने आयकर सहायक आयुक्त द्वारा श्री सीमेन्ट पर 840 करोड़ रुपये की छूट के पुनर्मुल्यांकन के आदेश को रद्द कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश के.आर. श्रीराम व न्यायाधीश आनन्द शर्मा की खण्डपीठ ने यह आदेश श्री सीमेन्ट द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। इस मामले में याचिकाकर्ता श्री सीमेंट लिमिटेड की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता पर्सी पारडीवाला और वरिष्ठ अधिवक्ता अनन्त कासलीवाल के साथ-साथ उनके सहायक अधिवक्ता शशांक कासलीवाल पैरवी के लिए पेश हुए थे।

याचिकाकर्ता के अनुसार उन्हें 1 मई 2024 को आयकर अधिनियम के तहत 840 करोड़ रुपये की छूट के पुनर्मुल्यांकन के नोटिस दिया गया था। मामले के तथ्यों के अनुसार आयकर विभाग के सहायक आयुक्त ने 31 मार्च 2024 को एक सर्वे टीम द्वारा करे गये मूल्यांकन के बाद की गई टिप्पणियों के आधार पर 840 करोड़ रुपये की राशि पर पुनर्मुल्यांकन के आदेश पारित किए।

याचिकाकर्ता ने बताया कि आयकर अधिनियम की धारा 80 आई ए के तहत 840 करोड़ रु. की यह रियायत मिली हुई है। याचिकाकर्ता ने बताया कि यह 840 करोड़ रुपये की राहत उसे 'सॉलिड वेस्ट मेंनेजमेंट सिस्टम' (एस.डब्ल्यू.एम.) और 'वॉटर ट्रीटमेंट सिस्टम' (डब्ल्यू.टी.एस.) और 'न्यू इंडिया पावर अण्डरटेकिंग' (एन.आई.पी.यू.) जैसी कार्यप्रणाली अपनाने की वजह से मिली है। पाठकों को बताते दे कि सीमेंट के उत्पादन से पर्यावरण को काफी हानि होती है और उपरोक्त वर्णित कार्यप्रणालियों को अपनाकर ही आयकर विभाग उद्योगपतियों और कम्पनियों को कर में राहत देती है और कम्पनियां वेस्ट मैनेजमैंट सिस्टम के जरिए लाभ भी कमाती हैं।

- **याचिकाकर्ता के अनुसार उन्हें सीमेंट उत्पादन में इको फ्रेंडली कार्य प्रणाली अपनाने के लिए यह छूट दी गई थी।**

याचिकाकर्ता ने कहा कि आयकर विभाग के सहायक आयुक्त ने सर्वे टीम की कार्यवाही के बाद यह निष्कर्ष निकाला कि 840 करोड़ रुपये पर आय पर कर नहीं लगाया गया है और इस पर कोई छूट नहीं है। इस सम्बन्ध में सहायक आयुक्त ने जो नोटिस श्री सीमेंट लिमिटेड को दिया था, उसका जवाब भी याचिकाकर्ता द्वारा दिया गया परन्तु सहायक आयुक्त ने उस जवाब को उपयुक्त नहीं माना।

अदालत के समक्ष इस मामले को लेकर कई कानूनी सवाल सामने आए हैं जैसे कि क्या पुनर्मुल्यांकन का नोटिस सहायक आयुक्त द्वारा दिया जा सकता है जो कि 'फेसलैस एसेसिंग ऑफिसर' (गोपनीय मूल्यांकन ऑफिसर) नहीं है, जो कानून के अनुसार अनिवार्य है? पाठकों को बता दें कि नये कानून के अनुसार अधिकारी और आयकरदाता एक दूसरे के परिचित नहीं होने चाहिए।

दूसरा महत्वपूर्ण मुद्दा जो अदालत के समक्ष आया था, कि जो मुद्दा आयकर विभाग ने उठाया उसी पर आयकरदाता ने पिछले वर्षों में छूट प्राप्त की थी और नया नोटिस नये सर्वे के दौरान दिया गया था, जो कानूनी तौर पर गलत है और कानून में दी गई समय सीमा के भी बाहर है। अदालत ने इस मामले में सुनवाई करते हुए कहा कि न केवल यह नोटिस समय अवधि के बाहर था बल्कि पिछले 6 वर्ष से बिना किसी रोकथाम के आयकरदाता को यह छूट दी गई थी, जिसे अब बदलना कानून के विरूद्ध है। अदालत ने यह भी कहा कि यह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

26 अगस्त को नौसेना को मिलेंगे दो युद्धपोत

नयी दिल्ली, 11 अगस्त। नौसेना के लिए आगामी 26 अगस्त का दिन ऐतिहासिक रहेगा, जब उसके बेड़े में एक साथ दो घातक और उन्नत युद्धपोत उदयगिरि (एफ 35) और हिमगिरि (एफ 34) शामिल होंगे। नौसेना के अनुसार, यह पहला मौका होगा, जब दो प्रमुख भारतीय शिपयार्डों के दो प्रमुख युद्धपोत एक ही समय में विशाखापत्तनम में नौसेना में शामिल होंगे। प्रोजेक्ट 17 ए स्टील्थ फ्रिगेट्स का दूसरा युद्धपोत उदयगिरि, मुंबई में मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड द्वारा बनाया गया है, जबकि हिमगिरि, गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स कोलकाता द्वारा निर्मित पी 17 ए जहाजों में से पहला है।

- **हिमगिरी और उदयगिरी नामक ये दोनों युद्धपोत भारत में बने हैं तथा अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस हैं इनकी मारक क्षमता बहुत तीव्र है।**

गत 15 सालों से अनुबंध की धज्जियां उड़ा रहे मेट्रो मास अस्पताल को अनुबंध रद्द करने का नोटिस मिला

एस.एम.एस. कॉलेज प्राचार्य व सम्बद्ध अस्पताल के नियंत्रक ने 'मेट्रो मास हॉस्पिटल प्राइवेट लिमिटेड' और 'मेट्रो इन्स्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड' के निदेशकों को नोटिस दिया

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 11 अगस्त। एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य और अन्य सम्बद्ध अस्पतालों के नियंत्रक ने 'मेट्रो मास हॉस्पिटल प्राईवेट लिमिटेड' और 'मेट्रो इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइसेंज प्राइवेट लिमिटेड' के निदेशकों को नोटिस भेज कर इत्तिला दी है कि इन दोनों प्राइवेट कम्पनियों ने सरकार व एस.एम.एस. अस्पताल के साथ किए गए अनुबंध की बार-बार, कई वर्षों तक अवहेलना की है। नोटिस में आगे कहा गया है कि अगर दोनों प्राइवेट कम्पनियां अनुबंधन की शर्तें लागू नहीं करतीं और 20 सितम्बर तक, कार्य करने में त्रुटियों को दूर नहीं करतीं तो एस.एम.एस. अस्पताल और राज्य सरकार 'मेट्रो मास हॉस्पिटल प्राईवेट लिमिटेड' और 'मेट्रो इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइसेंज प्राइवेट लिमिटेड' के साथ किए गए अनुबंध को रद्द कर देंगे।

- **हैरानी की बात है कि पी.पी.पी. अनुबन्धन की शर्तों का उल्लघंन करने के लिए 'मेट्रो मास' कम्पनी के निदेशकों को 24 बार नोटिस दिए गए। दिसम्बर 2011 में किए गए अनुबंधन के बाद वर्ष 2012 में दो बार, 13 में तीन बार, 14 में दो बार, 17 में चार बार, 20 में एक बार, 21 में दो बार, 22 में पांच बार, 23 में दो बार और फिर 24 में भी दो बार नोटिस दिया गया था।**
- **एस.एम.एस. प्राचार्य द्वारा दिए गए नोटिस में बताया गया है कि अनुबंधन की शर्तों की अवहेलना करते हुए 'थर्ड पार्टी' (ऑडिटर) को भी वित्तीय जांच नहीं करने दी और वित्तीय 'रिकॉर्ड', 'डेली स्टेटस रिपोर्ट' और अन्य वित्तीय दस्तावेज उपलब्ध ही नहीं कराया। दोनों कम्पनियों को एक तयशुदा बैंक में 'एस्क्रो अकाउण्ट' बनाना था, जिसमें अस्पताल की आय को जमा करना था ताकि राज्य सरकार के वित्तीय हितों को बचाया जा सके और राजस्व साझेदारी की निगरानी व निरीक्षण भी किया जा सके, परन्तु ऐसा नहीं किया गया।**
- **नोटिस में यह भी बताया गया है कि अनुबंधन की शर्तों के अनुसार अस्पताल में 20 प्रतिशत बीपीएल मरीजों को आरक्षण देना था व उनका मुफ्त इलाज करना था, पर ऐसा नहीं हुआ।**

एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य, डॉ. दीपक माहेश्वरी की ओर से यह नोटिस 21 जुलाई को 'मेट्रो मास हॉस्पिटल प्राईवेट लिमिटेड' और 'मेट्रो इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइसेंज प्राइवेट लिमिटेड' के निदेशकों को भेजा गया था, जिसमें बताया गया था कि इन दोनों कम्पनियों और एस.एम.एम. मेडिकल कॉलेज के बीच 7 दिसम्बर 2011 को अनुबंध हुआ था, जिसके तहत पी.पी.पी. मोड पर एक मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल और मानस आरोग्य सदन 'हार्ट-केयर' की स्थापना, संचालन और रखरखाव कराया जाना था। इस अनुबंध की पूर्ति के लिए राज्य सरकार ने 10,000 वर्ग मीटर भूमि का आवंटन किया था और अस्पताल के निर्माण के लिए 28 करोड़ रुपये भी दिए थे।

इस नोटिस में यह भी बताया गया है कि अनुबंधन की शर्तों के अनुसार, दोनों प्राइवेट कम्पनियों को 20 प्रतिशत मरीज गरीबी रेखा से नीचे (बी.पी.एल.) वर्ग के लिए रखने थे और उन्हें मुफ्त इलाज देना था, परन्तु यह भी नहीं हो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री मोदी ने सांसदों के फ्लैट्स का उद्घाटन किया

नयी दिल्ली, 11 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को दिल्ली के बाबा खड़क सिंह मार्ग स्थित सांसदों के लिए नए फ्लैट्स का उद्घाटन किया। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर मोदी ने दीप प्रज्जवलित कर नए फ्लैट्स का उद्घाटन कर देश के जनप्रतिनिधियों को समर्पित किया। इस कार्यक्रम में लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला, केन्द्रीय मंत्रियों एवं सभी सांसदों का अभिवादन किया गया।

- **चार टावर्स में बने यह फ्लैट इको फ्रेंडली प्रणाली पर आधारित हैं।**

सांसदों के लिए चार टावरों में फ्लैट बनाये गये हैं। प्रधानमंत्री ने कहा ये चारों टावरों के नाम देश की प्रमुख नदियों कृष्णा, गोदावरी, कोसी और हुगली के नाम पर रखा गया है। यह परिसर सांसदों की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। प्रत्येक फ्लैट में 5,000 वर्ग फुट क्षेत्रफल है। जिसमें कार्यालय और स्टाफ के लिए जगह भी है।

विचार बिन्दु

स्वयं को भेड़ बना लोगे तो भेड़िये आकर तुम्हे खा जायेंगे। –जर्मन कहावत

धनखड़ के साथ यह व्यवहार शोभनीय नहीं

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के द्वारा 21 जुलाई को त्यागपत्र देने के बाद न तो उनके बारे में कोई समाचार प्रकाशित हुआ है न ही किसी को यह पता है कि इस समय वह कहां पर हैं? सामान्यत: देश के उपराष्ट्रपति जैसे देश के द्वितीय सर्वोच्च सम्मानित पद पर रहे व्यक्ति की विदाई के समय एक औपचारिक विदाई समारोह तो होना ही चाहिए था। वैसे भी उपराष्ट्रपति, सत्ताधारी दल की पसंद से ही बनाए जाते हैं। जगदीप धनखड़ का त्यागपत्र जिन परिस्थितियों में हुआ वह अभी भी रहस्य के घेरे में है।

धनखड़ द्वारा पद छोड़ने के बाद जो घटनाक्रम हुआ है वह भी कम रहस्यमय नहीं है। इस घटनाक्रम ने कई प्रश्नों और आशंकाओं को जन्म दिया है। इनमें से कुछ का उल्लेख हम इस आलेख में करेंगे।

धनखड़ ने पद मुक्त होने के बाद अभी तक कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है। उन्होंने किसी भी नेशनल या सोशल मीडिया पर कोई साक्षात्कार भी नहीं दिया है। वे किसी सार्वजनिक या पारिवारिक समारोह में भी नहीं देखे गए हैं। सामान्यतया धनखड़ हर विवादास्पद विषय पर मीडिया में बयान देने के आदी रहे हैं। उपराष्ट्रपति जैसे महत्वपूर्ण पद से निवृत हुए व्यक्ति का अचानक इस तरह सार्वजनिक परिदृष्य से लुप्त हो जाना समझ से बाहर है।

पहले, यह समाचार आए थे कि उन्हें उपराष्ट्रपति का आवास छोड़ने के लिए कह दिया गया है। बाद में, सरकार ने इस बात का खंडन किया कि उन्हें ऐसा नहीं कहा गया है। किंतु, यह प्रश्न तो अभी भी बना हुआ है कि क्या वे अब भी उपराष्ट्रपति आवास में निवास कर रहे हैं अथवा उसे छोड़कर कहीं और चले गए हैं? देश को यह जानने का तो हक है ही कि,उनके पुराने उपराष्ट्रपति वर्तमान में किस हालत में हैं और कहां पर हैं? क्या वे स्वस्थ हैं? क्या उनका इलाज चल रहा है? यदि हां, तो किस अस्पताल में?

धनखड़ अपनी बात को व्यक्त करने में बहुत मुखर और उत्सुक रहे हैं। राज्यसभा के सभापति के तौर पर भी उन्होंने कई बार लंबे-लंबे भाषण दिए जो असामान्य था। जो व्यक्ति अपने विचार व्यक्त करने के लिए इतना उत्सुक रहता हो, वह अचानक इतना खामोश हो जाए, यह बात गले उतरना बहुत कठिन है। धनखड़ के परिवार के किसी सदस्य का भी कोई वक्तव्य नहीं आया है। किसी ने न कोई टीवी इंटरव्यू दिया एवं न सोशल मीडिया का उपयोग इस उद्देश्य से किया। यह जिम्मेदारी केंद्र सरकार की बनती है कि वह धनखड़ के स्वास्थ्य के बारे में कोई बुलेटिन जारी करे क्योंकि उन्होंने इस्तीफा देने का कारण ही अपना खराब स्वास्थ्य बताया था।

क्या वे अस्पताल में भर्ती हैं? क्या वे अपने घर में नजर बंद हैं? क्या वे किसी दूसरे घर में रहने चले गए हैं? चले गए हैं, तो किस शहर में? इन सब प्रश्नों का स्पष्ट उत्तर न मिलने के कारण अफवाहों का बाजार गर्म हो रहा है।

इसी दौरान, पूर्व राज्यपाल सतपाल मलिक की मृत्यु होने पर उनका बिना राजकीय सम्मान के अंतिम संस्कार कर देने से विभिन्न आशंकाओं को और बल मिला। जो व्यक्ति चार राज्यों का राज्यपाल रहा हो उसके साथ इस प्रकार का उपेक्षा पूर्ण व्यवहार कतई स्वीकार्य नहीं था। सरकार का कोई प्रतिनिधि भी उनके अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हुआ। यह उल्लेखनीय है कि सतपाल मलिक भी धनखड़ की तरह जाट नेता थे। सतपाल मलिक ने जम्मू कश्मीर का राज्यपाल पद छोड़ने के बाद कई प्रकार के ऐसे प्रश्न सार्वजनिक रूप से उठाए थे जिनसे प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की नीयत पर शक पैदा किया गया।स्वाभाविक रूप से यही कारण रहा होगा कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की नाराजगी के कारण सतपाल मलिक को राजकीय सम्मान के साथ औपचारिक रूप से अंतिम विदाई तक नहीं दी गई।

सतपाल मलिक का एक वीडियो हाल ही में जारी हुआ है जिसमें उन्होंने अपनी बात को स्पष्ट करते हुए कहा है कि उनके पास केवल तीन-चार जोड़ी कपड़े हैं और उनके पास कोई संपत्ति नहीं है, फिर भी उनके विरुद्ध सरकार द्वारा जांच एजेंसी के माध्यम से कार्रवाई की गई और उन्हें परेशान किया गया। अस्पताल से जारी किए गए इस वीडियो में सतपाल मलिक अत्यंत ही कमजोर दिखाई दे रहे थे। क्या राजनीतिक जीवन में शुचिता इतनी समाप्त हो गई है कि यदि किसी व्यक्ति की विचारधारा हमसे अलग हो या अलग हो जाए तो उस व्यक्ति के साथ इस प्रकार का उपेक्षापूर्ण और अपमानजनक व्यवहार किया जाएगा?

कोई भी निष्पक्ष व्यक्ति, धनखड़ के राज्यसभा के सभापति के रूप में किए गए पक्षपात पूर्ण व्यवहार का समर्थन नहीं कर सकता, किंतु भारतीय संस्कृति में तो विरोधियों के साथ भी शिष्टाचार पूर्ण व्यवहार तो किया ही जाता है। गत 20 दिनों में न केवल धनखड़ की उपेक्षा की जा रही है बल्कि उन्हें सार्वजनिक दृष्टि से लगभग दूर ही कर दिया गया है। धनखड़ स्वयं स्वेच्छा से मीडिया से दूरी बनाए हुए हैं या उन्हें ऐसा करने के लिए बाध्य किया जा रहा है, इस बारे में केवल अनुमान ही लगाया जा सकता है।

धनखड़ के साथ इस प्रकार का व्यवहार और भी आश्चर्य जनक इसलिए लगता है कि इन्हीं धनखड़ को भाजपा सरकार ने अचानक पश्चिम बंगाल का राज्यपाल और बाद में उपराष्ट्रपति के पद पर नियुक्त किया था।

सतपाल मलिक का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान से नहीं करने पर एवं सरकार द्वारा किए जा रहे हैं व्यवहार की आलोचना भाजपा नेता कृष्ण कुमार जानू ने की, तो उन्हें पार्टी से निकाल दिया गया। ऐसी हालत में कौन धनखड़ से मिलने का प्रयास करेगा या उनके साथ किए जा रहे व्यवहार के बारे में सवाल करने का साहस करेगा?

पूर्व उपराष्ट्रपति के रूप में धनखड़ सभी उत्कृष्ट श्रेणी की चिकित्सा प्राप्त करने के अधिकारी हैं।

एक सामान्य राजकीय अधिकारी/कर्मचारी भी सेवा निवृत्ति के बाद राजकीय व्यय पर चिकित्सा सेवा प्राप्त करने का अधिकारी होता है। जो व्यक्ति राज्यपाल और उपराष्ट्रपति रहा है, उसको श्रेष्ठ इलाज सुलभ कराने की जिम्मेदारी पूरी तरह केंद्र सरकार की है। अभी देशवासियों के लिए यह समझना कठिन है कि केंद्र सरकार अपनी इस जिम्मेदारी का निर्वहन क्यों नहीं कर रही है? विभिन्न किसान नेता इस बारे में बयान भी दे रहे हैं कि धनखड़ को किसान नेता होने के नाते, किसानों की समस्याओं पर केंद्र द्वारा समुचित कार्यवाही नहीं करने पर उसकी आलोचना करने के कारण सरकार द्वारा प्रताड़ना का भागीदार बनाया गया है।

सरकार के उपेक्षा पूर्ण व्यवहार को तो सरकार की नाराजगी माना जा सकता है, चाहे वह कितना ही अनुचित क्यों ना हो, किंतु जगदीप धनखड़ एवं उनके परिवार की चुप्पी वास्तव में आश्चर्यजनक है। उनके ऊपर ऐसा क्या दबाव है कि वह पद छोड़ने के बाद अब भी न तो पद छोड़ने का कारण बता पा रहे हैं न अपनी कोई प्रतिक्रिया ही सरकार की बेरुखी पर व्यक्त कर रहे हैं। कहीं सरकार के पास धनखड़ की कोई कमजोर नब्ज़ तो नहीं है जिसे दबाकर सरकार उन्हें बोलने से रोक रही है?

सतपाल मलिक ने यदि कोई गलती की तो यही कि पद छोड़ते ही उन्होंने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के विरुद्ध बयान देने प्रारंभ कर दिए और कई सार्वजनिक सभाओं में खुलकर अपनी बात कही। उन्होंने सोशल मीडिया में कई इंटरव्यू भी दिए और उसमें भी सरकार पर किसान विरोधी होने का खुला आरोप लगाया। उन्होंने जम्मू कश्मीर के राज्यपाल के रूप में 300 करोड़ की रिश्वत देने की पेशकश का आरोप भी कुछ भाजपा नेताओं पर लगाया। इस शिकायत की जांच करने के स्थान पर सरकार ने मलिक के विरुद्ध सब केंद्रीय जांच एजेंसियों को लगा दिया।

संभवतया सतपाल मलिक के साथ सरकार द्वारा किए गएअपमानजनक व्यवहार को देखते हुए ही जगदीप धनखड़ ने चुप रहने में ही अपनी भलाई समझी। यदि वे खुलकर अपनी बात कहते और सरकार के प्रकोप की परवाह नहीं करते तो वे बड़े किसान नेता के रूप में सम्मान प्राप्त कर सकते थे। लगता है उनके मन में सरकार द्वारा प्रताड़ित किए जाने का भय कुछ अधिक ही बैठ गया था। सरकार के पक्ष में कार्यवाही करने और प्रधानमंत्री के समक्ष नतमस्तक होने के कारण उनकी सार्वजनिक छवि जितनी खराब हुई थी, अपनी बात खुल कर सामने रखने पर उनकी छवि में कुछ सुधार संभव था। यह भी संभव है कि किसानों की बात खुलकर करने पर वे किसान नेता के रूप में अधिक प्रतिष्ठापित हो पाते। दुर्भाग्यवश, अब तक उन्होंने यह रास्ता नहीं अपनाया है। शायद उन्हें ऐसा लगा हो कि प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के विरुद्ध कही गई किसी भी बात को सहन नहीं किया जाएगा और उनको प्रताड़ित करने की कार्यवाही बदले की भावना से की जाएगी।

धनखड़ के इस्तीफे को 20 दिन हो गए हैं और अब तक सरकार और स्वयं उनके द्वारा एक शब्द भी नहीं कहा गया है। किसी बड़े नेता का अचानक सार्वजनिक जीवन से गायब हो जाना, सैन्य शासकों के राज्य में या अफ्रीकी देशों में तो होता आया है किंतु भारत जैसे लोकतंत्र में इस प्रकार की घटना पहले ही है। सरकार को यह बताना चाहिए कि कोई भी नागरिक उनसे जाकर मिल सकता है। सरकार को किस बात का डर है, यह पता नहीं। यह आवश्यक है कि सरकार धनखड़ के स्वास्थ्य के बारे में एक बुलेटिन जारी करे ताकि अफवाहों पर विराम लग सके।

इस पूरे प्रकरण में मीडिया और विपक्ष की भी भूमिका अब तक बहुत अच्छी नहीं रही है।मीडिया में न तो इस विषय पर कोई सार्वजनिक चर्चा आयोजित की गई, न ही सरकार से प्रश्न पूछे गए। यह जानने का भी प्रयास नहीं किया गया कि पूर्व उपराष्ट्रपति इस समय कहां और किस हालत में हैं? विपक्ष ने अवश्य इस बारे में बात उठाई है किंतु वह भी उतने जोर शोर से नहीं उठा पाया है जितनी आवश्यकता थी। सोशल मीडिया के माध्यम से प्रमुख विधि वेत्ता और सांसद कपिल सिब्बल द्वारा धनखड़ प्रकरण के बारे में सरकार से कई सवाल किए गए हैं और अनेक आशंकाएं भी व्यक्त की हैं। उन्होंने तो सत्यता जानने के लिए एफ आई आर तक दर्ज कराने की बात कही है। सतपाल मलिक का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान से नहीं करने पर एवं सरकार द्वारा किए जा रहे हैं व्यवहार की आलोचना भाजपा नेता कृष्ण कुमार जानू ने की, तो उन्हें पार्टी से निकाल दिया गया। ऐसी हालत में कौन धनखड़ से मिलने का प्रयास करेगा या उनके साथ किए जा रहे व्यवहार के बारे में सवाल करने का साहस करेगा?

कुल मिलाकर सरकार द्वारा पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ के साथ किया गया व्यवहार लोकतंत्र की परंपरा और मर्यादा के अनुकूल नहीं है और इसीलिए इसे कतई शोभनीय नहीं कहा जा सकता।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की दृष्टि में पुरुषत्व और स्त्रीत्व का पूरक स्वरूप

डॉ. निमिषा गौड़

डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने 27 सितंबर 1925 को विजयादशमी के दिन नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की नींव रखी। संघ एक सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन है। संघ का उद्देश्य भारत के सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा, व्यक्तियों के चरित्र निर्माण, समाज में एकता और समरसता बढ़ाने तथा राष्ट्र के प्रति निष्ठा और सेवा भाव का जागरण करना है। संघ ने शाखाओं के माध्यम से हिन्दू समाज को संगठित करने का कार्य किया। शाखा को व्यक्ति के मानसिक, शारीरिक और चारित्रिक विकास की कार्यशाला कहा जा सकता है। यहीं से मातृभूमि के लिए समर्पित व्यक्तित्व का निर्माण होता है।

संघ का आधार वाक्य है 'संघे शक्ति कलौ युगे', अर्थात कलियुग में शक्ति संगठन में है। संगठित समाज ही सशक्त समाज होता है। इस संगठन की आधारशिला है स्त्री और पुरुष का एकात्मक, समरस और पूरक संबंध। हिंदू समाज ने अर्धनारीश्वर के रूप में स्त्री और पुरुष की समानता एवं सह-अस्तित्व को साकार रूप में स्वीकार किया है। यह रूप केवल प्रतीक नहीं, बल्कि भारतीय दृष्टिकोण का जीवंत दर्शन है। इसमें स्त्री और पुरुष दोनों मिलकर एक पूर्ण सत्ता का निर्माण करते हैं। भारतीय चिंतन में पूरा ब्रह्मांड एक ही चेतना की अभिव्यक्ति है, जिसमें स्त्री और पुरुष की आत्मा भिन्न नहीं, बल्कि एक ही है। स्त्री सृजन की शक्ति है, उसके संस्कारों से ही पुरुषत्व का निर्माण होता है। वह परिवार, समाज और राष्ट्र की धुरी है। उसके बिना समाज अधूरा है।

भारतीय संस्कृति की सबसे विलक्षण विशेषता यह है कि उसने जीवन को द्वंद्व के रूप में नहीं, बल्कि समरसता और पूरकता के रूप में देखा है। स्त्री और पुरुष को विरोधी नहीं, बल्कि परस्पर सहयोगी और पूरक माना गया है। इसी समन्वयी दृष्टिकोण का मूर्त रूप हमें अर्धनारीश्वर के दिव्य प्रतीक में दिखाई देता है, जहाँ शिव और शक्ति, पुरुष और स्त्री एक ही देह के दो समान महत्वपूर्ण अर्धभाग हैं। स्त्री और पुरुष की आत्मा एक ही ब्रह्मचेतना की दो अभिव्यक्तियाँ हैं।

संघ का यह स्पष्ट मत है कि समाज की स्थिरता और समरसता तभी संभव है जब स्त्री और पुरुष का संबंध प्रतियोगिता नहीं, पूरकता पर आधारित हो। पुरुषत्व की पूर्णता स्त्रीत्व के साथ जुड़कर ही संभव होती है। स्त्री केवल सहचरी नहीं, वह सृजन की शक्ति है, संस्कारों की जननी है। वह परिवार, समाज और राष्ट्र की नींव में वह मौन, मगर अटूट आधारशिला है जिस पर सभ्यता खड़ी होती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मानता है कि एक मजबूत और जागरूक समाज ही एक समर्थ राष्ट्र का आधार बन सकता है। संघ जाति, वर्ग, भाषा, क्षेत्र आदि भेदभावों से ऊपर उठकर संपूर्ण समाज को संगठित करने का कार्य करता है, जिससे भारत को पुन: वैभवशाली राष्ट्र बनाया जा सके। संघ का दर्शन समाज के एकात्म स्वरूप पर आधारित है। स्वयंसेवक समाज और परिवार की रीति-नीति का पालन करते हुए राष्ट्र सेवा में निरंतर लीन रहता है। संघ मानता है कि राष्ट्रभक्ति केवल शिक्षा से नहीं, बल्कि परिवार से प्राप्त संस्कारों और मानवीय मूल्यों से उत्पन्न होती है। परिवार समाज की सबसे महत्वपूर्ण इकाई है, और स्त्री परिवार संचालन का केंद्र। वह त्याग, ममता, स्नेह और प्रेरणा का मूर्त रूप है। संघ का यह स्पष्ट दृष्टिकोण है कि पुरुष और स्त्री के सह-अस्तित्व पर ही सुगठित समाज और राष्ट्र की नींव टिकती है।

मातृशक्ति ही राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा है

संघ के द्वितीय सरसंघचालक, पूजनीय गुरुजी गोलवलकर जी ने अपने लेखन में माता, मातृभूमि और जगत जननी को व्यक्ति निर्माण की प्रक्रिया में केंद्रीय भूमिका दी है। जिस प्रकार प्रकृति में पेड़, पौधे, पशु, मानव सभी परस्पर जुड़े होते हैं, उसी प्रकार स्त्री और पुरुष का सह-अस्तित्व ही समाज की पूर्णता है।

सह-सरकार्यवाह कृष्ण गोपाल जी के अनुसार- स्त्री धारण करती है, इसलिए धारिणी है; जन्म देती है, इसलिए जन्मदायिनी है; मातृत्व प्रदान करती है, इसलिए माता है। ऋग्वेद की ऋषिकाएं जैसे घोषा, उपाली, सावित्री, वाक् आदि इस बात का प्रमाण हैं कि वैदिक काल में स्त्री न केवल शिक्षित, बल्कि वेद लेखन में भी अग्रणी रही हैं। विवाह व्यवस्था की अवधारणा भी सबसे पहले सूर्य-सावित्री जैसी ऋषिकाओं ने दी थी। ऋग्वेद और अथर्ववेद में विवाह से जुड़े मंत्र इस बात का प्रमाण हैं कि भारतीय परंपरा में स्त्री को कुटुंब की महारानी का स्थान प्राप्त है।

शास्त्रार्थ से लेकर रामायण की कैकेयी और महाभारत की द्रौपदी तक भारतीय स्त्री ने साहस, विद्वत्ता और आत्मसम्मान का परिचय दिया है। कालीबाई से लेकर रानी लक्ष्मीबाई तक, भारत की स्त्री शक्ति ने शिक्षकों, संस्कृति और राष्ट्र की रक्षा में स्वयं को समर्पित किया है। राजस्थान की एक विश्नोई महिला द्वारा एक स्तन से अपने शिशु और दूसरे से हिरण के बच्चे को दूध पिलाने की घटना वात्सल्य की चरम अभिव्यक्ति है, जो केवल भारतवर्ष में संभव है। विदेशी आक्रांताओं के कालखंड में स्त्री के प्रति सामाजिक असंतुलन उत्पन्न हुआ। यह गौरवशाली परंपरा ही संघ के आदर्शों का आधार है, जिसके तहत हिन्दू समाज के संगठन और नव निर्माण का लक्ष्य संघ ने अपनाया है।

राष्ट्र सेविका समिति की स्थापना से स्त्री संगठन की पहल की गई

संघ के प्रारंभिक काल में ही लक्ष्मीबाई केलकर जी ने डॉक्टर हेडगेवार जी से यह प्रश्न किया कि पुरुषों की तरह महिलाओं को संगठित करने की योजना क्या है? डॉक्टर जी ने उन्हें प्रोत्साहित किया और वर्ष 1936 में राष्ट्र सेविका समिति की स्थापना हुई। उद्घोष था- मेरा गुरु परम पवित्र भगवा ध्वज। मातृशक्ति के संगठन द्वारा तेजस्वी हिंदू राष्ट्र के पुनर्निर्माण का कार्य प्रारंभ हुआ। आज जब संघ शताब्दी वर्ष की ओर बढ़ रहा है, राष्ट्र सेविका समिति ने 89 वर्षों की गौरवपूर्ण यात्रा पूर्ण कर ली है। समिति संघ के उद्देश्यों को लेकर ही कार्य करती है।

संघ में मातृशक्ति का निरंतर सम्मान

मातृशक्ति का सहभाग सतत रहा है। संघ का स्पष्ट मत है कि समाज का संगठन पुरुष और स्त्री दोनों के संतुलन से ही संभव है। पश्चिमी दृष्टिकोण जहाँ स्त्री-पुरुष को अलगाव की दृष्टि से देखता है, वहीं भारत का दृष्टिकोण समरसता और सह-अस्तित्व का है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ राजनीतिक दलों और विचारधाराओं ने भारतीय स्त्री की छवि को विकृत कर प्रस्तुत किया है, जबकि भारत की संस्कृति में स्त्री को देवत्व का स्थान प्राप्त है।

वर्ष 2008 में संघ की प्रतिनिधि सभा ने महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों, शोषण और भेदभाव पर चिंता व्यक्त की तथा सरकार से उनके संरक्षण और सशक्तिकरण के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की थी। संघ का कार्य किसी एक वर्ग या लिंग तक सीमित नहीं है। प्रचारक हो या गृहस्थ स्वयंसेवक सभी, माँ के संस्कारों से पोषित होकर, माँ भारती की सेवा को ही अपना जीवन-ध्येय मानते हैं। यही संघ का आत्मबोध है। समरसता और सह-अस्तित्व ही राष्ट्र की शक्ति है भारतीय संस्कृति की आत्मा है अनेकता में एकता। स्त्री और पुरुष के समरूप, समांतर और सह-अस्तित्व आधारित संबंध ही उस संस्कृति की नींव हैं। इसी समरस दृष्टिकोण को संघ अपने चरित्र निर्माण के प्रयासों से निरंतर पुष्ट करता आ रहा है। संघ के अखिल भारतीय कार्यक्रम में दशहरा पर्व पर वर्ष 2022 में पद्मश्री संतोष यादव को मुख्य अतिथि के लिए आमंत्रित किया गया था इसी दौरान परम पूजनीय सरसंघचालक मोहन भागवत जी ने विजयादशमी के समारोह में स्पष्ट किया कि संतोष यादव जी से पूर्व में भी स्त्री शक्ति राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यक्रमों में अतिथि स्वरूप में आयी है, आपातकाल (1975-77) के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यक्रम में अनुसुयाबाई काले को अकोला के कार्यक्रम में और तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री रही कांग्रेस की नेता राजकुमारी अमृत कौर मुख्य अतिथि के रूप में आई थी।

अंतत: संघ की दृष्टि में स्त्री पुरुष दोनों की समान भागीदारी से ही समाज और राष्ट्र की प्रगति सुनिश्चित होती है यह संबंध ही भारतीय संस्कृति का शाश्वत संदेश भी है। हिंदू तन-मन, हिंदू जीवन, रग-रग हिंदू मेरा परिचय- यह गीत संघ का भाव नहीं, बल्कि उस संकल्प की अभिव्यक्ति है जो माँ भारती के चरणों में पूर्ण समर्पण का प्रतीक है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ राजनीतिक दलों और विचारधाराओं ने भारतीय स्त्री की छवि को विकृत कर प्रस्तुत किया है, जबकि भारत की संस्कृति में स्त्री को देवत्व का स्थान प्राप्त है।

अंतत: संघ की दृष्टि में स्त्री पुरुष दोनों की समान भागीदारी से ही समाज और राष्ट्र की प्रगति सुनिश्चित होती है यह संबंध में ही भारतीय संस्कृति का शाश्वत संदेश भी है। हिंदू तन-मन, हिंदू जीवन, रग-रग हिंदू मेरा परिचय- यह गीत संघ का भाव नहीं, बल्कि उस संकल्प की अभिव्यक्ति है जो माँ भारती के चरणों में पूर्ण समर्पण का प्रतीक है।

–डॉ. निमिषा गौड़,
असिसटेन्ट प्रोफेसर
कनोड़िया पी. जी. महिला महाविधालय, जयपुर।

प्रदेश के 31अपर प्राइमरी स्कूल सीधे सीनियर सेकेण्डरी स्कूल बने

▪ स्कूल में पढ़ रहे स्टूडेंट्स को 8वीं क्लास के बाद स्कूल नहीं बदलना पड़ेगा

बीकानेर, (निसं)। शिक्षा विभाग ने तय कर लिया है कि राजस्थान में अब एक भी सरकारी सेकेंडरी स्कूल नहीं होगा। अपर प्राइमरी स्कूल के बाद सीधे सीनियर सेकेंडरी स्कूल ही होंगे। प्रदेश के 31 सरकारी अपर प्राइमरी स्कूल को सेकेंडरी के बजाय अब सीधे सीनियर सेकेंडरी में क्रमोन्नत (अपग्रेड) कर दिया गया है। इससे स्कूल में पढ़ रहे स्टूडेंट्स को 8वीं क्लास के बाद स्कूल नहीं बदलना पड़ेगा। एक बार प्रवेश लेने के बाद स्टूडेंट्स एक ही स्कूल में अपनी स्कूली शिक्षा पूरी कर सकेंगे। इससे अभिभावकों और बच्चों को 8वीं कक्षा, 10 वीं कक्षा के बाद स्कूल बदलने के झंझट से छुटकारा मिल सकेगा। फिलहाल इन 31 स्कूल में कक्षा 9 और 10 ही शुरू हो सकेंगे। अगले साल बिना किसी स्वीकृति के सीधे क्लास 11 व 12 की पढ़ाई शुरू हो जाएगी। माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने इस संबंध में 9 अगस्त की देर शाम को आदेश जारी किए हैं।

राजस्थान की सरकारी स्कूल में पढ़ रहे स्टूडेंट्स को 8वीं कक्षा के बाद स्कूल नहीं बदलना पड़ेगा। एक बार प्रवेश लेने के बाद स्टूडेंट्स एक ही स्कूल में अपनी स्कूली शिक्षा पूरी कर सकेंगे। पूर्व में गहलोत सरकार ने प्रदेश के सभी सेकेंडरी स्कूल को एक ही आदेश में सीनियर सेकेंडरी कर दिया था। इसके बाद तो सेकेंडरी स्कूल से हेडमास्टर का पद ही खत्म हो गया था। ऐसे में भविष्य में भी जो अपर प्राइमरी स्कूल क्रमोन्नत होंगे, वो सीधे सीनियर सेकेंडरी में ही क्रमोन्नत होंगे।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक के आदेश में कहा गया है कि सभी नए क्रमोन्नत स्कूल इसी सत्र में शुरू हो जाएंगे। स्वीकृति के वर्ष में कक्षा 9 व 10 को एक साथ प्रारम्भ किया गया है। अगले साल कक्षा 11 व 12 शुरू हो सकेंगे। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर से मान्यता के लिए जल्दी ही औपचारिकता पूरी की जाएगी। इन स्कूल में वर्तमान में कार्यरत प्रधानाध्यापक, वरिष्ठ अध्यापक को उसके विषय के आधार पर उसी स्कूल में समायोजित किया जाएगा। इसी तरह अपर प्राइमरी के शारीरिक शिक्षक को सीनियर सेकेंडरी स्कूल के शारीरिक शिक्षक पद पर समायोजित किया जाएगा। इन स्कूल में कार्यरत लेवल वन व लेवल टू के टीचर्स को फिलहाल इसी स्कूल में रखा जाएगा। वेतन भी इसी स्कूल से दिया जाएगा।

भूमाफिया ने पुश्तैनी मकान को तोड़ा, एक महिने से पीड़ितों का धरना जारी

पीड़ित भैरूराम सैनी ने प्रशासन पर किसी तरह की कोई कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया

▪ पीड़ित ने थाने में ही नहीं बल्कि कलेक्टर, एसपी और उपखंड अधिकारी पावटा तक शिकायत की है

पावटा, (निसं)। कस्बा पावटा स्थित किले ऊपर मालियों की ढाणी निवासी भैरूराम सैनी के पुश्तैनी मकान को जेसीबी से ध्वस्त कर दिया। मामले में पीड़ित भैरूराम सैनी ने बताया कि भूमाफियों द्वारा उनके पुश्तैनी मकान पर कब्जा करने के इरादे से उनके मकान को जेसीबी मशीन से तोड़ दिया गया है। मामले को लेकर पीड़ित परिवार सहित करीब एक महीने से दिन-रात धरने पर बैठा है, लेकिन पुलिस प्रशासन द्वारा कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

पीड़ित भैरूराम सैनी ने बताया कि प्रागपुरा थाने में इस घटना को लेकर मामला भी दर्ज करवाया गया था लेकिन अभी तक पुलिस द्वारा आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया है। पीड़ित भैरूराम सैनी ने बताया कि उन्होंने सिर्फ स्थानीय थाने में ही नहीं, बल्कि कलेक्टर, एसपी और उपखंड अधिकारी पावटा तक शिकायत की है। इसके बावजूद अभी तक प्रशासन या पुलिस की तरफ से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इस वजह से पीड़ित परिवार का डर और निराशा दोनों बढ़ गए हैं। भैरूराम सैनी का कहना है कि पुलिस उनकी शिकायत को गंभीरता से नहीं ले रही है, जिससे आरोपियों के हौसले बढ़ते जा रहे हैं। पीड़ित परिवार ने जिला प्रशासन से मांग की है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच की जाए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो, ताकि उन्हें न्याय मिल सके और भविष्य में ऐसी घटनाएं फिर न हों। स्थानीय लोग मुकेश कुमार सैनी, मूलचंद, श्रीराम, प्रमोद, विक्रम, ख्याली राम, नरेश, बनवारी लाल, शेर सिंह, महेंद्र, कमलेश, जयराम, श्यामसुंदर सहित स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर ऐसे लोगों को समय पर नहीं रोका गया तो और भी लोग खतरे में पड़ सकते हैं। प्रशासन और पुलिस की निष्क्रियता के कारण लोगों में नाराजगी बढ़ रही है और पीड़ित परिवार न्याय के लिए भटकने को मजबूर हैं।

दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिये प्रशासन सक्रिय

पावटा, (निसं)। उपखंड पावटा में राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से प्रशासन ने सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। सोमवार को पावटा कस्बा क्षेत्र में संभावित दुर्घटना स्थलों की पहचान कर उन्हें चिन्हित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर एक संयुक्त निरीक्षण टीम ने उपखंड पावटा में राष्ट्रीय राजमार्ग 48 का निरीक्षण किया। इस दौरान एनएएचआई, पीडब्लूडी, तहसीलदार, परिवहन और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत ने राष्ट्रीय राजमार्ग 48 उपजिला अस्पताल पावटा कट जैसे प्रमुख स्थानों का दौरा किया, जहां पूर्व में कई गंभीर सड़क हादसे हो चुके हैं।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

मंगलवार 12 अगस्त, 2025

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र दिन 11:52 तक, सुकर्मा योग सायं 6:45 तक, विष्टि करण प्रात: 8:41 तक, चन्द्रमा प्रात: 6:10 से मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-कन्या, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 11:52 से सूर्योदय तक है। भद्रा प्रात: 8:41 तक रहेगी। आज सातुड़ी तीज, कजली तीज और अंगारक संकष्ट चतुरथी व्रत, पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:16 से 10:54 तक, लाभ-अमृत 10:54 से 2:10 तक, शुभ 3:47 से 5:25 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:00, सूर्यास्त 7:03

मेष – घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। व्यावसायिक परेशानियां अभी बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी।

वृष – आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

मिथुन – व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क – व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिल सकती है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

सिंह – चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। धन हानि का भय है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या – परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला – स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक – व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

धनु – घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

मकर – परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

कुंभ – व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को मानसिक तनाव रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। वाणी पर संयम रखना ठीक रहेगा।

मीन – घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मुख्यमंत्री निवास को बम से उडाने की धमकी, आरोपी झुंझुनूं से डिटेन

पुलिस कंट्रोल रूम पर धमकी मिलने की सूचना सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट हुई, बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंचा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर में उस समय हड़कंप मच गई,जब एक व्यक्ति ने पुलिस कंट्रोल रूम को फोन कर मुख्यमंत्री निवास (सीएमओ) को बम से उडाने की धमकी दी। पुलिस कंट्रोल रूम पर धमकी मिलने की सूचना अधिकारियों को दी गई। मुख्यमंत्री निवास को बम से उड़ाने की धमकी मिलने खलबली मच गई। सूचना पर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हुई और चप्पे चप्पे पर मुख्यमंत्री निवास की गहनता से तलाशी ली गई। आधे घंटे के सर्च ऑपरेशन के बाद जब वहां पर कोई आपत्तिजनक वस्तु नहीं नहीं मिली तो सुरक्षा एजेंसियों ने राहत की सांस ली है।

हालांकि पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बम की धमकी देने वाले आरोपित सांवर मल सैनी (50) निवासी गुढा झुंझुनूं को पुलिस

आरोपी सांवर मल सैनी

अभिरक्षा में लिया गया। जयपुर पुलिस टीम देर रात आरोपित को झुंझुनूं से जयपुर लेकर रवाना हुई।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि सोमवार दोपहर साढ़े 12 बजे पुलिस कंट्रोल

- पूरे मुख्यमंत्री निवास परिसर की ली गई चप्पे-चप्पे की तलाशी, कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने पर प्रशासन ने राहत की सांस ली

रूम पर फोन आया और फोन करने वाले ने कहा कि वह मुख्यमंत्री निवास (सीएमओ) को बम से उड़ाने वाला है। इस पर कंट्रोल रूम ने जानकारी सभी पुलिस के अधिकारियों के साथ साझा की। जिसके बाद पुलिस और बम निरोधक दस्ता मुख्यमंत्री निवास (सीएमओ) पहुंचा और तलाशी ली। करीब आधे घंटे के सर्च ऑपरेशन के बाद जब वहां पर कोई आपत्तिजनक वस्तु नहीं नहीं मिली तो सुरक्षा एजेंसियों ने राहत की सांस ली है। संदिग्ध नंबर की लोकेशन ट्रेस की गई तो झुंझुनू में आई। इस पर झुंझुनू पुलिस अधिकारियों को जानकारी दी गई जिस पर झूठी सूचना देने वाले को डिटेन किया गया।

सचिवालय में भी सुरक्षा के बड़े बंदोबस्त

मुख्यमंत्री कार्यालय को बम से उडाने की धमकी के बाद सचिवालय में सुरक्षा व्यवस्था भी कर दी गई है। स्वागत कक्ष और अन्य जगह पुलिस का अतिरिक्त जाब्ता तैनात किया गया है। सचिवालय में जनपद से आने वाली गाड़ियों को गहन जांच पड़ताल के बाद ही उन्हें अंदर आने दिया जा रहा है।जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जार्ज जोसेफ ने बताया कि संदिग्ध आरोपित को झुंझुनू में हिरासत में लिया गया है। आरोपित को पूछताछ के लिए जल्द ही जयपुर लाया गया है। जानकारी के अनुसार आरोपित मानसिक रोगी है, बाकी जांच पड़ताल के बाद ही स्थिति का पता चल पाएगा। वहीं सुरक्षा कारणों से पूरे क्षेत्र को बैरिकेड कर दिया गया है और प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है। इसके अलावा स्निफर डॉग्स के साथ आधुनिक तकनीकी उपकरणों का इस्तेमाल किया जा रहा है। हालांकि सुरक्षा की दृष्टि से इलाके में पुलिस बल तैनात किया गया है।

गौरतलब है कि इससे पहले भी जुलाई में सीएमओ ऑफिस को इसी तरह की धमकी दी जा चुकी है। उस समय भी सभी सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई थीं और परिसर की पूरी तरह जांच की गई थी, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु हाथ नहीं लगी थी।

मुख्यमंत्री की जनसुनवाई में समस्याओं के निस्तारण से खिले लोगों के चेहरे

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को अपने निवास पर नियमित जनसुनवाई की।

- परिवेदनाओं के निस्तारण में कोताही नहीं होगी बर्दाश्त : भजनलाल शर्मा
- दिव्यांग, बुजुर्ग और महिलाओं की समस्याओं का प्राथमिकता से किया समाधान

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार सुशासन के उच्च मापदंडो के अनुरूप प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को बेहतर सुविधाएं एवं सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। जन आकांक्षाओं की पूर्ति और उनकी परिवेदनाओं का त्वरित निस्तारण ही हमारे सुराज का केन्द्र बिंदु है। शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई की। उन्होंने जनसुनवाई में आए प्रत्येक परिवादी से व्यक्तिशः मिलकर उनकी परिवेदनाओं को सुना तथा अधिकारियों को समस्याओं के निस्तारण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक परिवेदना का समय से निस्तारण किया जाए। साथ ही, अधिकारी जनता से जुड़े कामों को पूरी जिम्मेदारी से करें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण को सूचीबद्ध करने के साथ ही उनका फॉलोअप सुनिश्चित करने और परिवादियों को सूचित करने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि जो कार्मिक आमजन की परिवेदनाओं के निस्तारण में लापरवाही बरते, उनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। शर्मा ने जनसुनवाई में आए लोगों की कई समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया। अपनी परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण से आमजन संतुष्ट नजर आए। मुख्यमंत्री द्वारा जनसुनवाई में गरीब, किसान, महिला और युवा की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया गया। साथ ही, दिव्यांग और बुजुर्ग सहित हर जरूरतमंद की परिवेदनाओं का निस्तारण कर उन्हें राहत दी गई।

जनसुनवाई में बीकानेर से आए विशेष योग्यजन जगदीश प्रसाद ने मुख्यमंत्री को बताया कि उन्हें धार्मिक स्थलों की यात्रा करनी है, परन्तु आर्थिक तंगी के कारण वे अपनी इच्छा पूरी नहीं कर पा रहे हैं। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जगदीश को धार्मिक स्थलों की निःशुल्क यात्रा कराई जाए। जगदीश ने अपनी समस्या के मौके पर ही निस्तारण से खुश होकर शर्मा का आभार जताया। शर्मा ने इस दौरान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, गृह, राजस्व, सिंचाई, जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, ऊर्जा सहित विभिन्न विभागों की आमजन से जुड़ी परिवेदनाओं को सुना और उनका मौके पर ही निस्तारण किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

क्या जांच एजेंसी के पत्र के आधार पर किया जा सकता है पूरा बैंक खाता फ्रीज?

राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और बैंक ऑफ महाराष्ट्र से इस मामले में जवाब मांगा

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने साइबर ठगी से जुड़ी धनराशि बैंक खाते में जमा होने पर संबंधित राशि के बजाए पूरा बैंक खाता फ्रीज करने से जुड़े मामले में राज्य सरकार और बैंक ऑफ महाराष्ट्र को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। अदालत ने इनसे पूछा है कि क्या जांच एजेंसी के पत्र के आधार पर सीआरपीसी की धारा 102 के प्रावधानों की पालना किए बिना बैंक खाता फ्रीज किया जा सकता है। वहीं अदालत ने मामले में इच्छुक अधिवक्ताओं को भी अपना पक्ष रखने को कहा है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश पदम कुमार जैन की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता अक्षत शर्मा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता गोपालपुरा बाईपास पर कचौरी की दुकान संचालित करता है। उसका बचत खाता बैंक ऑफ महाराष्ट्र में हैं। गत जुलाई माह में बैंक ने उसे बिना कोई सूचना और नोटिस दिए उसका बचत खाता फ्रीज कर दिया। जब याचिकाकर्ता बैंक पहुंचा तो उसे जानकारी दी गई कि तेलंगाना साइबर क्राइम से बैंक को सूचना मिली है कि साइबर ठगी से जुडी करीब 4.5 हजार रुपए की राशि उसके खाते में ट्रांसफर की गई है।

याचिका में कहा गया कि नियमानुसार यदि बैंक खाते में कोई विवादित राशि आती है तो पूरा बैंक खाता फ्रीज करने के बजाए विवादित राशि को ही फ्रीज किया जाना चाहिए। वर्तमान में ऐसे सैकड़ों मामले सामने आ रहे हैं, जब बैंक सिर्फ जांच एजेंसी के पत्र के आधार पर पूरे बैंक खाते को ही फ्रीज कर देता है।

याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि चेन्नई पुलिस कमिश्नर ने ऐसे मामलों के लिए मशीनरी विकसित की है, लेकिन प्रदेश में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। इसके चलते उपभोक्ता को परेशानी होती है। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने राज्य सरकार और संबंधित बैंक को नोटिस जारी करते हुए इच्छुक वकीलों को पक्ष रखने को कहा है।

मोबाइल-पर्स छीनने वाला गिरफ्तार

जयपुर। सिंधी कैंप थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए यात्रियों का मोबाइल और पर्स छीनने वाले एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित से छीना मोबाइल फोन भी बरामद किया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) हनुमान प्रसाद आईपीएस ने बताया कि सिंधी कैंप थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए यात्रियों का मोबाइल और पर्स छीनने वाले शातिर बदमाश फिरोज खान (25) निवासी शास्त्री नगर को गिरफ्तार किया है।

संजय बाजार की डक्टिंग पायलट प्रोजेक्ट की रिपोर्ट मांगी

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जौहरी बाजार के पास स्थित संजय बाजार में अतिक्रमण से जुड़े मामले में याचिकाकर्ता से बाजार को विकसित करने के लिए बनाए गए डक्टिंग पायलट प्रोजेक्ट की रिपोर्ट मांगी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में सुप्रीम कोर्ट की ओर से दिए आदेश की कॉपी भी दस सितंबर तक पेश करने को कहा है। जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा व जस्टिस संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने यह आदेश संजय बाजार व्यापार मंडल समिति की जनहित याचिका पर दिए। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता विमल चौधरी ने खंडपीठ को बताया कि संजय बाजार में अवैध हटवाड़ा लगाया जा रहा है। इसके कारण स्थानीय व्यापारियों को परेशानी हो रही है। वहीं बाजार में अतिक्रमण और अवैध कब्जों के कारण शहर में होते हुए भी संजय बाजार शहर के दूसरे बाजारों से पिछड़ा हुआ है। हाईकोर्ट के पूर्व जस्टिस वीएस दवे और इंद्रसेन इसरानी ने बाजार के विकास के लिए डक्टिंग प्रोजेक्ट तैयार किया था, लेकिन कई सालों बाद भी इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पर काम शुरू नहीं हो पाया है। व्यापारियों ने बाजार में 75 लाख रुपए से ज्यादा कीमत देकर दुकान खरीदी थी, लेकिन बाजार नहीं चलने के कारण उनकी स्थिति खराब हो गई है। इसलिए संजय बाजार से अतिक्रमणों को हटवाया जाए। इस पर खंडपीठ ने उन्हें कहा कि वे पूर्व जस्टिस दवे व जस्टिस इसरानी की ओर से बनाए गए डक्टिंग पायलट प्रोजेक्ट की रिपोर्ट और मामले में सुप्रीम कोर्ट की ओर से दिए गए आदेश को पेश किया जाए।

टी.टी.एफ. मुंबई में राजस्थान पवेलियन की धूम

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मुंबई में आयोजित ट्रैवल एंड टूरिज्म फेयर में राजस्थान पर्यटन पवेलियन का उद्घाटन किया।

जयपुर। देश की वाणिज्यिक राजधानी मुंबई में आयोजित ट्रैवल एंड टूरिज्म फेयर (टी.टी.एफ.) में राजस्थान पर्यटन पवेलियन ने शानदार उपस्थिति दर्ज कराई और दर्शकों तथा टूरिज्म इंडस्ट्री के विशेषज्ञों से जबरदस्त सराहना प्राप्त की।

इस भव्य आयोजन का उद्घाटन राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने किया। उनके साथ पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव राजेश यादव, होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान के महासचिव अधिराज सिंह सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

पहले दिन उद्घाटन कार्यक्रम में राजेश यादव और पवन जैन की उपस्थिति रही, वहीं होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के महासचिव अधिराज सिंह और कोषाध्यक्ष असीम पारख ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। राजस्थान पवेलियन में "पैलेस ऑन व्हील्स", झील-नदियों के पर्यटन स्थल, ईको-टूरिज्म, और वेडिंग डेस्टिनेशन जैसे अनूठे आकर्षण प्रस्तुत किए गए। ट्रैवल एजेंट्स के लिए विशेष निवेश एवं साझेदारी की जानकारी दी गई और राजस्थान के अद्भुत लेकिन कम ज्ञात पर्यटन स्थलों का भी प्रचार किया गया। यह उम्मीद की जा रही है कि आगामी पर्यटन सीजन में राजस्थान में पर्यटकों की भारी आमद देखने को मिलेगी। राजस्थान पर्यटन विभाग की यह पहल राज्य के पर्यटन उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध होगी।

बीमारी छिपाकर किए गए विवाह को हाईकोर्ट ने रद्द किया

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने सिजोफ्रेनिया नाम की मानसिक बीमारी से पीडित महिला के विवाह से जुड़े मामले में कहा है कि शादी के समय युवती की मानसिक बीमारी को छिपाकर युवक की सहमति ली गई थी। इसके साथ ही अदालत ने मामले में कोटा के पारिवारिक न्यायालय के 28 अगस्त, 2019 के आदेश को रद्द करते हुए हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 12(1)(ग) के तहत विवाह को रद्द कर दिया है। जस्टिस इंद्रजीत सिंह और जस्टिस आनंद शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश पति की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता उदयशंकर आचार्य ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता का विवाह कोटा निवासी युवती के साथ साल 2013 में हुआ था। शादी के बाद ससुराल पहुंचने पर युवती ने ससुराल पक्ष के लोगों के सामने अशिष्ट और असामान्य व्यवहार किया। युवती के साथ पीहर से आए सामान में मनोचिकित्सक की एक पर्ची मिली, जिसमें उसकी पत्नी का सिजोफ्रेनिया का इलाज चलने का हवाला था।

पत्नी की इस मानसिक बीमारी के कारण उनके बीच संबंध भी स्थापित नहीं हुए। इस पर याचिकाकर्ता की ओर से फैमिली कोर्ट में याचिका दायर कर कहा कि विवाह विच्छेद की गुहार की गई। जिसे फैमिली कोर्ट ने 28 अगस्त, 2019 को निरस्त कर दिया। इस आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई।

याचिका में कहा गया कि विवाह से पहले पत्नी की बीमारी के तथ्य को याचिकाकर्ता के छिपाया गया था। दूसरी ओर पत्नी की ओर से कहा गया कि पति और ससुरालवालों ने उससे दहेज उत्पीडन किया।

वह गंभीर बीमारी से पीडित नहीं है, सिर्फ विवाह के कुछ दिन पहले मां और बहन की दुर्घटना के कारण डिप्रेशन में थी। इसके अलावा विवाह के समय ससुराल में हुई छोटी की घटना को याचिकाकर्ता ने तूल दिया है। वही शिक्षित महिला है और किसी तरह की मानसिक बीमारी से ग्रस्त नहीं है। ऐसे में याचिका को खारिज किया जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने फैमिली कोर्ट के आदेश को निरस्त कर करते हुए दोनों पक्षों के बीच हुए विवाह को रद्द कर दिया है।

'सांस्कृतिक-शैक्षिणक उत्थान की आवश्यकता'

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि भारतीय कला-संस्कृति की जो ताकत है वो हम भूल गए। हमको सांस्कृतिक-शैक्षिणक उत्थान की आवश्यकता है। संघ का कार्य शुरू किया, उससे पहले लोग हिन्दू की बात नहीं करते थे। वो डॉ. हेडगेवार ही थे, जिन्होंने हिन्दू राष्ट्र की बात की। हम विश्वगुरु थे परंतु अब हमें विश्वगुरू फिर से बनना है।

राज्यपाल बागड़े सोमवार को पाथेय कण संस्थान में आयोजित 'राष्ट्रोत्थान' ग्रंथ के विमोचन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रारंभ में हमें बोलते थे कि हम प्रसिद्धि पराङ्मुख हैं और इसका हमने सालों पालन किया है। देश जो उत्थान हम देख रहा है वो सालों से उसकी प्रक्रिया चल रही है। हम बचपन से गाते थे, बनेंगे हिन्द के योगी, धरेंगे ध्यान भारत का। हम सभी स्वयंसेवकों के मन में सदैव वही भाव रहता है। जहां जहां स्वयंसेवकों को राष्ट्र सेवा का अवसर मिला चाहे कार्य छोटा हो या बड़ा, उन्होंने प्रमाणिकता के साथ किया।

उन्होंने कहा कि संघ के स्वयंसेवकों की प्रामाणिकता ही थी कि पंडित नेहरू जी ने उनको 1962 में लालकिले पर संचलन के लिए आमंत्रित किया। 1965 में भी शास्त्री जी ने जहां आवश्यकता पड़ी, वहां संघ के स्वयंसेवकों का राष्ट्र के लिए उपयोग किया। भारत की ताकत पूरी दुनिया में बढ़ रही है, हम बचपन से ये कहते थे ताकत बढ़ानी है परंतु ये ताकत हमको किसी को धमकाने या डराने के लिए नहीं बढ़ानी, ये ताकत हमको स्व रक्षा कब लिए बढ़ानी है।संघ के ज्येष्ठ विचारकर रमेश पतंगे ने कहा कि संघ ने शताब्दी वर्ष में 5 क्षेत्रों स्व का बोध, कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, नागरिक कर्तव्य और पर्यावरण के क्षेत्र में काम करने का प्रण किया है। संविधान की कम समझ के कारण सभी लोग अधिकारों की बात करते हैं परंतु अपना विचार अधिकारों में स्थान पर कर्तव्यों की बात करता है। कर्तव्य का जागरण समाज में करने की आवश्यकता है।

रक्षाबंधन पर उत्तरकाशी में आपदा प्रभावितों के लिए पतंजलि ने भेजी राहत सामग्री

इस राहत किट में राशन सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुएं भेजी गयी हैं

हरिद्वार। धराली उत्तरकाशी में आई भीषण त्रासदी में प्रभावितों की सहायता के लिए पतंजलि योगपीठ ने हाथ बढ़ाया है। पतंजलि योगपीठ के परमाध्यक्ष स्वामी रामदेव, महामंत्री आचार्य बालकृष्ण तथा पतंजलि फूड्स के एम.डी. रामभरत जी ने प्रारंभिक तौर पर 3 ट्रक आपदा राहत सामग्री धराली, उत्तरकाशी रवाना की, और सम्पूर्ण देशवासियों से इस आपदा में प्रभावितों की सहायता के लिए आगे आने का आव्हान किया।

स्वामी रामदेव ने कहा कि इस त्रासदी में जो जीवन समाप्त हो गए उन्हें तो कोई लौटा नहीं सकता, लेकिन जो लोग जो बाढ़ से बहुत ज्यादा प्रभावित हैं, ऐसे लगभग 500 परिवारों के रोजमर्रा की नितांत आवश्यक वस्तुएँ जैसे- आटा, चावल, दालें, नमक, मसाले, बरसात से बचने के लिए तिरपाल, बर्तन, टूथपेस्ट, ब्रश, साबुन आदि हर्षिल, धराली रवाना की जा रही हैं।

उन्होंने मल्टीनेशनल कंपनियों के साथ-साथ बड़ी स्वदेशी कम्पनियों को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि ये कंपनियां उत्तराखंड में केवल पैसा कमाने आती हैं, जबकि आपदा के समय इन्हें मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाना चाहिए।

रक्षाबंधन पर योग गुरु स्वामी रामदेव ने देशवासियों से अमेरिका की गुंडागर्दी के खिलाफ एकजुट होने की अपील की। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में एक न्यू वर्ल्ड ऑर्डर बन रहा है। इसमें ब्रिक्स देश, भारत, रशिया, चाईना, मिडिल ईस्ट, यूरोप तथा जी-7 के कुछ देश एक साथ आगे आ रहे हैं जिससे अमेरिका की दादागिरि का मुकाबला किया जा सके और डॉलर का साम्राज्य खत्म किया जा सके।

देशवासी, स्वदेशी को अपनाने का संकल्प लें और भारत की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने, रुपए को मजबूत बनाने और डॉलर के कुचक्र को

पतंजलि योगपीठ के स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने धराली उत्तरकाशी में भीषण त्रासदी से प्रभावितों के लिए राहत सामग्री के ट्रक भेजे।

तोड़ने का संकल्प लें।

उन्होंने कहा कि 250 साल पहले एक विदेशी ईस्ट इण्डिया कंपनी ने भारत को गुलाम बनाया था और केवल 10 ताकतवर लोगों ने लगभग 64 ट्रिलियन डॉलर की लूट की थी। कुल मिलाकर भारत में पिछले 200-250 सालों में लगभग 100 ट्रिलियन डॉलर की आर्थिक लूट हुई है।

आज राजनैतिक आजादी के बावजूद भी देश आर्थिक गुलामी, शिक्षा-चिकित्सा की गुलामी, वैचारिक सांस्कृतिक गुलामी, ग्लानि व कुण्डाओं में डूबा हुआ है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने टेरिफ रेट को लेकर पूरे विश्व में जो गुंडागर्दी कर रखी है उसे गुंडागर्दी का मुकाबला करने का समय आ गया।

आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि रक्षाबंधन का अर्थ है कि हम हमारी बहनों या समाज के किसी भी व्यक्ति की रक्षा अपनी सामर्थ्य के अनुसार कर पाएँ।

दुर्भाग्य से उत्तराखण्ड में जो भयानक त्रासदी हुई, उसमें कई लोगों ने अपनी जान गंवाई। पतंजलि परिवार उसी दिन से शासन-प्रशासन व जमीनी स्तर पर संपर्क बनाए हुए है।

- देशवासी स्वदेशी को अपनाकर भारत की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने और डॉलर के कुचक्र को तोड़ने का संकल्प लें : स्वामी रामदेव
- पतंजलि की स्पष्ट सोच, सिद्धांत व मन्तव्य है कि देश हमारा परिवार है : आचार्य बालकृष्णपतंजलि की स्पष्ट सोच, सिद्धांत व मन्तव्य है कि देश हमारा परिवार है : आचार्य बालकृष्ण

करीब 500 परिवार इस भयानक त्रासदी में बहुत ज्यादा प्रभावित हैं।

आचार्य ने कहा कि 2004 की सुनामी, 2008 में बिहार बाढ़, 2013 में केदारनाथ, उत्तराखण्ड बाढ़ से लेकर नेपाल भूकंप त्रासदी तक पतंजलि सबसे पहले प्रभावितों की मदद के लिए आगे आया है।

इससे पहले पतंजलि योगपीठ में श्रावणी उपाकर्म, रक्षाबंधन पर्व मनाया गया जहाँ जिसमें बहन रेनू श्रीवास्तव, साध्वी देवप्रिया, डॉ. ऋतम्भरा शास्त्री, बहन अंशुल, बहन पारूल के साथ-साथ पतंजलि गुरुकुलम् व आचार्यकुलम् की छात्राओं तथा संन्यासिनी बहनों ने स्वामी रामदेव जी व आचार्य बालकृष्ण जी को राखी बांधकर रक्षा का आशीर्वाद लिया। साथ ही पतंजलि गुरुकुलम् तथा आचार्यकुलम् के छात्र-छात्राओं का उपनयन संस्कार कराया गया।

कुख्यात बदमाश जयपुर और टोंक से गिरफ्तार

जयपुर । एन्टी गैंगस्टर टॉस्क फोर्स सीआईडी (सीबी) पुलिस मुख्यालय राजस्थान की टीम द्वारा लॉरेन्स विश्नोई गैंग व अन्य गैंगस्टरों के विरूद्ध लगातार धरपकड के लिए अभियान जारी है। जिसके चलते एन्टी गैंगस्टर टॉस्क फोर्स सीआईडी (सीबी) पुलिस मुख्यालय, राजस्थान जयपुर एवं स्पेशल ऑपरेशन सैल अमृतसर, पंजाब टीमों द्वारा नवाशहर, जालंधर पंजाब में हुये ग्रेनेड धमाके एवं 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस) के लगभग दिल्ली एवं ग्वालियर मध्य प्रदेश में धमाका कर संगीन वारदात की योजना को अंजाम देने से पूर्व ही आरोपितों को जयपुर व टोंक जिले से धर दबोचा व पंजाब पुलिस को सुपुर्द कर दिया है।

विगत 7 जुलाई 2025 को नवाशहर जालन्धर में दहशत फैलाकर अवैध वसूली के लिए लॉरेन्स विश्नोई गैंग के गुर्गा ने शराब की दुकान के सामने ग्रेनेड धमाका कर संगीन वारदात को अंजाम दिया और फरार हो गये। वांछित कुख्यात आरोपितों को जिला जयपुर व टोंक से दस्तयाब किया गया।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध दिनेश एम.एन. ने बताया कि स्पेशल ऑपरेशन सैल अमृतसर पंजाब में दर्ज प्रकरण में वांछित आरोपितों की तलाश के लिए जयपुर रेंज व अजमेर रेंज रवाना किया गया था। टीम द्वारा अपनी पहचान छुपाते हुए जयपुर शहर व टोंक के आपराधिक क्षेत्रों में जान की परवाह ना करते हुए कठोर परिश्रम कर वांछित अभियुक्तों के सम्बन्ध में आसूचना संकलन कर कडी मेहनत से उक्त वारदात मे वांछित शिवम उर्फ बिट्टू पुत्र संजीव यादव जाति यादव निवासी सेमइकापुरा पंचायत सराय रसूलपुर पुलिस थाना बलूआ जिला चांदोली उत्तर प्रदेश, जितेन्द्र चौधरी पुत्र भागचन्द चौधरी जाति जाट निवासी आकोडिया पुलिस थाना निवाई जिला टोंक , संजय पुत्र बुद्धराम जाति नायक निवासी नवरंगदेसर पुलिस थाना शेरगढ जिला हनुमानगढ , सोनू उर्फ काली पुत्र उदयमण्डल जाति चीर निवासी आलमगीर कपूरथला पंजाब, सोनू पुत्र राजू पासवान जाति पासवान निवासी खास दरबार कोदरवा कपूरथला पंजाब इस प्रकार छह वांछित अभियुक्तों को दस्तयाब किया गया, जिसमें से 1 नाबालिग है। इन्हें पंजाब से आयी स्पेशल ऑपरेशन सैल अमृतसर पंजाब पुलिस टीम को सुपुर्द किया गया।

80 लाख रुपये की स्मैक के साथ जयपुर निवासी तस्कर गिरफ्तार

पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान अवैध मादक पदार्थ 396 ग्राम स्मैक पकड़ी

कोटा, (निसं)। रानपुर पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ 396 ग्राम स्मैक के साथ जयपुर निवासी तस्कर को गिरफ्तार किया है। तस्कर से बरामद स्मैक का अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत 80 लाख रूपये करीब बताई गई है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि जिले में अवैध मादक पदार्थ तस्करी की रोकथाम हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। शहर एसपी ने बताया कि शहर के समस्त थानाधिकारियों को टीम गठित कर अवैध मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिये गये हैं।

शहर एसपी ने बताया कि रानपुर थानाधिकारी रामविलास मीणा मय जाब्ता जगपुरा पुलिस चौकी के सामने झालावाड़ से कोटा आने वाले रोड़ पर नाकाबंदी कर झालावाड़ से कोटा की तरफ आने वाले वाहनों की चैकिंग कर रहे थे। नाकाबंदी के दौरान एक व्यक्ति पर संदेह होने पर मौके पर उसको डिटेन कर उसके पास मौजूद बैग की तलाशी ली तो एक प्लास्टिक की थैली में अवैध मादक पदार्थ 396 ग्राम स्मैक बरामद हुई। शहर एसपी ने बताया कि तस्कर से बरामद अवैध मादक पदार्थ स्मैक 396 ग्राम जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत 80 लाख रूपये करीब है। शहर एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने मौके पर एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुए जयपुर के शक्ति कॉलोनी आमगढ़ निवासी शरीफ उर्फ टेम्पू (27) को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गये तस्कर से अवैध मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त के बारे में अनुसंधान जारी है।

रानपुर पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान मादक पदार्थ स्मैक सहित तस्कर को गिरफ्तार किया।

- **पकड़े गये तस्कर से अवैध मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त के बारे में जांच जारी है**

मादक पदार्थ सहित आरोपी

गिरफ्तार : कोटा के गुमानपुरा पुलिस टीम ने मुखबीर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए 9 ग्राम 56 मिलीग्राम सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है। गुमानपुरा थानाधिकारी अनिल टेलर ने बताया कि शहर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। थानाधिकारी ने बताया कि मय जाप्ता इलाके में गश्त व चैकिंग के दौरान मुखबीर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए छत्रपुरा तालाब विज्ञान नगर निवासी सलमान (22) को अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए 9 ग्राम 56 मिलीग्राम सहित एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया।

194 किलो डोडा चूरा सहित आरोपी गिरफ्तार

अलवर, (निसं)। पुलिस ने 194 किलो 868 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम डोड-चूरा के साथएक आरोपी को गिरफ्तार किया है। वहीं पुलिस गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रही है।

पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में साइबर अपराध, अवैध मादक पदार्थ, अवैध शराब, सम्पत्ति संबंधी व महिला अपराधों में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध धरपकड़ अभियान के दौरान डॉ. प्रियंका अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जिला अलवर के निर्देशन में कैलाश जिन्दल वृताधिकारी वृत लक्ष्मणगढ़ जिला अलवर के निकटतम सुपरविजन में बनेसिंह उ.नि. थानाधिकारी गोविन्दगढ़ के नेतृत्व में पुलिस चौकी नसवारी पर सघन नाकाबन्दी के दौरान एक ट्रेलर में अवैध मादक पदार्थ अफीम डोडा-चूरा परिवहन करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने बताया कि पुलिस चौकी नसवारी के सामने रामगढ रोड़ पर नाकाबन्दी में एक ट्रेलर गोविन्दगढ की तरफ से तेजगती से आया जिसको जाप्ता की मदद से रुकवाकर चैक किया तो 194 किलो 868 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम डोडा-चूरा के मय वाहन के आरोपी निर्मल सिंह निवासी ललावण्डी थाना रामगढ़ जिला अलवर को गिरफ्तार किया।

होटल में ठहरे युवक की संदिग्ध अवस्था में मौत

कोटा, (निसं)। नान्ता थाना इलाके में स्थित एक होटल में ठहरे युवक की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। जानकारी के अनुसार युवक होटल में महिला मित्र के साथ ठहरा हुआ था। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। युवक ने रविवार रात को ही होटल में कमरा लिया था।

नान्ता थाने के उपनिरीक्षक थानाधिकारी नवल किशोर शर्मा ने बताया कि बूंदी रोड स्थित होटल से सूचना मिली थी कि उनके यहां एक कमरे में ठहरे 30 वर्षीय दादाबाड़ी निवासी युवक भंवर सिंह की मौत हो गई है, भंवर सिंह रविवार रात साढ़े आठ बजे अपनी महिला मित्र के साथ होटल में पहुंचा था।

थाना अधिकारी ने बताया कि उसकी महिला मित्र के अनुसार उसने देर रात शराब पी थी। सिगरेट में कुछ नशीला पदार्थ मिलाकर भी सेवन किया था। इसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई और सुबह उसकी मौत हो गई। महिला मित्र ने ही सुबह होटल प्रबंधन को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस को बताया गया। मौके पर पहुंची एफएसएल टीम ने अन्य साक्ष्य एकत्र किए हैं। थानाधिकारी ने मृतक युवक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कार्यालय नगर पालिका सांगोद जिला कोटा (राज.)
E-Mail Id:- np.sangod05@gmail.com Phone No.:-07450-294239
क्रमांकः–न0पा0सा0 / 2025 / 1902 दिनांकः–07.08.2025

ई–निविदा–सूचना

इस कार्यालय की निविदा सूचना संख्या 1900–1901 दिनांक 07.08.2025 के द्वारा कुल 01 कार्य की अनुमानित लागत 16.45 लाख की विभिन्न राजकीय विभागो में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको / संबंधित फर्मो / कम्पनीयों से ई–निविदायें आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा से संबंधित समस्त विवरण http://eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

Work No.	UBN No.
1	DLB2526WSOB14032

प्रशासक नगरपालिका सांगोद — अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका सांगोद
राज.संवाद / सी / 25 / 7883

कार्यालय नगर पालिका मण्डल नापासर (बीकानेर)
E-mail:- eonagarpalikanapasar@gmail.com
क्रमांक / न.पा.नापा / 2025 / 720 दिनांक : 29.07.2025

ई–निविदा (ए.आर.सी.) सूचना संख्या 23/2025–26

नगर पालिका नापासर को विभिन्न आयोजनों में भोजन, अल्पाहार, चाय, कॉफी, मिनरल वॉटर, पानी की बोतल, नींबू पानी, छाछ, पानी के केम्पर, बफर सिस्टम भोजन (सर्दियों में) एवं बफर सिस्टम भोजन (गर्मियो में) उपलब्ध करवाने हेतु 01 वर्ष के लिए पंजीकृत फर्मो से निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई–प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया से ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। ए.आर.सी. निविदा से सम्बन्धित विवरण राज्य सरकार के ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है।

कार्य की अनुमानित लागत :– 15.00 लाख
1. UBN Code :- DLB2526SLOB14024

अध्यक्ष नगर पालिका नापासर — अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका नापासर
राज.संवाद / सी / 25 / 7900

तस्कर गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। विराटनगर थाना पुलिस ने 1 किलो 532 ग्राम मादक पदार्थ गांजा बरामद किया है। जिला पुलिस अधीक्षक कोटपूतली बहरोड देवेंद्र कुमार विश्नोई ने बताया कि विराटनगर थाना प्रभारी सोहन लाल के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा गश्त व चेकिंग के दौरान ग्राम नवरंगपुरा में बलेसर मोड़ पर एक चाय की दुकान के पास कैलाश मीणा पुत्र जगदीश द्वारा बिना लाइसेंस के अवैध मादक पदार्थ गांजा अपने कब्जे में रखना दंडनीय अपराध होने से अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया, जिससे पूछताछ जारी है।

कोटा में छात्र ने आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। महावीर नगर इलाके में बीएससी (एग्रीकल्चर) फर्स्ट इयर के छात्र ने कमरे में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। छात्र कोटा में किराये से रहता था, जानकारी के अनुसार घटना का पता उस समय चला जब मकान मालिक द्वारा कमरे का गेट खटखटाने पर छात्र ने कमरा नहीं खोला तो मकान मालिक ने खिड़की से देखा तो छात्र फांसी के फंदे पर लटका हुआ था। मृतक बारां के मांगरोल स्थित रामपुरिया भगतान गांव निवासी अभिषेक मीणा था जो कुछ दिन पहले राखी पर गांव गया था और राखी मनाकर गांव से कोटा आया था। महावीर नगर थानाधिकारी रमेश कविया ने बताया कि मृतक भगतान गांव निवासी अभिषेक मीणा (20) है जो कोटा में किराये से रहकर प्राईवेट कॉलेज से बीएससी (एग्रीकल्चर) फर्स्ट ईयर की पढ़ाई कर रहा था। थानाधिकारी ने बताया कि आत्महत्या के पीछे प्रथमदृष्टया से पारिवारिक कलह सामने आई है। मृतक छात्र के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

ननद के साथ गई पत्नी का गला काटकर भागा पति

पति की इजाजत लिए बिना पत्नी दो बच्चों को लेकर ननद के साथ उसके घर चली गई थी

डीग/भरतपुर, (निसं)। डीग जिले के कोतवाली क्षेत्र के बहज गांव में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। पति की परमिशन लिए बिना पत्नी दो बच्चों को लेकर अपनी ननद के साथ उसके घर चली गई। रात में पति घर पहुंचा। पत्नी बच्चे नहीं मिले तो फोन लगाया। पता चला कि पत्नी उसकी (पति की) बहन के साथ चली गई है। इस पर पति का पारा चढ़ गया। वह रात में ही अपनी बहन के घर पहुंचा और पत्नी-बच्चों को साथ चलने को कहा। बहन-बहनोई ने सुबह जाने के लिए समझाया। वह रुक गया, लेकिन रात में पत्नी का गला काटकर भाग गया।

जानकारी के अनुसार मामला डीग जिले के कोतवाली थाना इलाके के बहज गांव का है। घटना सोमवार अलसुबह 3.30 बजे के करीब हुई। महिला के गले पर तीन इंच का कट लगा है। भरतपुर के आरबीएम हॉस्पिटल में उसका इलाज चल रहा है।

आरोपी के जीजा योगेश कुमार ने बताया कि मेरा साला शशि (30) उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के कलारी लक्ष्मीनगर का रहने वाला है। वह मजदूरी करता है। राखी के पर्व पर शशि की बहनें पिंकी (योगेश की पत्नी) और पूनम अपने भाई शशि को राखी बांधने गई थी। राखी बंधाकर शशि काम पर चला गया। शशि की पत्नी कुमकुम (28) दोनों ननदों के साथ मेरे घर बहज गांव (डीग) आ गई। रात में जब शशि अपने घर पहुंचा तो पत्नी बच्चे नहीं मिले। वह रविवार रात 11.30 बजे बहज आया और अपनी पत्नी से झगड़ा करने लगा। कहा कि बिना पूछे कैसे आ गई। वह रात में ही पत्नी बच्चों को ले जाने की जिद करने लगा।

योगेश कुमार ने बताया कि हमने उसे समझाया कि रात का वक्त है, बच्चे छोटे हैं। सुबह चले जाना। इस पर शशि मान गया। उसने खाना खाया और सभी सो गए। सुबह 3.30 बजे के करीब अचानक चीख-पुकार मची। हम भागकर कुमकुम के कमरे में पहुंचे तो देखा कि उसके गले से खून बह रहा है। वह बेड पर पड़ी थी। शशि के हाथ में धारदार हथियार था। हमने उसे पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह भाग निकला। हमने कुमकुम को संभाला और बहज गांव के हॉस्पिटल ले गया। वहां से उसे भरतपुर के आरबीएम हॉस्पिटल भेज दिया गया।

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
कार्यालय संभागीय मुख्य अभियंता (बाड़मेर संभाग), न्यू पावर हाऊस, इंदिरा कॉलोनी, बाड़मेर-344001
दूरभाष- 029822-20674 मोबाइल-94140-21318 ई-मेल - cebmrzone@gmail.com

ई- निविदा सूचना : 07/2025-2026

बाड़मेर संभाग के अधीन ई–निविदा दो भागों में (तकनीकी–वाणिज्यिक) एसडीआरएफ स्थानों पर (पवस) उपखण्ड मोहनगढ़ के अधिकार क्षेत्र में टीएन – 07 / 2025–26 के तहत 33 / 11 केवी उपचौकी जोशिया एवं सम्बन्धित 33 केवी लाइन व 11 केवी इंटर कनेक्शन का कार्य एलआरसी पर करवाये जाने के लिए योग्य निविदादाताओं से श्रम दर पर आमंत्रित की जाती हैं। योग्य निविदादाता सम्पूर्ण निविदा सम्बन्धित दस्तावेज ई–प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनाँक 29.08.2025 से डाउनलोड कर सकते हैं। निविदाएँ ऑन–लाइन ई–पोर्टल पर दिनाँक को 29.08.2025 सायं 4.00 बजे तक स्वीकार की जावेगी। निविदा सम्बन्धी जानकारी, कार्य का विवरण इत्यादि जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की वेब साईट www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in & http://www.eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

UBN - JVV2526WSOE00359
संभागीय मुख्य अभियंता (बाड़मेर संभाग)
राज.संवाद/सी/25/7923
बिजली संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6045

कार्यालय नगर पालिका भवानीमण्डी, जिला झालावाड़, राजस्थान
क्रमांक :– न.पा.भ. / निर्माण / 2025 / 1258–60 दिनांक :– 07 / 08 / 2025

–: निविदा संख्या 10/2025–26 :–

नगर पालिका भवानीमण्डी के सक्षम श्रेणी में पंजिकृत ठेकेदारों / फर्मो से निविदा पद्धति से दिनांक 08 / 08 / 2025 से 18 / 08 / 2025 तक 02 कार्यो की ऑफलाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। कार्य की अनुमानित लागत / निविदा से संबंधित प्रपत्र बेचने व शुल्क जमा करवाने की तिथि 18 / 08 / 2025 रहेगी। निविदा की शर्ते एवं अन्य जानकारी वेबसाईट http//:sppp.rajasthan.gov.in एवं कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है।
NIB Code – DLB2526A4471

अध्यक्ष नगर पालिका भवानीमण्डी — अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका भवानीमण्डी
राज.संवाद / सी / 25 / 7889

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER, P.W.D., CIRCLE-JHALAWAR
Room No.158, Ground Floor (Public Works Department), Mini Secretariat, Jhalawar
E-mail: piu_jhalawar@rediffmail.com/sejwar.pwd@rajasthan.gov.in, Phone No.: 07432-233336
S. No.-458 NIT No. 05/2025-26 Date-29.07.2025

Notice Inviting Bid
NIB No. PWD2526A2329

Bids for "Road work of Atal Pragati Path in Dist. Jhalawar (1 Nos.) are invited from interested bidders upto 6.00 PM, Dated 26.08.2025 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://erpoc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the Rajasthan http://pwd.rajasthan.gov.in website. The approximate value of the procurement is Rs. 172.67 Lacs. and
UBN No.- 1. PWD2526WSOB08544

(Mukesh Chand Meena)
Superintending Engineer
Public Works Department
Circle-Jhalawar
DIPR/C/11115/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड निवाई
क्रमांक-1916-25 दिनांक-25.07.2025

निविदा सूचना संख्या-13/2025-26 खण्ड निवाई

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड निवाई में सडक/भवन निर्माण हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के 'ए'', एवं ''एए'' ''बी'' ''सी'' ''डी'' श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण वेबसाईट साईट www.dipronline.org व www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB CODE- PWD2526A2241, 1. PWD2526WSOB08143,
2. PWD2526WSOB08144, 3. PWD2526WSOB08145,
4. PWD2526WSOB08146, 5. PWD2526WSOB08147,
6. PWD2526WSOB08148

अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड निवाई
DIPR/C/10929/2025

जोधपुर के पुराने हाईकोर्ट परिसर में जज के चैम्बर की छत का हिस्सा गिरा

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के पुराने हाईकोर्ट परिसर में एनडीपीएस कोर्ट जज के चैम्बर की छत गिर गई। सोमवार सुबह स्टाफ ने कोर्ट रूम और चैम्बर खोला तो छत का हिस्सा गिरा हुआ था। इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। चैम्बर में रखा अधिकांश फर्नीचर व अन्य सामान क्षतिग्रस्त हो गया।

जानकारी के अनुसार डिस्ट्रिक्ट कोर्ट परिसर (पुराना हाईकोर्ट) में ही एनडीपीएस कोर्ट संख्या-1 है। यहां विशिष्ट न्यायाधीश मधुसूदन मिश्रा के ऑफिस का स्टाफ सोमवार सुबह कोर्ट पहुंचा था। कोर्ट रूम व चैम्बर का गेट खोला तो अंदर पूरा सामान क्षतिग्रस्त पड़ा था। टी-टेबल का शीशा सहित लगभग पूरा फर्नीचर टूटा पड़ा था। सामान पर भारी भरकम सीमेंट-बजरी के बड़े टुकड़ों के साथ फॉल्स सीलिंग ढही हुई थी। फॉल्स सीलिंग के साथ लगी लाइट्स भी टूटकर जमीन पर बिखरी पड़ी मिली। घटना की जानकारी मिलने के बाद कोर्ट के प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। संबंधित विभाग को इसकी जानकारी दी। कुछ ही देर में मरम्मत का काम करने के लिए टीम पहुंच गई। रिपेयर का काम शुरू कर दिया गया। शुक्रवार आठ अगस्त को रोजाना की ही तरह काम हुआ था। इसके बाद शनिवार और रविवार को अवकाश के चलते कोर्ट नहीं खुला था। सोमवार सुबह कोर्ट खुला तो इस घटना का पता चला। ऐसे में आशंका यही जताई जा रही है कि इसी अवधि में यह हादसा हुआ होगा। इसमें यह भी सामने आया कि छत का प्लास्टर पूरी तरह से खराब हो चुका था। छत भी काफी कमजोर नजर आ रही है। ऐसे में इस परिसर के अन्य बिल्डिंग्स की जांच भी करवाई जा रही है।

- **सोमवार सुबह स्टाफ ने कोर्ट रूम और चैम्बर खोला तो छत का हिस्सा गिरा हुआ था, कोई जनहानि नहीं हुई**

चोरी के संदेह में युवक को पकड़ा

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के अजमेर तिराहा क्षेत्र में लगने वाली सुबह की सब्जी मंडी में एक सब्जी विक्रेता के यहां से मोबाइल चोरी के संदेह में पब्लिक ने एक युवक को पड़कर धुनाई कर पुलिस के सुपुर्द कर दिया। यातायात पुलिसकर्मी लोकेश ने बताया कि यह युवक एक सब्जी विक्रेता का मोबाइल पार करने के प्रयास में था, जिसको वहां मौजूद लोगों ने संदेह के चलते पकड़कर उसकी धुनाई कर दी। बाद में इस युवक के बारे में कंट्रोल रूम को सूचना दी गई। वहीं सब्जी विक्रेता जीवन सिंह ने बताया कि मैं ग्राहकों में व्यस्त था तभी उक्त युवक मेरा मोबाइल पार करने की फिराक में था, जिसको लेकर मुझे संदेह हुआ तो मैंने यहां मौजूद ट्रेफिक पुलिसकर्मी को बताया। पुलिस उसे थाने ले गई।

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
(बी- सं.) सांगलपुरा जयपुर रोड बीकानेर - 334001

अल्पकालिक ई-निविदा सूचना

8.0 किलोमीटर सिंगल सर्किट 33 केवी लाइन का निर्माण, 3.15 एमवीए 33/11 केवी नाकरासर सब-स्टेशन का निर्माण तथा 8.0 किलोमीटर 11 केवी इंटरकनेक्शन लाइन के निर्माण के लिए बजट घोषणा 2025-26 के अनुसार श्रम दर (2025) के आधार पर एईएन (ओ एंड एम) सातड़ा सब-डिवीजन में जिला वृत्त चुरू के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

TN- BZ-11/2025-26 (UBN संख्या JVV2526WSOB00354)

अन्य विवरण जैसे निविदा मुल्य, धरोहर राशि, निविदा प्रस्तुत करने /खुलने की तिथि का विवरण इत्यादि वेबसाईट www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl एवं www.eproc.rajasthan.gov.in द्वारा जानी जा सकती हैं। निविदाकर्ताओं को उनके स्वयं के हित में सलाह दी जाती है कि ऑन लाइन www.eproc.rajasthan.gov.in पर निविदा डालने से पहले निविदा दस्तावेजों का सावधानी पूर्वक अध्यन्न कर ले।

भविष्य में इन् निविदाओं से सम्बंधित किसी भी प्रकार के संशोधन तिथि बढ़ने की जानकारी आदि केवल वेबसाइट www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध करायी जायेगी।

संभागीय मुख्य अभियंता जोधपुर डिस्कॉम (बी- सं.) बीकानेर
राज.संवाद/सी/25/7919
बिजली संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6045

कार्यालय बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर
Ref. No. :- BDA/Bika/EE.2025-26/4949 Date :- 07/08/2025

EXPRESSION OF INTEREST

BDA Bikaner invites Expression of interest (EOI) from eligible entities for Operation and Maintanance, Rajiv Gandhi Tran Taal (M.M. Ground) owned by M.M. Sr.Sec.School/BDA-M.M. Ground For 3 years.

The Service Provider/Contractor shall be free to implement their own concepts taking in to Consideration all the applicants norms and Regulation Naveen Kumar Meena Executive Engineer, Bikaner can be contacted (Mo. No. 6367104647) for site visit with prior intimation.

Interested parties may download expression of Interest (EOI) Document form www.sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in Bikaner from 08-08-2025. The EOI Processing Fee's of Rs. 10000/- shall be deposited through www.sso.rajasthan.gov.in The copy of the 'EOI Document,' duly filled in with the requiredinformation and details along with the required enclosures, Certificates & documentary proofs specified in the 'EOI Documents,'should be uploaded on eproc.rajasthan.gov.in.

On or before 21-08-2025 For any clarification applicants may seek through mail BDA@rajasthan.gov.in.

The uploaded document will be evaluated and firms found eligible will be invited to make a presentation on their capabilities. The Eligible firms will be short listed for further tender process. UBN : ITB2526SSOB00157

Secretary
Bikaner Development Authority
Raj.Samwad/C/25/7928

कार्यालय नगर पालिका, मसूदा (ब्यावर)
क्रमांक / नपाम / विकास / 2025–26 / 705 दिनांक 06.08.2025

–:: Corrigendum ::–

समस्त पंजीकृत संवेदको को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका मसूदा द्वारा आंमत्रित ई–निविदा कमांक न.पा.म / विकास / ईनिविदा / 2025–26 / 523 दिनांक 18.07.2025 में निविदा जारी की गई थी। जिसमें निविदा दस्तावेजो को कार्यालय में जमा करवाने की अन्तिम दिनांक 06.08.2025 को 12.00 बजे तक रखा गया। तथा निविदा खोलने की दिनांक 07.08.2025 को 11.00 बजे तक रखी गई थी। उक्त ई निविदा को प्रसाषनिक कारणों के कारण सभी विकास कार्यो की समयवधि बढाई जाती है। तथा ई निविदा के दस्तावेजो को कार्यालय में जमा कराने हेतु दिनांक 13.08.2025 रखी गई तथा ई निविदा खोलने की दिनांक 14.08.2025 को रखी गई है। तथा शेष समय व शर्ते यथावत रहेगी। सूचित रहे।

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका मसूदा
राज.संवाद / सी / 25 / 7935

कार्यालय नगरपालिका मसूदा जिला ब्यावर (राजस्थान)
गांधी चौक मसूदा
क्रमांकः न0पा0म0 / 2025 / 728 दिनांक : 07.08.2025

–: ऑनलाईन निविदा सूचना :–

सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि नगरपालिका मसूदा द्वारा राजकीय विभाग में नियमानुसार उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से सफाई कार्य की ऑनलाईन कार्यो की 01 निविदा सूचना निर्धारित प्रपत्र में आमंत्रित की जाती हैं। जो दिनांक 22.08.2025 को निविदा कॉपी प्राप्त कर दोपहर 01.00 बजे तक प्रस्तुत कर देवे तथा उसी दिन उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष दोपहर 03.30 बजे खोली जायेगी।

उपरोक्त निविदा सम्बन्धित सूचना WWW.sppp.raj.nic.in एंव WWW.eproc.rajasthan.gov.in साईट पर देखी जा सकती हैं।
NIB CODE Reference No. DLB2526A4309

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका मसूदा
राज.संवाद / सी / 25 / 7934

Office of Additional Chief Engineer PHED, Region Bharatpur
Telephone No 05644-221500, Email: rj_acebha@nic.in

Notice Inviting Bid No. 07 to 09/2025-26

Online bids for NIT No. 07-09/2025-26 (03 work), Costing Rs. 6328.15 Lacs is invited on behalf of the Governor of Rajasthan from eligible enlisted in appropriate class contractors of PHED, Rajasthan and meeting eligibility criteria. Contractors enlisted with other departments of Government of Rajasthan and enlisted with CPWD/ Postal/ Telecom/ Railways/ MES/ other State Government/ Central Government undertakings/organization in class equivalent to "A/AA" class of Rajasthan (as applicable) and meeting prescribed eligibility criteria may also apply. Details of this Bid notification and pre-qualification criteria can also be seen in NIB exhibited on web site www.dipr.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in and http://eproc.rajasthan.gov.in. Bids are to be submitted online electronic format on web site http://eproc.rajasthan.gov.in from 01-08-2025 to 28-08-2025 (6PM) & Bids are to be opend at 11.00 AM on 29-08-2025.

NIB Code PHE2526A2532
UBN No. 1. PHE2526WLOB05069, 2. PHE2526WLOB05070
3- PHE2526WLOB05071

(Mohan Lal Meena)
Addl. Chief Engineer PHED,
Region Bharatpur
DIPR/C/11146/2025

पिकअप वाहन से 126 किलो डोडा-चूरा जब्त, तस्कर फरार

कोटा, (निसं)। कोटा ग्रामीण इलाके के कनवास क्षेत्र में पुलिस की नाकाबंदी को देखकर तस्कर नाकाबंदी पॉइंट से पहले अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा से भरे छह प्लास्टिक के कट्टों को बोलेरो पिकअप सहित छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 126 किलो 610 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा सहित पिकअप को जब्त कर लिया।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि अवैध गतिविधियों की रोकथाम हेतु कोटा ग्रामीण जिले में ए श्रेणी में आने वाले थानों के थानाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में नाकाबंदी करने के निर्देश दिये गये थे। ग्रामीण एसपी ने बताया कि उसी क्रम में पुलिस उप अधीक्षक वृत सांगोद के बाबूलाल के सुपरविजन में कनवास थाने के उपनिरीक्षक थानाधिकारी श्यामाराम के नेतृत्व में टीम गठित की गई थी। ग्रामीण एसपी ने बताया कि कनवास थाने के उपनिरीक्षक थानाधिकारी श्यामा राम मय जाप्ता एनएच 52 कनवास तिराहा मोरूकला दरा स्टेशन पर नाकाबंदी कर झालावाड़ की ओर से आने वाले वाहनों की सघन चैकिंग की जा रही थी। ग्रामीण एसपी ने बताया कि नाकाबंदी को देखते हुए बोलेरो पिकअप का चालक नाकाबंदी पॉइन्ट से पहले पिकअप को छोड़कर अंधेरा का फायदा उठाकर दरा जंगल की तरफ भाग गया। नाकाबंदी में लगी पुलिस टीम ने बोलेरो पिकअप को देखा तो उसकी तलाशी ली तो पिकअप से छह प्लास्टिक के कट्टो में अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा 126 किलो 610 ग्राम बरामद हुआ। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने मौके पर एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा व पिकअप गाड़ी को जब्त कर लिया है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि फरार आरोपी एवं मादक पदार्थ की तस्करी के संबध में अनुसंधान किया जा रहा है।

- **डोडा-चूरा से भरे छह प्लास्टिक के कट्टों को बोलेरो पिकअप सहित छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर तस्कर फरार, तलाश जारी**

कोटा ग्रामीण की कनवास पुलिस टीम ने बोलेरो पिकअप सहित डोडा-चूरा जब्त किया।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड राजाखेडा जिला धौलपुर
क्रमांक-568-81 दिनांक-31.07.2025

निविदा सूचना संख्या- 06/2025-26
NIB CODE-PWD2526A2336
UBN is: PWD2526WSOB08572, PWD2526WSOB08573, PWD2526WSOB08574

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से खण्ड राजाखेडा जिला धौलपुर में सड़क एवं पुलिया मरम्मत कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों, राज्य सरकार के अन्य विभागों में पंजीकृत ''एए'', ''ए'' ''बी'' ''सी'' एवं ''डी'' श्रेणी संवेदकों एवं केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के ''एए'', ''ए'' ''बी'' ''सी'' एवं ''डी'' श्रेणा के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण वेबसाईट "www.eproc.dipronlineorg" व http://www.pwd.rajasthan.gov.in/, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं "www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

क्र.सं.	मुख्यालय का नाम	कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड राजाखेडा
1	निविदा का कार्य	पैच मरम्मत कार्य
2	निविदा की कुल लागत	रू. 105.00 लाख
3	निविदा शुल्क, प्रोसेंसिग शुल्क एवं धरोहर राशि जमा कराने की प्रक्रिया	वित्त विभाग द्वारा जारी परिपत्र प.(5)/वित्त/साविलेनि/2018 दिनांक 27.04.2020 के अनुसार ई-ग्रास चालान पर ऑनलाईन एक ही चालान द्वारा निम्न बजट मद में जमा करानी है। 1. निविदा शुल्क 0075-00-800-52-01 2. प्रोसेसिंग शुल्क 8658-00-102-(16)-(02) (निर्माण विभाग) (RISL Fees) 3. धरोहर राशि 8443-00-108-00-00
4	निविदा आवेदन/डाउनलोड करने की तारीख (बेवसाइट पर)	दिनांक 01.08.2025 प्रात 09.30 बजे दिनांक 21.08.2025 सायं 6.00 बजे तक
5	निविदा फार्म जमा कराने की तारीख (बेवसाइट पर)	दिनांक 01.08.2025 प्रात 09.30 बजे दिनांक 21.08.2025 सायं 6.00 बजे तक
6	निविदा खोलने की तारीख (बेवसाईट पर)	दिनांक 22.08.2025 दोपहर 03.00 बजे

ई-हस्ताक्षर
(सौरभ शर्मा)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड राजाखेडा
DIPR/C/11123/2025

40 फीसदी कम रेट पर ड्रेनेज डालने वाली कंपनी को अब ऊंची दरों पर ठेका देने की कवायद शुरू

कमला नेहरू नगर से भांकरोटा तक ''ड्रेन बॉक्स'' की 17 करोड़ रु. की निविदा का मामला

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जयपुर विकास प्राधिकरण के इंजीनियर्स आजकल एक विशेष फर्म पर मेहरबान है। ड्रेनेज का काम करने के लिए पहले जेडीए में एक फर्म 40 फीसदी कम रेट पर दो-दो बार काम लेती है। तीसरी बार फिर वहीं फर्म ऊंची दरों पर टैंडर लेने की कोशिश कर रही है। इसके लिए शर्तों तक में बदलाव किया गया है। साथ ही इस फर्म को ठेका देने के लिए ऐसी शर्तें डाली गई है कि यह ठेका किसी अन्य को नहीं मिले।

सूत्रों की मानें तो जयपुर विकास प्राधिकरण में टैंडरों में चल रही धांधली और एक विशेष फर्म को करोड़ों रु. का फायदा दिलाने का मामला जेडीए के जोन 7 का है और फर्म लालचंद तिवारी है। अधिकारियों ने इस फर्म को फायदा पहुंचाने के लिए शर्तों में भी मन-मुताबिक बदलाव कर दिया।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, जेडीए के जोन-7 में 2 दिन पहले कमला नेहरू नगर से भांकरोटा तक ड्रेन बाक्स के काम का टेंडर खुला है। यह काम 17 करोड़ का है, जो मैसर्स लालचंद तिवारी के नाम पर खुला है। तिवारी ने यह ऊंची दरों पर काम लिया है, जबकि पूर्व में इसी फर्म ने सिरसी रोड और सीकर रोड पर ड्रेनेज का काम 40 फीसदी कम रेट पर किया था।

- **हैरानी की बात यह है कि सिरसी रोड और सीकर रोड पर ड्रेनेज का काम 40 फीसदी कम दर पर इसी फर्म द्वारा किया जा रहा है।**
- **सूत्रों की मानें तो चहेती फर्म को फायदा पहुंचाने के लिए इंजीनियर्स ने शर्तों में भी बदलाव कर दिया, इससे जेडीए को करोड़ों रु. का नुकसान होगा**

शर्तें ऐसी, जो अन्य फर्में पूरी नहीं कर पा रहीं

सूत्रों का कहना है कि, इस फर्म को काम दिलाने के लिए इंजीनियर्स ने निविदा में कुछ चुनिंदा शर्तें लगाई है, जिन्हें कोई अन्य कोई ठेकेदार पूरी नहीं कर पा रहे हैं। जबकि वास्तविकता में जी शिड्यूल में काम सभी तरह का होना बताया जा रहा है। विशेष शर्त यह है कि टैंडर में भाग लेने वाली फर्म को एक मीटर बाई एक मीटर चौड़े ड्रेनेज बॉक्स डालने का अनुभव होना चाहिए, जबकि वास्तविकता में जी-शिड्यूल के मुताबिक दो मीटर, ढाई मीटर के बॉक्स भी डाले जाएंगे।

बताया जा रहा है कि इस शर्त का फायदा सीधा सीधा मैसर्स लालचंद तिवारी को मिला है। यहां तक कि फर्म ने टैंडर भी अंतिम समय से मात्र डेढ़ घंटा पहले भरा था। इस दौरान अन्य दूसरे ठेकेदारों को भी मैनेज किया गया है। ऐसे में टैंडर में पारदर्शिता का अभाव रहा। इस तरह की शर्तों के कारण दूसरी एजेंसियों को काम नहीं लेने दिया गया।

38 प्रतिशत कम दर वर्तमान में इसी फर्म का कार्य जारी

बताया जा रहा है कि मैसर्स लालचंद तिवारी इसी जोन में पहले ही 38 प्रतिशत कम दरों पर ड्रेनेज बॉक्स डालने का काम कर रहे है। जोन 11 में इसी तरह का काम 41 फीसदी कम दरों पर दिया गया है। इन जोन में उन्हें अतिरिक्त कार्य के नाम पर 3 करोड़ का काम बिना टैंडर के दिया जा रहा है।

इस फर्म ने कमला नेहरू नगर से भांकरोटा तक ड्रेनेज बॉक्स डालने का काम तीन फीसदी कम दर पर लिया है जबकि दूसरी एजेंसियों को मौका मिलने पर यह काम 20 से 30 फीसदी कम दरों पर जाता। इससे जेडीए को कम से कम चार करोड़ का फायदा होता।

पूर्व में भी 41 फीसदी ऊंची दरों पर टैंडर देने की कोशिश

इस बीच जयपुर नगर निगम के पूर्व पार्षद विनीत साँखला ने जेडीए आयुक्त को पत्र लिख कर इस टैंडर को निरस्त करने की मांग की है। उनका कहना है कि पूर्व में भी इस फर्म को सिंगल टैंडर आने पर 41 फीसदी ऊंची दरों पर काम देने की तैयारी थी, जिसे जेडीसी आनंदी ने निरस्त कराया था। अब उसी तरह का प्रयास फिर हो रहा है। इंजीनियर्स अपनी रूचि के हिसाब से काम कर रहे हैं।

> **एक नेचर का काम इतनी अधिक दरों पर लेने को इंजीनियर्स जस्टिफाई कर रहे हैं। इतनी ज्यादा रेट कैसे आई है, जबकि एक ही तरह का काम है। इसे दिखाते हैं, ऐसा नहीं होना चाहिए। इससे जेडीए को भी नुकसान होगा।**
>
> ओंकारमल राजोतिया, वित्त निदेशक
> जयपुर विकास प्राधिकरण

'सहकार से समृद्धि' की पहल लागू करने में राजस्थान का अच्छा प्रदर्शन

जयपुर । सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के निदेशक कपिल मीना ने कहा कि राजस्थान 'सहकार से समृद्धि' की पहलों को क्रियान्वित करने में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में सहकारिता से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक संभावनाएं हैं, अत: हमें इन संभावनाओं को पहचान कर और अधिक बेहतर करने की आवश्यकता है।

मीना सोमवार को अपेक्स बैंक सभागार में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 एवं 'सहकार से समृद्धि' के की पहलों की क्रियान्विति की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने पैक्स कम्प्यूटराइजेशन प्रोजेक्ट के बिन्दु पर चर्चा करते हुए गैप्स को दूर करने और ऑन सिस्टम ऑडिट कार्य में गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पैक्स को गो-लाइव करने के कार्य में तेजी लाई जाए तथा गो-लाइव और डे-एंड के बीच के अंतर को दूर किया जाए। मीना ने बताया कि भारतीय बीज सहकारी समिति लि. की सदस्यता के मामले में राजस्थान पूरे देश में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने इसके लिए अधिकारियों को बधाई दी तथा एनसीओएल एवं एसीईएल की सदस्यता भी अधिकाधिक समितियों को दिलवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समस्याओं से सहकारिता मंत्रालय को अवगत करवाएं, जिससे उनका समाधान किया जा सके। डेयरी सहकारी समितियों एवं मत्स्य सहकारी समितियों के गठन की दिशा में अधिक प्रयास करें।

हैड कांस्टेबल अशोक शर्मा की ईमानदारी से 55 वर्षीय महिला को मिला 3.50 लाख का सामान

जयपुर । जयपुर शहर के 200 फीट चौराहे पर तैनात ट्रैफिक हेड कांस्टेबल अशोक शर्मा ने अपनी सतर्कता और ईमानदारी का परिचय देते हुए 55 वर्षीय बुजुर्ग महिला ममता जैन का खोया हुआ ट्रॉली बैग वापस दिलाया। जानकारी के अनुसार ममता जैन,जो अजमेर की रहने वाली हैं। रक्षाबंधन के दिन दुर्गापुरा स्थित अपनी बहन के घर आई थीं। जो अजमेर अपने घर लौटने के लिए दौ सौ फीट चौराहे से बस में सवार हुईं। जल्दबाजी में उन्होंने अपना ट्रॉली बैग चौराहे पर ही छोड़ दिया। चौराहे पर ड्यूटी दे रहे हेड कांस्टेबल अशोक शर्मा की नजर सड़क किनारे रखे बैग पर पड़ी। उन्होंने तुरंत बैग के मालिक की तलाश की और संपर्क स्थापित किया। ईमानदारी का परिचय देते हुए उन्होंने ट्रॉली बैग ममता जैन को सौंप दिया। महिला के अनुसार बैग में करीब 3 लाख रुपये के सोने के आभूषण और 26 हजार रुपये नकद थे। जिनकी कुल कीमत लगभग 3.50 लाख रुपये थी। महिला ने पुलिसकर्मी के इस नेक कार्य के लिए आभार व्यक्त किया।

विधायकपुरी थाना पुलिस ने जयपुर घूमने आये विदेशी नागरिक इटली निवासी एलेस्जेंड्रो वैना और एलेस क्रॉसी को उनका खोया हुआ बैग ढूंढकर लौटाया, जिसे पाकर दोनों के चेहरे खिल उठे।

पुराने विवाद में युवक पर फायरिंग करने वाला दबोचा

जयपुर (कासं)। मानसरोवर इलाके में रविवार देर रात एक युवक पर फायरिंग मामले में आरोपित को पकड लिया गया है। वहीं घायल युवक हर्षवर्धन का एसएमएस हॉस्पिटल में उपचार चल रहा है। पीड़ित घायल हर्षवर्धन की ओर से दी गई रिपोर्ट पर मानसरोवर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई की है।

थानाधिकारी मानसरोवर लखन खटाना ने बताया कि थाना इलाके में स्थित वंदे मातरम रोड स्थित चारबाग गार्डन रेस्टोरेंट के पास रविवार देर रात कुछ युवकों के बीच पुराने विवाद को लेकर झगड़ा हो गया। पाली के रहने वाले घायल युवक हर्षवर्धन के साथी खुशहाल का भांकरोटा के लोकेंद्र गुर्जर से विवाद चल रहा था। दोनों के बीच पिछले कुछ समय से विवाद था। लेकिन विवाद शांत हो गया था। दो-तीन दिन पहले दोबारा विवाद हुआ। दोनों ने एक दूसरे को देख लेने की धमकी देना शुरू कर दिया। दोनों युवक अपने साथियों के साथ वंदे मातरम सर्किल पर पहुंचे। विवाद बढ़ा तो लोकेंद्र गुर्जर ने अपने पिता की लाइसेंस वाली पिस्टल से फायर कर दिया। गोली हर्षवर्धन के कंधे पर लगी। इस के बाद लोकेन्द्र अपने साथियों के साथ कार से भांकरोटा की तरफ निकल गया। कार को भांकरोटा थाने में तैनात कांस्टेबल प्रवीण ने पकडा। लोकेन्द्र गुर्जर से घटना को लेकर पूछताछ कर रही है।

कुलगुरु नियुक्त

जयपुर । राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने आदेश जारी कर प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय को हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर के कुलगुरु पद पर नियुक्त किया है।

बागडे ने राज्य सरकार के परामर्श से यह आदेश जारी किया है। बागडे ने कुलगुरु पद पर यह नियुक्ति प्रो. पाण्डेय के कार्यभार संभालने की तिथि से 3 वर्ष या 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक इनमें से जो भी पहले के लिए की है।

जयपुर कलक्टर डॉ. जितेन्द्र सोनी ने निवेशकों से किया वन-टू-वन संवाद

कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने सोमवार को होटल गणगौर में राइजिंग राजस्थान में एमओयू करने वाले निवेशकों से संवाद किया।

- **''राइजिंग राजस्थान'' के एमओयू सहयोग, समन्वय और सामंजस्य से धरातल पर शत-प्रतिशत साकार होंगे**
- **राइजिंग राजस्थान में हुए एमओयू से 80 हजार रोजगार के अवसर खुलेंगे। जयपुर जिले में पर्यटन के क्षेत्र में 69 हजार 133 करोड़ के 332 एमओयू हुए थे।**

जयपुर । जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने निवेशकों को भरोसा दिलाया है कि राइजिंग राजस्थान के तहत पर्यटन क्षेत्र में हुए सभी एमओयू की शत-प्रतिशत क्रियान्विति सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन पूर्ण समर्पण और पारदर्शिता के साथ कार्य कर रहा है। सोमवार को होटल गणगौर में आयोजित एक कार्यक्रम में बैठक में निवेशकों से व्यक्तिगत रूप से संवाद कर उनकी आवश्यकताओं और चुनौतियों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने निवेशकों से एमओयू के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं एवं परेशानियों को लेकर चर्चा की एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों समस्याओं के समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण के लिए निर्देशित किया।

उन्होंने निवेशकों को आश्वस्त किया कि उनके हर निवेश को धरातल पर उतारने के लिए प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है और उनकी हर छोटी-बड़ी समस्या के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के लिए सभी संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश जारी किए गए हैं।

कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने उन्होंने कहा कि पर्यटन परियोजनाओं का सफल क्रियान्वयन न केवल जिले की ब्रांड वैल्यू को बढ़ाएगा, बल्कि प्रदेश और देश के पर्यटन मानचित्र पर जयपुर को एक और मजबूत पहचान देगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्रशासन वन-टू-वन फॉलोअप करेगा और विभागीय समन्वय से हर समस्या का त्वरित समाधान होगा, ताकि कोई भी निवेश कागज़ों में अटका न रहे और समय पर धरातल पर उतरे।

संवाद कार्यक्रम में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने कहा कि जयपुर में पर्यटन विकास की असीम संभावनाएं हैं, चाहे वह लक्ज़री होटल व रिसॉर्ट हों, ईको-टूरिज्म प्रोजेक्ट, फिल्म शूटिंग लोकेशन, एडवेंचर और डेजर्ट टूरिज्म या फिर पारंपरिक हस्तशिल्प से जुड़े अनुभवात्मक पर्यटन उत्पाद। इन सभी क्षेत्रों में निवेश, स्थानीय रोजगार सृजन के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के ठहराव और खर्च को भी बढ़ाएगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था में व्यापक वृद्धि होगी।

उन्होंने कहा कि जयपुर, अपनी अनूठी स्थापत्य कला, ऐतिहासिक किलों, महलों, हवेलियों, संग्रहालयों और सांस्कृतिक धरोहर के कारण विश्व पर्यटन मानचित्र पर विशिष्ट पहचान रखता है। यहां का आमेर किला, सिटी पैलेस, हवा महल, जंतर-मंतर और गलियों में बसी परंपरागत कला-कृतियां हर साल लाखों देशी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। ऐसे में पर्यटन क्षेत्र में निवेश केवल आर्थिक दृष्टि से लाभकारी नहीं, बल्कि सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण और वैश्विक स्तर पर जयपुर की प्रतिष्ठा को और ऊंचा करने का अवसर भी है।

पर्यटन विभाग के उपनिदेशक उपेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी सभी एमओयू की सफल क्रियान्विति के लिए नियमित मॉनिटरिंग कर रहे हैं। जिला प्रशासन और पर्यटन विभाग के संयुक्त प्रयासों से अब तक 1600 करोड़ रुपये के 11 बड़े एमओयू सफलतापूर्वक लागू हो चुके हैं।

उन्होंने बताया कि राइजिंग राजस्थान समिट के तहत जयपुर जिले में पर्यटन क्षेत्र से जुड़े 69 हजार 133 करोड़ रुपये के कुल 332 करार हुए थे, जिनसे 80 हजार से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार अवसर सृजित होंगे। इनमें होटल क्षेत्र में 25 हजार 222 करोड़ रुपये के 169 करार, रिसॉर्ट क्षेत्र में 16 हजार 371 करोड़ रुपये के 90, एडवेंचर टूरिज्म में 1 हजार 373 करोड़ रुपये के 21, ईको टूरिज्म में 166 करोड़ रुपये के 8, फिल्म सिटी एवं फिल्म शूटिंग क्षेत्र में 3 हजार 570 करोड़ रुपये के 8 और अन्य संबंधित क्षेत्रों में 19 हजार 409 करोड़ रुपये के 39 करार शामिल हैं। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रथम) विनीता सिंह सहित जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम जयपुर ग्रेटर, नगर निगम जयपुर हैरिटेज, वन विभाग और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी एवं निवेशक मौजूद रहे।

प्रदेश की पहली 'सेक्स सोर्टेड सीमन' लैब शुरू

- **आर.सी.डी.एफ. के बस्सी स्थित फ्रोजन सीमेन बैंक में इस लैब का वर्चुअल उदघाटन मंत्री जोराराम ने किया**

जयपुर । राजस्थान की पहली ''सेक्स सोर्टेड सीमन'' लैब बस्सी में में शुरू हुई है। पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने आरसीडीएफ सभागार में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड, आणंद (गुजरात) के सहयोग से आरसीडीएफ के बस्सी स्थित फ्रोजन सीमेन बैंक में सेक्स सॉर्टेड सीमेन लैब का वर्चुअल उदघाटन किया।

मंत्री कुमावत ने कहा कि देश के विकास में गुजरातियों का अहम योगदान है, हम सौभाग्यशाली हैं जो हमें प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी व गृहमंत्री के रूप में अमित शाह जैसे सेवाभावी गुजराती मिले हैं। कुमावत ने कहा कि सौभाग्य से एनडीडीबी के चैयरमैन डॉ. मीनेश शाह भी गुजराती हैं, ऐसी स्थिति में हम प्रदेश के पशुपालकों के हित में इनके जरिए और भी कल्याणकारी योजनाएं लाएंगे।

एनडीडीबी अध्यक्ष मीनेश शाह ने कहा कि आरसीडीएफ का हमेशा से सहयोग मिलता रहा है जिसका परिणाम है कि राजस्थान में एक अत्याधुनिक सेक्स-सॉर्टेड सीमेन उत्पादन इकाई का शुभारंभ हुआ है। यह इकाई पशुपालन की गुणवत्ता बढ़ाने, नस्ल सुधारने और दूध उत्पादन में गुणात्मक वृद्धि लाने में अहम भूमिका निभाएगी।

उन्होंने कहा कि इस इकाई में प्रतिवर्ष 10 लाख डोज़ सीमेन का उत्पादन किया जाएगा। यह सुनिश्चित करेगा कि राज्य के पशुपालकों को उच्च गुणवत्ता का सीमेन समय पर और उचित मूल्य पर मिले। उन्होंने कहा कि हमारे देश में 30 करोड़ पशु हैं जो की दुनिया मे सबसे ज्यादा है। ये पशु मीथेन गैस उत्सर्जित करते हैं इस उत्सर्जन को कैसे कम करें इसके लिए एनडीडीबी निरंतर कार्य कर रहा है।

कार्यक्रम के दौरान राजस्थान सहकारी डेयरी फेडरेशन लिमिटेड राजस्थान पशुधन विकास बोर्ड और एनडीडीबी डेयरी सर्विसेज ने बस्सी सीमेन स्टेशन के प्रबंधन और संचालन के लिए एक महत्वपूर्ण त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते का उद्देश्य राजस्थान में पशु कृत्रिम गर्भाधान के लिए पारंपरिक और सेक्स-सॉर्टेड सीमेन डोज का उत्पादन और आपूर्ति बढ़ाना है। आरसीडीएफ ने बस्सी सीमेन स्टेशन का प्रबंधन 10 वर्षों के लिए को सौंपा है, जिसे आपसी सहमति से बढ़ाया जा सकता है। इसके तहत एनडीएस प्रति वर्ष लगभग 10 लाख सेक्स-सॉर्टेड सीमेन डोज का उत्पादन करेगा और आरएलडीबी व आरसीडीएफ की मांग को प्राथमिकता देगा। स्टेशन से प्राप्त लाभ को और के बीच 50-50 प्रतिशत के अनुपात में साझा किया जाएगा। सीमेन डोज के मूल्य निर्धारण में सेक्स-सॉर्टेड सीमेन के लिए 239 प्रति डोज, स्वदेशी पारंपरिक सीमेन के लिए 22 तथा आयातित नस्ल के सीमेन के लिए 30 प्रति डोज निर्धारित किया गया है। अतिरिक्त डोज को अन्य एजेंसियों को बाजार मूल्य पर बेचा जा सकेगा।

पशुपालन एवं गोपालन शासन सचिव सुमित शर्मा ने देशभक्ति गीत- डाल डाल पर सोने की चिड़िया करती है बसेरा, ये भारत देश है मेरा' गाकर मंच को संबोधित किया जिससे उपस्थित लोगो ने तालिया बजाकर अभिनन्दन किया। उन्होंने कहा कि आज का दिन राजस्थान के लिए ऐतिहासिक दिन है। हम सब मिलकर एक ऐसा अध्याय शुरू कर रहे हैं, जो न केवल दुग्ध उत्पादन को बढ़ाएगा, बल्कि पशुधन प्रबंधन की गुणवत्ता को भी एक नई ऊँचाई तक ले जाएगा। जिससे भारत फिर से सोने की चिड़िया बन सकेगा।

आरसीडीएफ की प्रशासक एवं प्रबंध संचालक श्रुति भारद्वाज ने कहा कि के लिए आज का दिन अत्यंत गौरव का दिन है। हमने केवल एक तकनीकी इकाई शुरू नहीं की है, बल्कि एक नई सोच और नई दिशा की शुरुआत की है। बस्सी सीमेन स्टेशन अब केवल सीमेन उत्पादन का केंद्र नहीं रहेगा, बल्कि यह प्रशिक्षण, जागरूकता और पशुपालकों के लिए एक समर्पित संसाधन केंद्र के रूप में विकसित होगा। उन्होंने कहा कि इस एमओयू से 90 प्रतिशत बछड़ियों सुनिश्चित होगी, जिससे राज्य की दुग्ध उत्पादन में क्रांति आएगी।

कार्यक्रम के दौरान एनडीडीबी की ओर बांसवाड़ा में डेयरी प्लांट की स्थापना के लिए 8 करोड़ रुपए के ऋण की स्वीकृति का पत्र चैयरमैन डॉ. मीनेश शाह ने जिला दुग्ध संघ, बांसवाड़ा के अध्यक्ष विजेंग भाई पाटीदार को सौंपा।

मुख्यमंत्री से मिले डॉ. शुक्ला

भाजपा नेता डॉ. अखिल शुक्ला एडवोकेट ने सोमवार को मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा से शिष्टाचार भेंट की। डॉ. शुक्ला और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा विधार्थी परिषद् के समय से साथी रहे हैं। शुक्ला ने भारतीय जनता पार्टी में रहते हुए संगठन के कार्यों में भी मुख्यमंत्री के साथ लगातार काम किया।

सार-समाचार

आरटीओ इंस्पेक्टर दिनेश सिंह को अवार्ड

जयपुर । महाराजा कॉलेज बडीज ग्रुप की ओर से रविवार को जीपीएस प्लेजोन, पत्रकार कॉलोनी,जयपुर में महाराजा महफिल-2025 मिलन का आयोजन किया जाएगा। ग्रुप के सदस्य डॉ.महेन्द्र सिंह लिचाना ने बताया कि इस अवसर पर दोपहर 2 से 6 बजे तक क्रिकेट मैच खेला गया, जिसके लिए चार टीमें महाराजा ए टीम, महाराजा बी टीम, महाराजा सी टीम एवं महाराजा डी टीम बनाई गई हैं। कार्यक्रम संयोजक पवन भगत, सुनील भारद्धाज, राकेश फौगाट रहे कार्यकम की जानकारी देते हुए कंवर सेन यादव और अवनीश पंवार ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीजेपी के वरिष्ठ नेता डॉ सतीश पूनिया और विजय बैंसला रहे। इसके साथ सैकड़ों महाराजा कार्यक्रम में पधारे प्रोग्राम में महाराजा रत्न अवॉर्ड 2025 आरटीओ इंस्पेक्टर दिनेश सिंह फौजदार को दिया गया। शाम 7 से 9 बजे तक डांस एवं गीत-संगीत का आयोजन हुआ। इसके बाद सभी स्वरुचि दाल बाटी चूरमा भोज का आनंद लिया।

'रोजगार सृजक तैयार करने की जरूरत'

जयपुर । जयपुर निवासी और वर्तमान में गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर के जनसंपर्क अधिकारी के रूप में कार्यरत डॉ. सुनील कुमार शर्मा ने दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में आयोजित प्रतिष्ठित राष्ट्रीय शिक्षा कॉन्क्लेव 2025 में बतौर अतिथि एवं वक्ता भाग लिया। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शिक्षा जगत के दिग्गजों के साथ मंच साझा करते हुए डॉ. शर्मा ने विश्वविद्यालयों को नवाचार, स्टार्टअप इनक्यूबेशन तथा उद्योग-अकादमिक सहयोग के केंद्र के रूप में विकसित करने का आव्हान किया। एंटरप्रेन्योरियल यूनिवर्सिटीज: फॉस्टरिंग इनोवेशन एंड स्टार्टअप्स विषय पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि भारत की ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए अब ऐसे स्नातक तैयार करने होंगे जो नौकरी तलाशने वाले नहीं, बल्कि रोजगार सृजक हों। सत्र का संचालन एमिटी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम के प्रो. (डॉ.) संजय कुमार झा ने किया। पैनल में प्रो. सुमन चक्रवर्ती, निदेशक, आईआईटी खड़गपुर; प्रो. कमल किशोर पंत, निदेशक, आईआईटी रुड़की; डॉ. वंदना आहूजा, निदेशक, सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, नोएडा; एवं सूरीन रॉय, निदेशक, वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, वर्जीनिया (यूएसए) जैसी शीर्ष शैक्षिणक हस्तियां शामिल थीं।

कांग्रेस आज निकालेगी पैदल मार्च

जयपुर । देशभर में हो रही वोट चोरी के खिलाफ तथा लोकतंत्र को बचाने के लिए राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के नेतृत्व में 13 अगस्त, बुधवार सुबह 10 बजे प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय से कांग्रेसजन शहीद स्मारक, गवर्मेंट हॉस्टल, एमआई रोड, जयपुर तक पैदल मार्च निकाल कर विरोध-प्रदर्शन करेंगे। पैदल मार्च में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, कांग्रेस विधायक, विधायक प्रत्याशी, सांसद, सांसद प्रत्याशी, प्रदेश पदाधिकारीगणों सहित कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता शामिल होंगे। प्रदेश कांग्रेस महासचिव व मीडिया प्रभारी स्वर्णिम चतुर्वेदी के अनुसार लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने देश में हो रही वोट चोरी का खुलासा करने के बाद चुनाव आयोग की ओर से विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों के जवाब नहीं दिए जा रहे तथा केन्द्र की भाजपा सरकार द्वारा इस मुद्दे को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। जिसके विरोध में पूरे देशभर में इण्डिया गठबंधन आंदोलन चला रहा है। इसी संदर्भ में 13 अगस्त को सुबह 10 बजे लोकतंत्र, संविधान और एक व्यक्ति-एक वोट के अधिकार की रक्षा के लिए प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के नेतृत्व में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय इन्दिरा गांधी भवन, स्टेशन रोड, जयपुर से शहीद स्मारक, गवर्मेंट हॉस्टल, जयपुर तक पैदल मार्च निकाल कर विरोध-प्रदर्शन किया जाएगा।

तिरंगा उत्सव मना रहा जयपुर मेट्रो प्रशासन

जयपुर । ''हर घर तिरंगा अभियान-2025'' देश में 2 से 15 अगस्त, 2025 तक तीन चरणों में आयोजित किया जा रहा है। जयपुर मेट्रो के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक वैभव गालरिया ने बताया कि जयपुर मेट्रो द्वारा कर्मचारियों में देशभक्ति एवं सर्मपण भाव को जागृत करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। मेट्रो कार्मिकों द्वारा रंगोली सजावट की गई। आतिश मार्केट व बड़ी चौपड़ मेट्रो स्टेशनों पर देश प्रेम की भावना से प्रेरित सेल्फी पॉइन्ट बनाये गये है, जहां यात्री अपनी फोटो खिचवाकर उसे सोशल मीडिया पर टैग कर इस अभियान का हिस्सा बन सकते है। मेट्रो प्रशासन द्वारा सभी कार्मिकों को भारतीय ध्वज दिया गया एवं तिरंगे के साथ सभी कार्मिकों ने मेट्रो प्रशासन द्वारा आयोजित तिरंगा रैली (मानसरोवर मेट्रो डिपो परिसर के मुख्य द्वार से मानसरोवर मेट्रो स्टेशन तक) में भरपूर उत्साह के साथ भाग लिया।

चार विद्वानों को मिलेगा संस्कृत सेवा सम्मान

जयपुर । जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा संस्कृत के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान देने वाले चार विद्वानों को ''संस्कृत सेवा सम्मान'' से अलंकृत किया जाएगा। कुलसचिव नरेंद्र कुमार वर्मा ने जानकारी दी कि यह सम्मान उन विद्वानों को प्रदान किया जा रहा है, जिन्होंने संस्कृत शिक्षा, शोध एवं साहित्यिक योगदान के माध्यम से समाज में संस्कृत के प्रति जागरूकता उत्पन्न की है। इस वर्ष चयनित चार विद्वानों में दो महिलाएं भी शामिल हैं, जो इस क्षेत्र में निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। सम्मान समारोह 13 अगस्त को विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किया जाएगा, जिसकी अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर रामसेवक दुबे करेंगे। समारोह में सभी विद्वानों को सम्मान पत्र और सम्मान राशि प्रदान की जाएगी। समारोह के मुख्य अतिथि वेद विज्ञान के प्रख्यात मर्मज्ञ डॉ. गुलाब कोठारी होंगे। इन विद्वानों को होगा सम्मान - समारोह संयोजक शास्त्री कोसलेंद्रदास ने बताया कि सम्मानित होने वाले विद्वानों में प्रो. अर्चना भार्गव (अध्यक्ष - संस्कृत विभाग, सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय, अजमेर), डॉ. अशोक कुमार झा (सह आचार्य, (राजकीय आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, महापुरा), डॉ. मधुबाला शर्मा (अध्यक्ष - साहित्य विभाग, जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर) और डॉ. विजय कुमार दाधीच (सहायक आचार्य - शिक्षा विभाग, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली) शामिल हैं।

मालवीय नगर में तिरंगा यात्रा

जयपुर । मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र की तिरंगा यात्रा विधायक कालीचरण सराफ के नेतृत्व में पत्रिका गेट से रवाना होकर अमर जवान ज्योति पर पहुंची। ब्रह्माकुमार सैनी ने बताया की तिरंगा यात्रा दो पहिया वाहन से पत्रिका गेट से शुरू होकर जेएलएन मार्ग, गांधी सर्किल,यूनिवर्सिटी, बिरला मंदिर,रामबाग सर्किल,अंबेडकर सर्किल होते हुए अमर जवान ज्योति पर समापन किया। यात्रा में सभी कार्यकर्ता तिरंगे रंग के साफा बांधे हुए थे, एवं यात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया। इस अवसर पर महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा,यश वी केन सोसायटी के अध्यक्ष आशीष सराफ, नगर निगम ग्रेटर उप महापौर पुनीत कर्णावट, पार्षद रामप्रसाद शर्मा,महेश सैनी बच्चू,रमेश सैनी, उषा टाटीवाल, लक्ष्मण नूनिवाल,हिमांशु जैन, दिनेश गौड़, ओम स्वामी, कविता कटियार,नरेश शर्मा,धनराज महावर, मंडल अध्यक्ष हरीश खड़िया,मोहित मूलचंदानी, दीनदयाल सैनी, राजेश शर्मा,जितेंद्र अजमेरा,जोरावर सिंह,संजीव शर्मा, चंद्र भाटिया, खुशविंदर सिंह,नरेंद्र सिंह,जितेंद्र चौधरी, भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

Honouring the Gentle Giants

World Elephant Day, observed on August 12, is dedicated to raising awareness about the urgent plight of elephants worldwide. These majestic creatures face numerous threats, including poaching, habitat loss, human-elephant conflict, and illegal wildlife trade. The day aims to foster compassion, support conservation efforts, and promote better treatment and protection of both African and Asian elephants. Conservationists, wildlife organisations, and animal lovers unite to advocate for stronger policies and global cooperation. On this day, people are encouraged to learn more about elephants and contribute to preserving their natural habitats, ensuring that future generations can witness these gentle giants in the wild.

#KANAKLATA BARUA

Birbala 'Did And Died'

The Brave Martyr of the Quit India Movement.

The Quit India Movement of 1942, led by Mahatma Gandhi, was a pivotal moment in India's struggle for independence. While countless individuals across the nation answered the call for 'Do or Die,' few acts of courage stand out as poignantly as that of Kanaklata Barua, a young Assamese freedom fighter who sacrificed her life for the honour of the national flag. Her story, rooted in the small town of Gohpur in Assam, remains a symbol of youthful patriotism and fearless defiance against British colonial rule.

Early Life of Kanaklata Barua

Kanaklata Barua, fondly known as Birbala (meaning brave girl), was born on December 22, 1924, in the village of Barangabari in the present-day Sonitpur district of Assam. Orphaned at a young age, she grew up in a modest household and was known for her spirited nature and deep love for her motherland. Inspired by the freedom struggle and the revolutionary ideals of Mahatma Gandhi and other national leaders, she joined the Mrityu Bahini (Death Squad), a youth wing of the local freedom fighters affiliated with the Quit India Movement.

Role in the Quit India Movement

In August 1942, following the launch of the Quit India Movement by the Indian National Congress, people across Assam rose in protest. The movement gained momentum in Gohpur and nearby regions, where volunteers of the Mrityu Bahini vowed to challenge British authority, even at the cost of their lives. Kanaklata, only 17 years old, became a key figure in mobilizing young people. On September 20, 1942, she led a procession of unarmed volunteers, including members of the Mrityu Bahini, towards the Gohpur Police Station, with the goal of hoisting the Indian national flag, a direct act of defiance against the British.

Martyrdom at Gohpur Police Station

As the peaceful procession approached the Gohpur Police Station, the British authorities ordered them to stop. Undeterred, Kanaklata moved forward holding the tricolour high. Despite repeated warnings, she advanced boldly towards the police station gate. In a shocking and brutal response, British police opened fire on the unarmed crowd. Kanaklata Barua was shot and killed on the spot, still clutching the flag. Her sacrifice was not in vain, her fellow comrade, Mukunda Kakoti, picked up the flag and was also shot down. But eventually, the flag was hoisted, fulfilling their mission.

Legacy

Kanaklata Barua's supreme sacrifice remains etched in the collective memory of Assam and India. She is remembered as a symbol of courage, patriotism, and youthful idealism. Monuments and memorials across Assam, including the Kanaklata Udyan (Park) in Tezpur and the Kanaklata Barua Gold Medal instituted for academic excellence, honour her legacy.

The Indian Coast Guard also named a patrol vessel, ICGS Kanaklata Barua, in her memory, further immortalizing her contribution to the nation's freedom.

Kanaklata Barua's martyrdom at Gohpur is a powerful reminder that the Indian freedom struggle was not just fought by leaders in Delhi, but also by brave souls in every corner of the country, including young women like Kanaklata. Her story continues to inspire generations to uphold the values of courage, justice, and patriotism.

Stings and Bites You Don't Want

#OMG

● Bryan Nelson

There are many venomous animals in the world, but not all venom is created equal. Some stings and bites from venomous creatures are merely irritating; others can stun their victims slowly and unexpectedly. Then, there are stings and bites that cause extremely high levels of pain. Just be wary of these 10 animals that deliver some of the most painful stings and bites.

The bullet ant has the distinction of delivering the most painful sting in the insect world, as evidenced by the Schmidt Sting Pain Index. Some even believe that a bullet ant sting might be the most painful sting. Entomologist Justin Schmidt, who created the Pain Index, experienced it firsthand and described it as 'pure, intense, brilliant pain. Like walking over flaming charcoal with a 3-inch nail embedded in your heel.' This menacing ant is found in South America, where it is referred to as the 24-hour ant in reference to the duration of time pain lasts after being stung. Despite the excruciating pain, the stings are not fatal and are not known to cause permanent damage.

Arizona Bark Scorpion

Arizona bark scorpions are the most venomous scorpions in North America, a frightening fact considering that they're also the most commonly encountered house scorpions in Arizona. The venom causes acute pain and can lead to symptoms that include frothing at the mouth, breathing difficulties, and muscle convulsions. Limbs may also become immobilized. Though the venom is rarely fatal, its effects can last for as long as 72 excruciating hours. Arizona bark scorpions tend to hide in dark crevices during the day and hunt at night.

Black Widow Spider

One of the world's most notorious spiders, the black widow lives up to its reputation and is capable of delivering a bite that is painful and toxic to humans. Early symptoms of a female black widow bite may be minimal like a pinprick, or not felt at all. Within an hour, symptoms may include pain throughout the body near the site of the bite, difficulty breathing, high blood pressure, muscle weakness, nausea and vomiting, and, in pregnant women, contractions and early labor. Interestingly, bites from male black widow spiders, which are smaller and less colorful than females, are less harmful as they contain less venom.

Box Jellyfish

These gelatinous sea creatures, also called sea wasps, are among the most feared animals in the ocean. You might have a better chance of escaping a shark attack unscathed than surviving a swim through a box jellyfish's tentacles. Even jellyfish that have washed up on beaches can release venomous stingers from their tentacles.

The venom is so toxic that it makes the box jellyfish arguably the most deadly creature in the world. Within five minutes of being stung by this animal, humans typically experience extreme pain, shortness of breath, and sometimes cardiac arrest. Researchers are working on an antidote to block the effects of a box jellyfish sting, one that could be effective if applied to the skin within 15 minutes of being stung.

Bullet Ant

The bullet ant has the distinction of delivering the most painful sting in the insect world, as evidenced by the Schmidt Sting Pain Index. Some even believe that a bullet ant sting might be the most painful sting. Entomologist Justin Schmidt, who created the Pain Index, experienced it firsthand and described it as 'pure, intense, brilliant pain. Like walking over flaming charcoal with a 3-inch nail embedded in your heel.'

This menacing ant is found in South America, where it is referred to as the 24-hour ant in reference to the duration of time pain lasts after being stung. Despite the excruciating pain, the stings are not fatal and are not known to cause permanent damage.

Gila Monster

Gila monsters, one of the few venomous lizards in the world, are colourful natives of southwest North America. Since they lack the musculature to forcibly inject venom, they rely on hard chewing with their sharp teeth to ensure that the poison gets implanted. Gila monsters can be so aggressive that they have been known to flip over while biting, further opening the wound.

A Gila monster bite will cause pain in humans, but fortunately, these creatures are mostly docile towards people as long as they're left alone. If one does bite you, pry open its jaws with a stick while ensuring the lizard has a solid foothold on the ground.

Pit Viper

Pit vipers, which include copperheads, water moccasins, and rattlesnakes, are venomous snakes. In the U.S., copperheads are responsible for the most venomous snake bites annually, primarily due to proximity to human habitats. Of all the North American pit viper species, however, the venom of copperheads is among the least toxic.

While a copperhead snake bite is not often deadly, it can cause severe pain within a few minutes of the bite. Symptoms of bites by all species of pit vipers may include changes in heart rate or rhythm, difficulty breathing, numbness near the site of the bite, swelling of lymph nodes, and weakness or dizziness. The bite must be treated, or else the tissue around it could be permanently damaged.

Platypus

Considering the large number of venomous creatures that inhabit Australia, the cute and clumsy platypus might seem like a safe option. Unfortunately, it isn't always. A male platypus has ankle spurs on its hind legs that are capable of delivering a sting that can cause excruciating pain and swelling in humans. Conventional painkillers don't work with this sting, either. Platypuses, however, usually don't sting humans unless provoked; they primarily use their venomous spurs as a defense against rival males of their species.

Stingray

The creature that killed Australian conservationist Steve Irwin isn't usually dangerous to humans, but it will strike if threatened. Stingrays have sharp barbs containing venom on their tails, and most injuries from this animal occur when someone accidentally steps on one. Effects of a venomous stingray encounter usually occur within six to 48 hours and are rarely fatal. Symptoms may include breathing difficulty, sweating, muscle cramps, bleeding, seizures, and chest pain.

To avoid being stung by a stingray's sharp barbs, shuffle your feet as you walk through the sand in shallow water. This lets the stingray know you're coming.

Stonefish

Not every creature on this list delivers a painful sting that can kill you, but the stonefish is one of the exceptions. Stonefish are the most venomous fish in the world, capable of fatally stinging humans. Unfortunately, stonefish are also masters of camouflage, blending in with their surroundings on the ocean floor or coral reefs. They're found in the Pacific and Indian Oceans.

Stonefish have spines along their dorsal fins that contain venom. A sting from a stonefish requires medical attention and treatment with antiserum to reverse the symptoms, which may include irregular heartbeat, temporary paralysis, shock, extreme pain, and possibly death.

Tarantula Hawk Wasp

Tarantula hawk wasps are huge, and their name is derived from their habit of hunting tarantulas. After stinging a tarantula, the wasp lays its eggs on the spider and buries it. Because tarantulas are not easy prey, tarantula hawks are equipped with a powerful venom that is reputed to create one of the most painful stings in the insect world. According to the Schmidt Sting Pain Index, a pain scale rating the relative pain caused by some insect stings, a sting by a tarantula hawk rates as the second most painful sting ever measured. If it's any consolation, the pain supposedly only lasts for five minutes.

rajeshsharma1049@gmail.com

#SITE-SEEING

Hidden China in Kolkata

If Kolkata is your next destination, then Terretti bazaar should be a 'must-visit' for you. Get the taste of uniqueness

A small locality, Tiretta bazaar, could offer one with a slice of China in a mega city like Kolkata. Not only the scrumptious Chinese delicacies attract one, but a walk down the busy streets of Tiretta bazaar for photography is indeed a smart choice.

Located near Central metro station at Sun Yat Sen Street, Tiretta bazaar is an old settlement for a small Chinese population dating back to the 18th century. They have been bringing a variety of authentic Chinese dishes into prominence since then.

The most suitable time to visit there is early in the morning at around 5:30 or 6 so as to get a variety of foods. However, opting a Sunday for its visit is wiser as one gets plenty of options.

Going to tiretta bazaar is easy. All you need to do is to take a bus that goes towards Central metro station and walk a few steps. Alternatively, you can avail metro rail service and deboard at Central. If you prefer visiting the place by car, then you need to park the car in front of Poddar Court.

The uniqueness about the place lies in the diversity of foods available. Chicken momos, fish momos, pork momos (dumplings), both steamed and fried, prawn wafers, pork and chicken baozi buns, and chinese sausages are some of the delicacies every food lover can savour. The taste would certainly pamper your taste buds with every bite. The list goes endless. Indulge on some other homemade options including soup noodles, fish ball, and meatball soup, a fresh plate of hot dumplings, wontons or soup and rice pudding that is partly sweet in its taste. The taste of such succulent foods would leave you crave for more. Not only do these recipes dominate in its taste, they offer you with some interesting looks as well.

Yet another interesting snack worth mentioning again is the prawn papad that is sold at a nominal price, which looks quite welcoming too to the foodies. Tiretta bazaar not only satisfies non-vegetarians, but even vegetarians as kachoris are constantly prepared and is also fairly in demand. However, it is also suggested that you get the taste of all in a moderate quantity. Additionally, if you are a fish lover, you will be fascinated to see a large variety of fishes probably Rohu, Catla, etc. being sold on both sides of the street. At another corner of a lane, there is a pig butchery where interested customers can head.

While non-vegetarian delights are plentiful, the greener options are in no less quantity. You will find a plethora of fresh vegetables at the entrance of the marketplace including potatoes, carrots, tomatoes, spinach, and red chillies, capsicum, yellow and red bell pepper, onion, brinjal, cauliflower, etc. at reasonable prices. So, if you are perhaps planning to buy veggies from this site, it would not be a bad idea. Moreover, do not give fresh coconuts a miss that are also up for grabs. Drinking coconut water after a lip-smacking breakfast would probably do full justice to your tummy.

If Kolkata is your next destination, then Terretti bazaar should be a 'must-visit' for you. Get the taste of uniqueness. Let loose your temptations at least once and return home with smiles and a happy belly. Get the real-time experience and discover the happenings around you. A lot could be discovered in only one fine morning exclusively at Terretti bazaar!

THE WALL

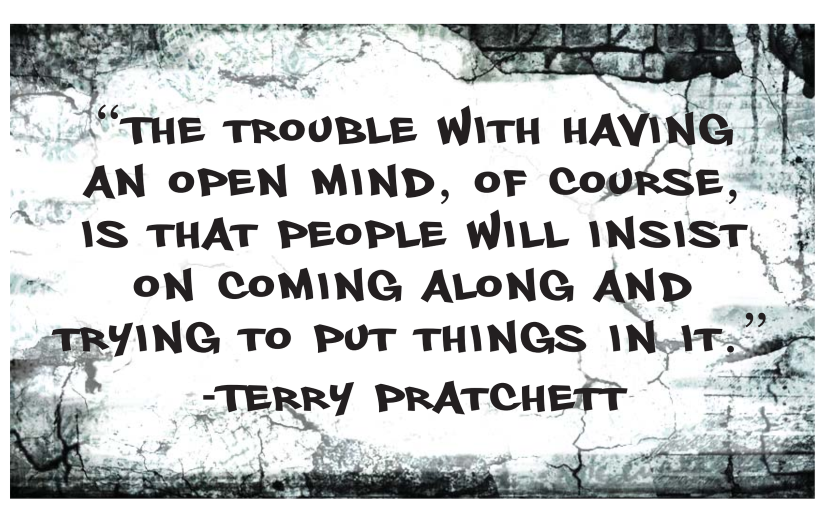

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

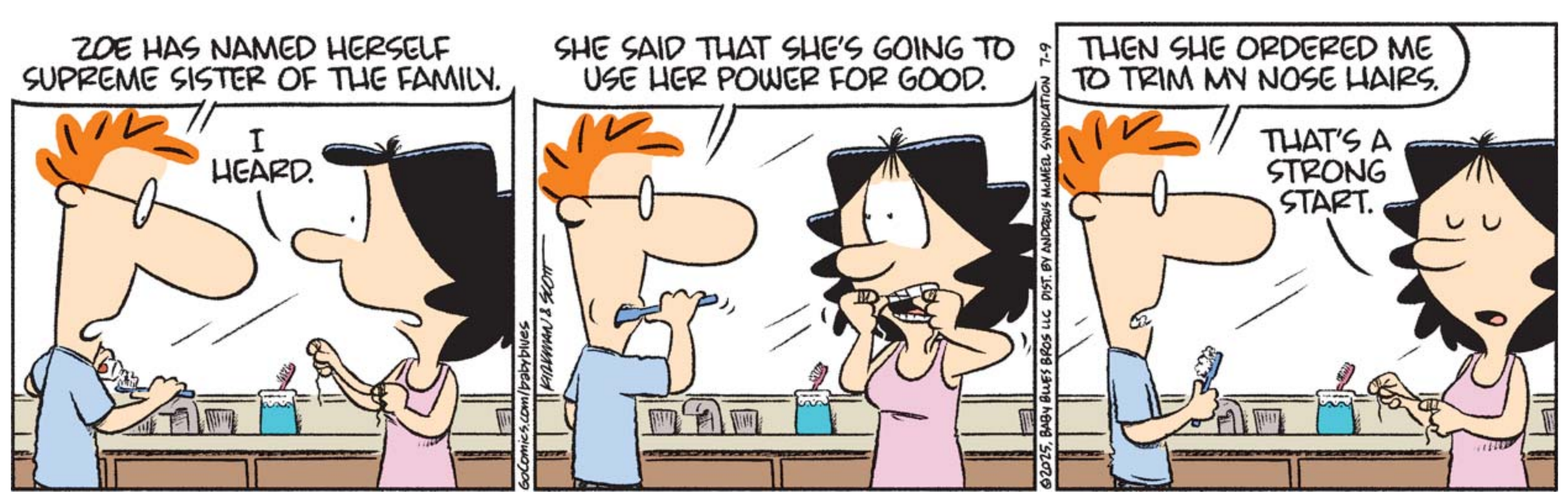

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

15 लाख रुपए की अवैध शराब से भरे ट्रक के साथ तस्कर गिरफ्तार

दवाइयों की आड़ में हो रही थी अवैध शराब की तस्करी

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाड़ा थाना पुलिस ने ऑपरेशन स्वच्छता के तहत अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। राजस्थान-गुजरात के रतनपुर बॉर्डर पर पुलिस ने दवाइयों की आड़ में 15 लाख रुपए की शराब गुजरात तस्करी करते हुए एक ट्रक को जब्त कर लिया वहीं शराब तस्करी कर रहे ट्रक ड्राइवर को गिरफ्तार किया है। शराब को गुजरात तस्करी कर ले जा रहे थे।

बिछीवाड़ा थाना अधिकारी कैलाश सोनी ने बताया कि ऑपरेशन स्वच्छता के तहत अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसी के तहत राजस्थान-गुजरात के रतनपुर पुलिस चौकी के सामने नाकेबंदी कर गाड़ियों की तलाशी ली जा रही थी। इसी दौरान उदयपुर की ओर से आ रहे एक ट्रक

अवैध शराब के साथ तस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

को रुकवाया। ड्राइवर ने अपना नाम जावेद पुत्र हनीफ निवासी हरियाणा बताया। थाना अधिकारी कैलाश सोनी ने बताया कि ट्रक ड्राइवर से पूछताछ की तो वह ट्रक में भरे सामान के बारे में सही जानकारी नहीं दे सका। इस पर पुलिस ने ट्रक को खुलवाकर तलाशी ली। ट्रक में दवाओं की आड़ में अवैध शराब की पेटियां भरी हुई मिली, जिसे तस्करी कर गुजरात ले जा रहे थे। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया और चौकी पर शराब की पेटियां उतरवाई गई। ट्रक से 199 कार्टन शराब बरामद की है, जिसकी बाजार कीमत करीब 15 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने ट्रक ड्राइवर जावेद मेव को शराब तस्करी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है।

- **ट्रक से 199 कार्टन शराब बरामद की, जिसे गुजरात ले जा रहे थे**

मकान निर्माण के लिए डाले गए सामान के रुपए मांगने पर हमला

कुछ लोगों व साथियों ने युवक समेत उसके भाई, भाभी, पत्नी व पुत्री पर हमला किया

पावटा,(निसं)। उपखंड पावटा क्षेत्र के ग्राम ठिकरिया में मकान निर्माण के लिए डाले गए मेटेरियल के रुपए मांगना एक युवक को भारी पड़ गया। कुछ लोगों व उनके साथियों ने युवक समेत उसके भाई, भाभी, पत्नी व पुत्री पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में महिलाओं के मंगलसूत्र भी छीन लिए गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नरेश कुमार वर्मा पुत्र रामकरन वर्मा निवासी ठीकरिया ने प्रागपुरा थाने में मामला दर्ज करवाते हुए बताया कि दस अगस्त की सुबह करीब दस बजे वह अपने घर पर था। इसी दौरान नरेश धानका व उसके साथ कृष्ण धानका पुत्र रामकुंवार धानका, बबलू धानका पुत्र जयराम धानका, सोनू धानका पुत्र सेडूराम धानका, रामकुंवार धानका पुत्र लीलाराम धानका, नरेश धानका का जीजा व उनके साथ अन्य 5-6 लोग एक राय होकर मोटरसाइकिलों पर हाथों में तलवार, सरिये, लाठी, डंडे, बंदूक लेकर मेरे घर अन्दर घुसकर मेरे परिवार पर जानलेवा हमला करते हुए गंभीर मारपीट की, जिस पर मेरे भाई अक्षय व मेरे तलवार से सिर, पीठ, हाथ, पैर में गंभीर चोटें आई है। अक्षय की पत्नी निर्मला देवी, भाभी मंजू देवी पत्नी जयराम, पूजा पत्नी सुनील, मुस्कान पुत्री जयराम के साथ भी मारपीट की जिसमें उनके भी शरीर पर कई गुम चोटें आई हैं। वहीं निर्मला देवी सहित घर की महिलाओं की लज्जा भंग करने की कोशिश की। महिलाओं से मारपीट करते हुए उनके गले से तीन मंगलसूत्र तोड़कर ले गए। इसके बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। शोर-शराबा सुनकर आस पड़ोस के लोग दौड़कर आए व हमारी हालत को देखते हुए उपजिला अस्पताल पावटा में भर्ती करवाया, जहां मेरी व मेरे भाई अक्षय की गंभीर हालत को देखते हुए कोटपुतली बीडीएम जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया। वहीं हमलावरों ने दुबारा रुपए मांगने पर जान से मारने की धमकी दी है। मेरे घर से करीब 100 मीटर दूर स्टैंड पर दुकानों में लगे कैमरों में इनकी हथियारों के साथ आते हुए की फुटेज भी कैमरों में कैद है।

- **हमले में महिलाओं के मंगलसूत्र भी छीने, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की**
- **घर से करीब 100 मीटर दूर स्टैंड पर दुकानों में लगे कैमरों में इनकी हथियारों के साथ आते हुए की फुटेज भी कैमरों में कैद हुई**

बॉलीवुड एक्टर के भाई के ठिकानों पर ईडी की रेड

श्रीगंगानगर, (निसं)। श्रीगंगानगर में फिल्म निर्माता और एक्टर सोहम शाह के भाई कॉलोनाइजर मुकेश शाह के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय ने छापा मारा है। ईडी की टीम सोमवार सुबह मुकेश शाह के रिद्धि-सिद्धि कॉलोनी में स्थित घर और ऑफिस में रेड करने पहुंची। कोलकाता से आई ईडी की टीम वहां दस्तावेज खंगाल रही है। यह कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति और अन्य आर्थिक अनियमितताओं को लेकर की जा रही है। इस दौरान सुरक्षा को लेकर सदर थाने की टीम गेट के बाहर तैनात है। मुकेश शाह वर्तमान में जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष पद पर हैं। वहीं, भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष भी रह चुके हैं। मुकेश शाह श्रीगंगानगर के प्रमुख कॉलोनाइजर्स में से एक हैं। उन्होंने जिला मुख्यालय पर अब तक कई आवासीय कॉलोनियों का विकास किया है। सूत्रों के अनुसार, उनकी कुछ कॉलोनियों की वैधता पर पहले भी सवाल उठ चुके हैं। माना जा रहा है कि टीम को संदिग्ध लेनदेन और संपत्तियों से जुड़े रिकॉर्ड्स की तलाश है।

मुकेश के भाई सोहम शाह ने 'शिप ऑफ थीसियस', 'तुम्बाड' जैसी फिल्में प्रोड्यूस की हैं। आयकर विभाग ने 28 अक्टूबर 2021 को श्रीगंगानगर में कांग्रेस नेता अशोक चांडक और कॉलोनाइजर मुकेश शाह के 33 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की थी। मुकेश शाह के रिद्धि-सिद्धि एनक्लेव स्थित ऑफिस और मॉल सहित कई ठिकानों पर कार्रवाई की गई थी। कार्रवाई के दौरान 50 करोड़ की आय मिली थी, जिसका कोई हिसाब-किताब नहीं था। रेड के बाद दोनों ने 35 करोड़ की अघोषित आय होना स्वीकार किया था और इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को इस पर टैक्स चुकाने की पेशकश की थी। पूरी कार्रवाई के दौरान 2.31 करोड़ की नकदी और 2.48 करोड़ की अघोषित ज्वेलरी भी बरामद हुई थी।

कुए में गिरने से युवक की मौत

रामगंजमण्डी, (निसं)। सातलखेड़ी गांव में सोमवार को एक युवक की कुएं में गिरने से मौत हो गई। मृतक युवक झालावाड़ जिले के भवानीमंडी थाना क्षेत्र के सुलिया चौकी का निवासी था। वह अपनी पत्नी को लेने ससुराल आया हुआ था। प्राप्त जानकारी के अनुसार युवक घर से नहाने की कहकर कुएं पर गया था, जहां उसका पैर फिसल गया और वह कुएं में गिर गया। डूबने से उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर सुकेत थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से युवक को बाहर निकाला और उसे सुकेत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान नितेश (30) पुत्र शिवलाल मेघवाल, निवासी सुलिया चौकी, भवानीमंडी के रूप में की है।

'प्रदेश में ग्रेनाइट उद्योग पर संकट के बादल मंडराने लगे'

ग्रेनाइट उद्योग को बचाने की मांग को लेकर ग्रेनाइट व्यापारियों ने मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

जयपुर/जालौर। प्रदेश में ग्रेनाइट उद्योग पर अब संकट के बादल मंडराने लगे है। यहां से नेपाल जाने वाले तैयार माल के स्थान पर अब रफ (कच्चा माल) निर्यात होने से एक तरफ तो करीब 1000 ग्रेनाइट फिनिशिंग वर्क प्लांट बंद पड़े हैं, वहीं दूसरी ओर सरकार को भी करोड़ों की जीएसटी का नुकसान उठाना पड़ रहा है। साथ ही ग्रेनाइट उद्योग से जुडे कारोबारियों और श्रमिकों के रोजगार पर भी संकट गहरा गया है। इसको लेकर सोमवार को जालौर ग्रेनाइट व्यापार संघ के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को ज्ञापन सौंपा है।

- **ग्रेनाइट फिनिशिंग काम में लगे एक लाख से अधिक श्रमिक बेरोजगारी के कगार पर है**
- **कच्चे माल के राजस्थान से नेपाल हो रहे निर्यात से 15000 करोड़ का कारोबार प्रभावित**

जालौर ग्रेनाइट व्यापार संघ के पदाधिकारियों ने जयपुर में प्रेसवार्ता कर जानकारी दी।

राजस्थान के ग्रेनाइट उद्योग पर आए "नेपाल संकट" को लेकर संघ के अध्यक्ष अनिल टांक ने प्रेसवार्ता में बताया कि दो साल पहले तक राजस्थान से तैयार ग्रेनाइट नेपाल निर्यात किया जाता था, जिसमें खान (माइंस) से ग्रेनाइट निकालने के बाद मशीनों पर उसकी फिनिशिंग होती थी। तैयार माल पर जीएसटी का भुगतान होता था। इसमें सबसे अधिक ग्रेनाइट निर्यात जालौर से हो रहा था। इस बीच नेपाल से आकर कुछ दलाल राजस्थान में बैठ गए, कुछ खनन व्यवसाइयों से सांठगांठ कर ली और तैयार माल के स्थान पर कच्चा माल नेपाल निर्यात करना शुरू कर दिया, जिसके कारण ग्रेनाइट फिनिशिंग उद्योग पर संकट के बादल गहरा गए। यहां से सीधे ही कच्चा माल नेपाल निर्यात होने लगा, जिस पर कोई टैक्स नहीं होने के कारण सरकार को जीएसटी का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

जालोर ग्रेनाइट संघ के उपाध्यक्ष विकास माहेश्वरी ने बताया कि कच्चे माल का निर्यात बढ़ने के कारण जालौर में ही करीब हर माह सात लाख वर्गफीट तैयार ग्रेनाइट माल डंप हो रहा है। आर्डर ही नहीं मिल रहा। जब कच्चा माल डायरेक्ट नेपाल जा रहा है, जीएसटी नहीं देनी पर रही तो यहां का तैयार माल विदेश में कौन खरिदेगा। इस वजह से तैयार माल का निर्यात नहीं हो पा रहा है। ऐसे में ग्रेनाइट फिनिशिंग उद्योग से जुडे करीब तीन लाख लोगों के रोजगार पर संकट गहरा गया है। इस वजह से राजस्थान में जालोर, किशनगढ़, राजसमंद समेत अन्य जगह ग्रेनाइट फिनिशिंग कारोबार में जुटे करीब 1000 व्यापारियों का कारोबार ठप सा हो गया।

पहले जहां इन कारोबारियों की फैक्ट्रियों में तीन शिफ्टों में मशीनें चलती थी, अब फ्रेश रो मैटेरियल नहीं मिलने की वजह से सिर्फ एक शिफ्ट भी मुश्किल से चल रही है। करीब 15000 करोड़ का हर माह कारोबार राजस्थान से ग्रेनाइट फिनिशिंग कारोबारी करते थे, वो 10 प्रतिशत रह गया। ग्रेनाइट फिनिशिंग काम में लगे एक लाख से अधिक श्रमिक बेरोजगारी के कगार पर हैं। सरकार ग्रेनाइट के कच्चे माल का निर्यात नेपाल भेजे जाने से प्रतिबंधित करे, तो ये उद्योग बच सकता है, वरना ये कारोबार बंद हो जाएगा। सरकार को एक तरफ करोड़ों अरबों की विदेशी मुद्रा मिलती थी, कच्चे माल से कुछ नहीं मिल रहा, देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है तो सरकार को इस पर ध्यान देना होगा।

ग्रेनाइट संघ के प्रतिनिधिमंडल ने खान विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकांत को भी ज्ञापन सौंपा और उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा से मिलकर निर्यात हो रहे कच्चे माल को ले जा रहे ओवरलोड वाहनों पर भी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने बताया कि यहां से नेपाल जाने वाले वाहनों में 42 टन के स्थान पर 100 टन माल जा रहा है। प्रतिनिधिमंडल में पवन चौधरी, महावीर सिंह विश्नोई सहित अन्य पदाधिकारी शामिल रहे।

आसाराम को फिर राहत मिली

जोधपुर, (कासं)। गुजरात और राजस्थान में आजीवन कारावास की सजा काट रहे 86 साल के आसाराम को एक बार फिर राहत मिली है। राजस्थान हाईकोर्ट ने आसाराम बापू की ओर से 8 अगस्त को दायर अपील पर सुनवाई की। कोर्ट ने उसकी अंतरिम जमानत 29 अगस्त तक बढ़ा दी है। आसाराम बापू की ओर से वकील निशांत बोड़ा ने हाल की मेडिकल रिपोर्ट्स कोर्ट में पेश की थी। इससे पहले गुजरात हाईकोर्ट ने भी पिछले दिनों इसी ग्राउंड पर आसाराम बापू की अंतरिम जमानत 29 अगस्त तक बढ़ाई थी। गुजरात हाईकोर्ट की ओर से जारी आदेश से सामने आया था कि आसाराम की ट्रोपोनिन लेवल बहुत ज्यादा है। यह चिंताजनक है। उसका इलाज कर रहे डॉक्टर के अनुसार, आसाराम की स्थिति क्रिटिकल है। वर्तमान में इंदौर के जूपिटर हॉस्पिटल के आईसीयू में भर्ती है। राजस्थान हाईकोर्ट के जज दिनेश मेहता और विनीत कुमार माथुर ने उसकी सेहत की जांच को लेकर निर्देश जारी किए हैं। कोर्ट ने अहमदाबाद के सरकारी हॉस्पिटल में डॉक्टरों का एक पैनल बनाने को कहा है। इसमें दो हृदय रोग (कार्डियोलॉजिस्ट) विशेषज्ञ भी होंगे। यह डॉक्टरों की टीम आसाराम बापू की बताई गई बीमारियों की पूरी जांच करेगी।

बाबा मोहनराम के मेले में दुकानों पर बिक रहा नकली घी जब्त

किशनगढ़ बास, (निसं)। जिला कलेक्टर किशोर कुमार के निर्देशन में खाने की वस्तुओं में मिलावट पर अंकुश लगाने के लिए जिले में खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से निरंतर की जा रही करवाई के अन्तर्गत टीम ने भिवाड़ी क्षेत्र में बाबा मोहनराम के तीन दिवसीय मेले में दुकानों पर बिक रहे लगभग 45 किलो मिलावटी घी को जब्त कर मौके पर गंदे पानी के नाले में बहाकर नष्ट कराया और दुकानदारों को मिलावटी समान नहीं बेचने के लिए हिदायत दी गई है।

- **मेले में दुकानों पर बिक रहे लगभग 45 किलो मिलावटी घी को जब्त किया**
- **खाद्य सुरक्षा विभाग ने कलेक्टर के निर्देश पर कार्रवाई की**

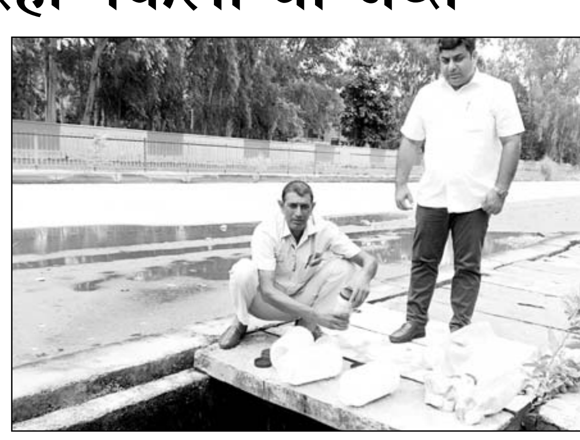

खाद्य सुरक्षा टीम ने बाबा मोहन राम के मेले में दुकानों पर पकड़े गए नकली घी को गंदे नाले बहाया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी हेमंत यादव ने बताया कि जिला कलेक्टर किशोर कुमार के दिशा-निर्देश में विभाग की टीम ने सोमवार को बाबा मोहनराम के तीन दिवसीय चल रहे मेले में आसपास स्थाई और अस्थाई दुकानों एवं मिठाई विक्रेताओं पर पहुंचकर मिठाई एवं घी के नमूने लिए और व्यापारियों से मिलावटी उत्पाद नहीं बेचने की अपील की। निरीक्षण के दौरान मिले लगभग 45 किलो मिलावटी घी को मौके पर ही गंदे पानी के नाले में बहाकर नष्ट कराया। मेले में खाद्य सुरक्षा टीम की जांच की कार्रवाई से दुकानदारों में हड़कंप मच गया। दुकानदार दुकानों को छोड़कर छुपते दिखाई दिए। अधिकारी ने बताया कि मेले की अवधि में विभाग मिलावट पर पूरी निगरानी कर नमूने की कार्रवाई को निरंतर जारी रखेगा, जिससे मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध हो सके। इस कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी हेमंत कुमार के साथ में महिपाल सिंह, सुभाष यादव, रमेश मौजूद रहे।

सर्राफा व्यापारी की मौत का मामला, मांगों पर सहमति बनीं

राजसमन्द, (निसं)। एक चोरी के मामले में पूछताछ के लिए राजसमंद के कांकरोली थाने पर बुलाए गए भीलवाड़ा के ज्वैलर्स कारोबारी कारोई थाना क्षेत्र में गाडरमाला (भोपालगढ़) निवासी 50 वर्षीय खुबचंद सोनी पुत्र बद्रीलाल सोनी की रविवार शाम को अचानक मौत हो गई। अचानक तबीयत बिगड़ने पर उसे आरके जिला चिकित्सालय ले जाया गया, जहां चिकित्सकों द्वारा काफी प्रयास के बाद भी नहीं बच पाया। इस पर पुलिस अधिकारी अस्पताल पहुंच गए। मामले में दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग को लेकर सोमवार सुबह से ही सोनी समाज के लोग व बड़ी संख्या में सर्राफा व्यापारी एकत्रित हो गए और मामले की न्यायिक जांच कराने, मृतक के बच्चें को संविदा पर नौकरी देने तथा परिवारजनों को 50 लाख रूपये मुआवजा दिलाने की मांग की। सोमवार को मांगों पर सहमति बनने के बाद परिजन एवं समाजजन पोस्टमार्टम के लिए राजी हुए। देर शाम पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

- **चोरी का माल को खरीदने के मामले में पूछताछ के लाये गये सर्राफा व्यापारी की पुलिस कस्टडी में मौत का मामला**

पुलिस के अनुसार गत दिनों कांकरोली थाना क्षेत्र में हुई चोरी के आरोप में गिरफ्तार सत्यप्रकाश पिता देवीलाल बैरवा से की गई पूछताछ में उसने बताया कि चोरी का माल उसने मृतक भीलवाड़ा जिले के गाडरमाला (भोपालगढ़) निवासी खुबचंद सोनी को बेचा। ऐसे में उसके निशानदेही के अनुसार बताए ठिकाने पर पहुंची कांकरोली थाना पुलिस खूबचंद सोनी को पूछताछ के लिए कांकरोली थाने ले आई। इसी दौरान खूबंचद सोनी की तबियत बिगड़ गई, जिसे पुलिसकर्मी आरके अस्पताल लेकर गए, लेकिन इससे पहले ही हृदय गति रूकने से उसकी मौत हो गई। समाज व सर्राफा संघ का एक प्रतिनिधी मंडल जिला कलेक्टर अरूण कुमार हसीजा से मुलाकात कर इन मांगों के सम्बंध में ज्ञापन सौंपा। जब मांगों पर सहमति बनने में देरी हुई तो अस्पताल परिसर में मौजूद समाजजन आक्रोशित हो गए और मोर्चरी के बाहर बैठकर पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। उसके बाद अपरान्ह साढे चार बजे प्रतिनिधी मंडल पुनः जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे और कलेक्टर व एसपी के साथ मांगों को लेकर फिर से समझौता वार्ता हुई। तब कुछ हद तक मांगों पर सहमती बनी और शव का पीएम कराने को तैयार हुए। लेकिन उसके बाद भी समाज के लोग शव का पीएम कराने का तैयार नहीं हुए। उसके बाद फिर प्रतिनिधि मंडल कलेक्ट्रेट पहुंचे और लिखित में समझौता करने की बात पर अड़िग हो गए। इस दौरान उन्होंने एसपी ममता गुप्ता से भी मुलाकात की। वहां पर भी प्रशासन ने फिर से उन्हीं मांगों पर सहमति जताई। मांगों में मुख्य रूप से नियमानुसार वित्तिय सहायता, मृतक के परिवार के सदस्य को संविदा पर नौकरी, न्यायिक मजिस्ट्रेट की मौजूदगी गठित मेडिकल बॉर्ड से पोस्टमार्टम करवाने, मृतक को लाने में शामिल पुलिसकर्मियों के खिलाफ की जांच कर उचित कार्यवाही करने का आश्वासन के बाद परिजन एवं समाजजन पोस्टमार्टम के लिए राजी हुए। देर शाम पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

अवैध संबंधों में बाधा बनी पत्नी की पति ने हत्या की थी, आरोपी गिरफ्तार

मदनगंज-किशनगढ़, (निस)। किशनगढ़ सिटी थाना अंतर्गत कांजी हाउस सिलोरा रोड़ के पास दो दिन पहले घटित संजू माली हत्याकांड का मास्टरमाइंड इसका पति ही निकला। इसने ही अवैध में बाधा बन चुकी पत्नी की हत्या करने के लिये काफी समय योजना बनानी शुरू कर दी। इसके लिये पत्नी का कत्ल करने के 10 अगस्त का दिन निश्चित कर दिया। दो साथियो को पहले से ही हथियारों के साथ घटनास्थल पर तैनात कर दिया, ताकि लूट की वारदात बताकर पुलिस को गुमराह किया जा सके।

जानकारी के अनुसार पुलिस ने सामने आंसू बहा रहा चार वर्षीय बिटिया के पिता भाजपा नेता रोहित सैनी शुरूआती दौर में ही संदेह के दायरे में आ गया। इससे सख्ती से पूछताछ की तो गुनाह में संलिप्तता स्वीकार करते कहा कि एक महिला के साथ अवैध संबंध में पत्नी बाधा बन चुकी थी। पुलिस की गिरफ्त में आये आरोपियों में गांव उदयपुर कला निवासी रोहित सैनी (28) पुत्र श्रवणलाल व सांवतसर निवासी रवि मेघवाल (20) पुत्र महावीर मेघवाल है। एक नाबालिग को निरुद्ध करने की कार्रवाई जारी है।

पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने

आरोपी पति और मृतका पत्नी (फाइल फोटो)।

वारदात का खुलासा करते हुए बताया कि 10 अगस्त को दोपहर करीब डेढ़ बजे इत्तला मिली कि कांजी हाउस सिलोरा रोड़ पर सुनसान जगह एक महिला का रक्तरंजित शव पड़ा हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस की मौजूदगी में पति रोहित माली पत्नी के वियोग में बिलख रहा था। उसने कहा कि दो बाइक पर सवार चार बदमाश आये और पत्नी की हत्या कर जेवरात लूटकर फरार हो गये। पुलिस अधीक्षक राणा तत्काल घटनास्थल पर पहुंच गई और रोहित से आवश्यक जानकारी ली। साथ ही आरोपियों को पकड़ने के लिये स्पेशल टीमों का गठन कर हर पहलू को जांच के दायरे में शामिल कर लिया। इस बीच हावभाव से रोहित भी पुलिस की नजरों में आ गया। पुलिस ने इसे हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की तो गुनाहगार ने सब कुछ उगल दिया। उसने बतायाकि दो साथियो को साथ लेकर अवैध संबंध में बाधा बन चुकी पत्नी संजू का चाकू से गला काटकर कत्ल कर दिया। साथ ही जेवरात, बाइक, मोबाइल व घड़ी आरोपी रवि मेघवाल ले गया।

पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने बताया कि कातिल रोहित ने पुलिस के समक्ष झूठी कहानी बताई कि गांव रलावता स्थित मृतका संजू के पीहर में राखी का त्यौहार मनाकर पल्सर बाइक से अपने गांव उदयपुर कला के लिये जा रहा था। कांजी हाउस के पास सुनसान जगह में दोपहर करीब एक बजे पहले से ही घात लगाये बैठे अज्ञात युवकों ने बाइक को घेरकर रोक लिया। बाइक रुकते ही लुटेरों ने रोहित के चीखने चिल्लाने के बावजूद पत्नी संजू पर चाकू से सघन वार मौत के घाट उतार दिया और बाइक सहित जेवरात लूटकर फरार हो गये, किंतु किशनगढ़ सिटी थाना पुलिस, जिला स्पेशल टीम के अलावा अन्य पुलिस टीमों ने इसके मंसूबो को नाकाम कर धरदबोचा। वहीं अस्पताल में एकत्रित माली समाज के सैकड़ों लोगों ने उचित मुआवजा के साथ गुनहगार को गिरफ्तार करने की मांग करते हुए शव की सुपुर्दगी लेने से साफ इंकार कर दिया था, पर सच्चाई सामने आने पर इनके पैरो तले जमीन खिसक गई।

- **भाजपा नेता रोहित ने चाकू से पत्नी का गला काटकर हत्या की थी**
- **पत्नी की हत्या करने के लिये पति ने काफी समय योजना बनानी शुरू कर दी थी**

बाइक सहित चोर गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। रेलवे कॉलोनी पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान कार्रवाई करते हुए मोटरसाइकिल चोर को गिरफ्तार किया, जिसके पास से चोरी की गई बाइक को भी बरामद किया। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 10 अगस्त को फरियादी अंकित कुमार मीणा ने रेलवे कॉलोनी थाने में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि उसकी मोटरसाइकिल को उसने सुबह के समय अपने घर के सामने खड़ा कर कार से ड्यूटी पर चला गया और जब शाम को वापस आया तो मोटरसाइकिल घर के सामने नहीं थी। शहर एसपी ने बताया कि आरोपी को पकड़ने के लिये रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी रामस्वरूप मीणा के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने मुखबीर की सूचना पर नॉर्दन बाईपास रंगपुर रोड़ पर नाकाबंदी कर कार्रवाई करते हुए राकेश (25) को गिरफ्तार कर चोरी की मोटरसाइकिल को बरामद किया।

ज्वैलर्स की दुकान में चोरी का खुलासा, एक गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। करेड़ा थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े एक ज्वैलर्स की दुकान में हुई चोरी के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी मोहम्मद ताकिर को जावरा एमपी से गिरफ्तार किया है। करेड़ा थाना प्रभारी पूरण मल मीणा ने बताया कि यह घटना गत आठ अप्रैल को हुई थी। थला, रायपुर निवासी प्रेमचंद कुमावत ने करेड़ा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी दुकान सांवरिया ज्वैलर्स में दो अज्ञात व्यक्ति पल्सर मोटरसाइकिल पर आए। उन्होंने दुकान के मुनीम संदीप मेहता को बातों में लगाकर एक सोने का पेंडेंट, सोने के बारीक मोती और सोने के लोंग की एक जोड़ी चोरी कर ली और मौके से फरार हो गए। पुलिस द्वारा टीमें बनाकर आरोपी को गिरफ्तार किया।

संक्षिप्त

सिंघवी ने निर्माण कार्यों का जायजा लिया

छबड़ा। विधायक प्रतापसिंह सिंघवी ने नागेश्वर पहाडी पर वन विभाग द्वारा लवकुश वाटिका के तहत लगभग एक करोड़ की राशि के कराए गए निर्माण कार्यो का निरीक्षण लिया। साथ ही नागेश्वर मंदिर समिति की वर्षो से चली आ रही मांग पर नगर पालिका द्वारा लगाई गई हाईमास्क लाईट का जायजा किया। विधायक सिंघवी ने बताया कि लवकुश वाटिका के अंतर्गत इस वर्ष नागेश्वर पहाडी पर 50 लाख रुपये का नया निर्माण कार्य विभाग द्वारा करवाया जाएगा, जिसकी वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त हो गई है। जल्द ही विभाग द्वारा निविदा प्रक्रिया पूर्ण कर नए निर्माण कार्य प्रारंभ करवा दिये जायेंगे। जिससे नागेश्वर पहाडी की सुंदरता और अधिक बढेगी तथा श्रद्धालुओं को सुविधा मिल सकेगी। सिंघवी ने भीलवाड़ानीचा गांव पहुंचकर गत दिनो सड़क दुर्घटना में मृतक चचेरे भाई मुकेश मीणा, सूरज मीणा के आवास पर पहुंच शोक व्यक्त किया और प्रशासनिक अधिकारियों से दूरभाष पर चर्चा कर पीडित परिवारो को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। वही, पूर्व नगर अध्यक्ष शंकरलाल सुमन एवं मनोज सुमन के चाचा रामकल्याण सुमन के निधन पर उनके आवास पहुंचकर शोक संतृप्त परिवार को ढांढस बंधाया। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ता भी साथ थे।

भाजपा कार्यालय पर बैठक आयोजित

छबड़ा। विधायक प्रतापसिंह सिंघवी एवं प्रदेश प्रतिनिधि हिम्मतसिंह सिंघवी के नेतृत्व में सोमवार को भाजपा कार्यालय पर बैठक आयोजित की गई। यहां हर घर पर तिरंगा लहराने के लिए चर्चा की गई।तिरंगा यात्रा प्रभारी ब्रम्हानंद शर्मा, ओम सुमन, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष राजेश हाड़ा एवं महिला मोर्चा जिला महामंत्री किरण भार्गव ने बताया कि प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व के आदेशानुसार प्रत्येक बूथ पर घर घर जाकर तिरंगा वितरण करना एवं तिरंगा फहराने का कार्य प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता को अपने बूथ पर करना है। विधायक सिंघवी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दृढ इच्छा शक्ति एवं निर्णायक नेतृत्व, सेना का शौर्य एवं पराक्रम तथा देशवासियों की एकजुटता के संकल्प से आपरेशन सिन्दूर पूर्णतः सफल रहा। यह मोदीजी के नेतृत्व में नया समृद्धशाली, शक्तिशाली एवं आत्मनिर्भर भारत है, सभी को इस पर गर्व है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए तिरंगा यात्रा एक महत्वपूर्ण पहल है जो राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देने में मदद करती है, साथ ही नागरिकों को राष्ट्रीय गौरव और एकता के सूत्र में बांधती है। यहां नगर मण्डल अध्यक्ष भूपेन्द्र सुमन, बापचा मण्डल अध्यक्ष हेमराज लोधा, पंचायत समिति प्रधान हरिओम नागर, छीपाबडौद प्रधान नरेश मीणा आदि भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

शिक्षकों को थमाए नोटिस

छबड़ा। एसीबीईओ जगदीश प्रसाद नागर ने सोमवार सुबह आधा दर्जन विद्यालयों का निरीक्षण किया, जिसमें उच्च माध्यमिक विद्यालय निपानिया में 5 कर्मचारी अनुपस्थित मिले। प्राथमिक विद्यालय मोरेली पठार में तीन कर्मचारी अनुपस्थित पाए मिले, उच्च प्राथमिक विद्यालय बालापुरा डांग में दो अध्यापक आकस्मिक अवकाश पर पाए गए। ब्लॉक के प्रथम दौरे में ही समय की अव्यवस्थाओ को लेकर नागर द्वारा चिन्ता प्रकट करते हुए शिक्षकों की लेट लतीफी को गंभीरता से लेते हुए संबंधित शिक्षकों को नोटिस प्रदान किए गए। एवं समस्त पीईईओ को संदेश देकर कहा कि कर्मचारियों को समय पर स्कूल आने के लिए पाबंद करें।

नाम परिवर्तन

मैं तनीषा गुर्जर पुत्री श्री रामेश्वर गुर्जर, निवासी सामरेड कला, जमवारामगढ, जयपुर राजस्थान की निवासी हूँ। मैंने अपना नाम तानिया गुर्जर से बदलकर तनीषा गुर्जर रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाए।

मैं खश्बू आसवानी पुत्री श्री हरीश कुमार ने अपना नाम बदलकर मनीषा पमनानी कर लिया हे। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावें। पता पर्ल-303, शाकम्भरी कोहिनूर रेजिडेन्सी, सांगानेर, रामपुरा रोड, जयपुर-302029

I BALA BAI, Spouse, of Army number 15504104N Swr Krishan Kumar residence of village nayabas, po nayabas dis alwar (RAJ) pin code 301024 have changed my name from bala bai to bala Kanwar vide affidavit self declaration

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

शहीदों का बलिदान सदैव राष्ट्रभक्ति साहस और त्याग की राह पर चलने की प्रेरणा देता है : रामहेत

- भाजपा शीर्ष नेतृत्व के निर्देशन में भाजपा नेताओं ने अनेक गांवों में शहीद जवानों की प्रतिमाओं पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर वीरांगनाओ व परिजनो का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया

शहीद सेना के जवानों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

किशनगढ़ बास। भाजपा राष्ट्रीय परिषद सदस्य पूर्व विधायक रामहेत यादव, भाजपा जिला अध्यक्ष महासिंह चौधरी सहित भाजपा नेताओं ने किशनगढ़ बास विधानसभा क्षेत्र के गांव तरवाला, रायपुर मेवान, माछरोली, नयागांव, जाटका, पालपुर सहित अनेक गांवों में पहुंचकर शहीद सेना के जवानों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित कर परिजनों एवं वीरांगनाओं का शाल ओढ़ाकर सम्मान किया तथा केंद्रीय मंत्री व सांसद भूपेंद्र यादव के द्वारा भेजी गई सम्मान सामग्री भेंट की। यह कार्यक्रम किशनगढ़ बास क्षेत्र में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार किया गया।

इस मौके पर भाजपा राष्ट्रीय परिषद सदस्य पूर्व विधायक रामहेत यादव ने कहा शहीदों का बलिदान हमें सदैव राष्ट्रभक्ति साहस और त्याग की राह पर चलने की प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने कहा इन्हीं वीर बलिदानियों के अदम्य साहस और प्रेरणा से हमारी सेना ने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को करारा जवाब देकर भारत की ताकत का अहसास कराया तथा इन्ही की प्रेरणा से हमारी सशस्त्र सेनाएं दिन-रात सरहदों की चौकसी में जुटी हैं, जिससे हम अपने घरों में निश्चिंत और सुरक्षित जीवन जी पा रहे हैं।

भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज मित्तल व मीडिया प्रभारी तेजसिंह ने बताया रविवार को भाजपा राष्ट्रीय परिषद सदस्य रामहेत सिंह यादव, जिलाध्यक्ष महासिंह चौधरी सहित भाजपा नेताओं ने किशनगढ़बास के गांव तरवाला में शहीद विजय सिंह, रायपुर मेवान में शहीद बलवंत सिंह, माछरौली में शहीद वीरेन्द्र सिंह, नयागांव में शहीद रामनिवास यादव, फतियाबाद में शहीद मनोज यादव, शहीद उदेश यादव, कुमपूर में शहीद फूसाराम चौधरी, गुरगचका में शहीद राजेन्द्र शर्मा, कादैया में शहीद हेमसिंह शेखावत, पालपुर में शहीद रामपाल गुर्जर व जाटका में शहीद विजय सिंह की प्रतिमाओं पर माल्यापर्ण की श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया तथा उनके परिवारजनों को शॉल ओढ़ाकर, पुष्पमालाओं व सम्मान प्रतीक भेंटकर उनका अभिनंदन किया।

कार्यक्रम के दौरान कोटकासिम प्रधान संता देवी, नीमराणा प्रधान, किशनगढ़बास चैयरमैन प्रतिनिधि सतीश सिंघल, जिला महामंत्री अनूप यादव, जिला उपाध्यक्ष राजेश बटवाढ़ा, किशनगढ़बास मण्डल महामंत्री जयसिंह सरदार, जगदीश यादव, पूर्व महामंत्री रमेश जांगिढ़, पूर्व भाजयुमो उपाध्यक्ष विश्वास यादव, उपाध्यक्ष, जसवंत यादव, गिर्राज गुर्जर, पार्षद तेजसिंह सैनी, मण्डल मंत्री निहाल सिंह, बलराम गुर्जर, विनोद मिश्रा, कार्यालय मंत्री संदीप वलेचा, सरपंच प्रताप यादव, कृष्ण यादव, श्रवण लाल, शिशपाल यादव, रामस्वरूप यादव कालूराम, सरपंच पप्पू गुर्जर, सरपंच अशोक यादव, सतीश यादव लम्बढ़दार, रोहित यादव, सतीश यादव सहित जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। फोटो। किशनगढ़ बास क्षेत्र में शहीद सेना जवानों के परिजनों व विरांगनाओं का सम्मान करते भाजपा राष्ट्रीय परिषद सदस्य रामहेत यादव, जिलाध्यक्ष महासिंह चौधरी सहित भाजपा नेता।

श्रावण मास की रामायण पाठ के विश्राम समापन हवन में दी आहुतियां

पावटा। श्री सीताराम मंदिर कल्याणपुरा में महंत श्री श्री 108 बाबा मंगलदास महाराज के सान्निध्य में हर साल की तरह इस साल भी श्रावण मास में चल रहे अखंड रामायण पाठ, श्री राम नाम संकीर्तन तथा श्री रूद्र अभिषेक का विद्वानों द्वारा पढ़े गए वैदिक मंत्रों के आव्हान के साथ समापन किया गया। मंदिर महंत मंगलदास महाराज के सानिध्य में रामायण पाठ समापन, सुंदरकांड पाठ, यज्ञ हवन तथा वृंदावन से पधारे सुदर्शनदास महाराज के भजन और प्रवचनों से समूचे वातावरण में भक्ति भाव की गंगा प्रवाहित होने लगी। मथुरा और वृंदावन से आए रासलीला मंडलों ने भक्ति नृत्यों के माध्यम से भक्ति रस प्रवाहित किया। इस अवसर पर खोजीद्वाराचार्य त्रिवेणी पीठाधीश्वर श्री राम रिछपाल दास महाराज ने बताया कि सनातन में संत जीवन समाज के प्रबोध के लिए होता है तथा जीव मात्र के कल्याणार्थ मंदिरों और आश्रमों में इस प्रकार की गतिविधियों का संत समाज आयोजन करते रहते हैं। दाऊ धाम पीठ के प्रतिनिधि, श्रीमत्पंचखंड पीठाधीश्वर आचार्य सौमेंद्र महाराज, भोमिया मंदिर पावटा सेवादास महाराज तथा सत्ताईसा मंडल संत समाज ने समस्त संत समाज की ओर से जन जन को आशीर्वाद दिया।

खोया पाया

मेरे प्लाट नं. 10MA/135 इदिरा गांधी नगर जगतपुरा जयपुर का लीज मुक्ति प्रमाण पत्र (पट्टा) जगतपुरा जयपुर में कहीं गिर गया है मिलने पर सूचित करें। गजेन्द्र सारस्वत मो. 7587712140

मेरे प्लाट संख्या 10/K/1 ज्योति नगर लालकोठी का नो ड्यूज सर्टिफिकेट और डिक्लेरेशन लेटर कहीं गुम हो गया है मिलने पर सूचित करें। नमन नरेडी 9636772796

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वाके महानगर जयपुर तहसील सांगानेर थाना खो-नागोरी ग्राम खो-नागोरियान में आराजी कृषि भूमि खसरा नम्बर 1014 रकबा 0.34 हैक्टेयर में काटी गयी योजना मोमिन नगर में प्लाट नम्बर 10 पश्चिम मुखी कुल क्षेत्रफल 117.89 वर्गमीटर स्थित है। उक्त मकान श्री बाबू खां पुत्र महबूब खां ने श्री शरीफ खां पुत्र सत्तार खां से दिनांक 26.06.2003/29.03.2009 के रजिस्टर्ड विक्रय पत्र द्वारा खरीद कर कब्जा प्राप्त किया। श्री बाबू खां ने अपनी पत्नि के हक में दिनांक 14.04.2023 को जुबानी बक्शीश कर दिया। जुबानी बक्शीश को श्री श्रीमती रुकय्या ने उसी समय स्वीकार कर लिया था। मकान नम्बर 10 के मूल दस्तावेजात एवं वास्तविक कब्जा भी श्रीमती रुकय्या को संभला चुका है। इस प्रकार दिनांक 14.04.2023 से श्रीमती रुकय्या पत्नि श्री बाबू खां ही प्लाट नम्बर 10 की एक मात्र मालिक स्वामी एवं काबिज है। श्रीमती 15.04.2023 को प्लाट नम्बर 10 विक्रय, इकरार एवं रहन करने का अधिकार प्राप्त है। अन्य किसी व्यक्ति से प्लाट नम्बर 10 के बाबत किसी प्रकार का इकरार, विक्रय ना करें। अन्यथा स्वयं जिम्मेदार होगा।
जयपुर (फैजान हुसैन) एडवोकेट
दिनांक-10.08.2025 मो.न. 8824515124

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
www.jda.urban.rajasthan.gov.in
क्रमांक-जविप्रा/उपा/जोन-7/2025/डी-1387
आम सूचना दिनांक-16.07.2025
आवेदिका द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 227129 दिनांक 16.06.2025 को निम्नांकित भूखण्ड का नाम हस्तान्तरण पत्र जारी किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है।
क्र.सं.-1, आवेदक का नाम- श्री जगमाल सिंह पुत्र श्री रिछपाल सिंह, **मूल आवंटी/लीजधारक का नाम-** श्री रिछपाल सिंह पुत्र श्री फूल सिंह, **भूखण्ड/दुकान संख्या-**31, **भूखण्ड क्षेत्रफल-**191.66 व.ग., **गृ.नि.स.स./निजी खातेदारी/जविप्रा योजना-** संयुक्त गृह निर्माण सहकारी समिति लि., **योजना का नाम-**रणजीत नगर, **सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया-** नाम हस्तान्तरण पत्र, **कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज-** लीजहोल्ड पट्टा एवं मृत्यु प्रमाण पत्र
उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में नाम हस्तान्तरण पत्र जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर कार्यालय समय मे उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।
उपायुक्त जोन-07, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
www.jda.urban.rajasthan.gov.in
क्रमांक-जविप्रा/जोन-2/2025/डी-1184
विज्ञप्ति दिनांक-05.08.2025
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है श्री प्रदीप अग्रवाल पुत्र श्री मालीराम अग्रवाल द्वारा जयपुर विकास प्राधिकरण की योजना विद्याधर नगर के भूखण्ड संख्या 165 सैक्टर नम्बर 6 कुल क्षेत्रफल 180 वर्गमीटर का लीज होल्ड से फ्री होल्ड लीज डीड जारी करने हेतु ऑन लाईन आवेदन संख्या 233618 द्वारा निवेदन किया गया है। उक्त भूखण्ड की लीज डीड 25 फरवरी 2005 को श्रीमती सुशीला देवी दस्सानी एवं चन्द्रप्रकाश दस्सानी के पक्ष में जारी की गई थी। तत्पश्चात मूल आवंटियो के द्वारा उक्त भूखण्ड का वेचान जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 16.10.2018 को श्री मालीराम अग्रवाल के पक्ष में किया गया। जविप्रा द्वारा श्री मालीराम अग्रवाल के नाम दिनांक 24.11.2020 को हस्तान्तरण पत्र जारी किया गया है। तत्पश्चात श्री मालीराम अग्रवाल द्वारा आवेदक श्री प्रदीप अग्रवाल के पक्ष मे 18 जून 2025 को जरिये रजिस्टर्ड गिफ्ट डिड (बख्शीशनामा) निष्पादित किया है। जिसके आधार पर फ्री होल्ड पट्टे हेतु आवेदन किया है। इस सम्बन्ध मे यदि किसी व्यक्ति/संस्था/हितधारी को कोई आपत्ति हो, तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 7 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष कमरा नम्बर पीबी-एसएफ-205 द्वितीय तल, पार्किंग स्थल, जयपुर में आपत्ति/सुझाव प्रस्तुत कर दें, अन्यथा बाद-मियाद आवेदक के पक्ष में नाम हस्तान्तरण एवं फ्री होल्ड पट्टा जारी कर दिया जावेगा। बाद मियाद पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।
उपायुक्त, जोन-2, जविप्रा, जयपुर

तिरंगे के प्रति दिखाई दिया जोश, जुनून व देशभक्ति का सैलाब

अलवर। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला के निर्देशन में जिले में आयोजित किया जा रहा 'हर घर तिरंगा अभियान' जिला मुख्यालय से लेकर गांव-गांव तक जन-जन का अभियान बन गया है। अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रमों एवं गतिविधियों में जनप्रतिनिधिगण, विद्यार्थी, सरकारी व गैर सरकारी संस्थाएं, सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाएं तथा सम्पूर्ण जिलेवासी उत्साह के साथ बढचढकर भाग लेकर देशप्रेम का संदेश दे रहे हैं।

हर घर तिरंगा अभियान के द्वितीय चरण के तहत कार्यक्रमों की श्रृंखला में सोमवार को जिले की मनरेगा साइटों व सार्वजनिक स्थलों पर साफ-सफाई गतिविधियां, पर्यटन स्थलों पर तिरंगा गतिविधिया एवं विद्यालयों में चित्रकला, रंगोली, तिरंगा रैली व पंचायत घरों, आंगनबाडियों में शपथ कार्यक्रम का आयोजन कराया गया जिसमें बडी संख्या में पर्यटकों, विद्यार्थियों एवं आमजन ने अपनी सहभागिता निभाकर देशभक्ति का संदेश दिया।

नगर निगम द्वारा अलवर शहर के कम्पनी गार्डन आदि स्थानों पर साफ-सफाई गई तथा जिला, उपखण्ड व ग्राम स्तर के सार्वजनिक स्थानों, जल संरचनाओं, जल और सेनिटेशन सूचनाएं, नाली सफाई, ग्रे-वाटर प्रबंधन, पाइपलाइन से वाटर लिकेज को बंद करने, सीएससी, आरआरसी व अन्य परिसम्पत्तियों की सुरक्षा, श्रमदान ग्राम के रास्तों व सार्वजनिक स्थानों एवं प्लास्टिक वेस्ट कलेक्शन तथा इसके प्रबंधन संबंधी कार्य जैसी विभिन्न गतिविधियां आयोजित कराई गई, जिसमें जिलेवासियों ने उत्साह के साथ बढचढकर भाग लेकर जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण एवं प्लास्टिक मुक्त अलवर का संदेश दिया।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत उपखण्ड क्षेत्र रामगढ के गोविंदगढ़ में भव्य तिरंगा रैली निकाली गई जिसे रामगढ विधायक सुखवन्त सिंह ने हरी झंडी दिखा कर किया रवाना किया। रैली में जनप्रतिनिधिगणों एवं बडी संख्या में स्कूली विद्यार्थियों व नागरिकों ने भाग लेकर भारत माता की जय, वंदे मातरम के जयकारों से वातावरण गुंजयमान कर दिया।

ग्रामीणों ने जिला कलक्टर को ज्ञापन सौंपा

- पूजा की वैकल्पिक व्यवस्था करवाने एवं मंदिर को श्री देवस्थान विभाग के अधीन करवाये जाने की मांग

कोटपूतली। कस्बे से महज 07 किमी दूर अरावली की पहाड़ियों में ग्राम सरूण्ड स्थित महाभारतकालीन ऐतिहासिक माता चिलाय/सारंग माता मंदिर में पूजारी परिवार द्वारा पूजा पाठ समेत अन्य मामलों को लेकर आ रही अनियमितताओं, मंदिर की भूमि समेत अन्य सम्पत्ति खुर्द बुर्द करने के प्रकरण में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सोमवार को जिला अभिभाषक संघ के अध्यक्ष एड. उदयसिंह तंवर व सरूण्ड माता मंदिर विकास समिति के अध्यक्ष महावीर सिंह तंवर के संयुक्त नेतृत्व में जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में ग्रामीणों ने बताया है कि महाभारतकालीन ऐतिहासिक श्री सरूण्ड माता मंदिर में अनादिकाल से पूजा पाठ हो रही हैं एवं देश व प्रदेश के विभिन्न हिस्सों के लोग आस्था रखते हैं, साथ ही पूजा पाठ के लिये भी आते हैं। वर्तमान में मंदिर की पूजा पाठ कर रहे पूजारी परिवार के सदस्य अपने ओसरे (क्रम) के लिये लड़ते रहते हैं एवं आये दिन श्रद्धालूओं के साथ दुर्व्यवहार भी करते हैं। जिससे पूजा पाठ में व्यवधान भी पैदा होता हैं। विगत 07 अगस्त को भी पूजारी परिवार के लोग आपस में लड़ने लग गये एवं श्रद्धालूओं के साथ दुर्व्यवहार किया।

मौके पर पहुंची सरूण्ड थाना पुलिस ने कुछ लोगों को शांतिभंग में गिरफ्तार भी कर लिया। जिससे नियमित पूजा नहीं हो पाई। साथ ही मंदिर की भूमि व सम्पत्ति खुर्द बुर्द करने के प्रकरण भी सामने आ रहे हैं। मंदिर में नियमित पूजा ना होने एवं आपसी विवाद के प्रकरण से ग्रामीणों व श्रद्धालूओं में भारी आक्रोष हैं एवं उनकी भावनायें भी आहत हो रही हैं। इसको लेकर ग्रामीणों ने एक स्वर में जिला कलक्टर से मंदिर को राज्य सरकार के श्री देवस्थान विभाग के अधीन किये जाने की मांग की। साथ ही समस्त प्रक्रिया पूर्ण होने तक पूजा की वैकल्पिक व्यवस्था कर सर्वसम्मति से नये पण्डित का चयन करने का भी निवेदन किया। मंदिर समिति ने कहा कि पूजारी परिवार को निष्कासित कर नये पण्डित को मासिक वेतन पर रखा जायें। इस दौरान मंदिर के रख रखाव व आय-व्यय मंदिर कमेटी के अधीन रखने, नये पण्डित द्वारा किसी भी प्रकार की पूजा सम्बंधी गड़बड़ी किये जाने पर कमेटी नया पूजारी लगाये जाने की मांग भी की। जिला कलक्टर ने कहा कि समस्त प्रकरण की जांच करवाई जायेगी। साथ ही मंदिर को श्री देवस्थान विभाग के अधीन करवाये जाने बाबत जिला प्रशासन द्वारा राज्य सरकार को प्रस्ताव भी भिजवाये जायेगें। उक्त प्रक्रिया सम्पन्न होने तक ग्रामीण स्वयं के स्तर पर मंदिर कमेटी के माध्यम से पूजारी की वैकल्पिक व्यवस्था कर दैनिक पूजा पाठ को सुचारू रखें।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने की जिला कलेक्टर के निर्देशन में कार्रवाई

किशनगढ़ बास। जिला कलेक्टर किशोर कुमार के निर्देशन में खाने की वस्तुओं में मिलावट पर अंकुश लगाने के लिए जिले में खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से निरंतर की जा रही करवाई के अन्तर्गत टीम ने भिवाढ़ी क्षेत्र में बाबा मोहन राम के तीन दिवसीय मेले में दुकानों पर बिक रहे लगभग 45 किलो मिलावटी घी जप्त कर मौके पर गंदे पानी के नाले में बहाकर नष्ट कराया और दुकानदारों को मिलावटी समान नहीं बेचने के लिए हिदायत दी गई है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी हेमंत यादव ने बताया की जिला कलेक्टर किशोर कुमार के दिशा-निर्देश में विभाग की टीम ने सोमवार को बाबा मोहन राम के तीन दिवसीय चल रहे मेले में आसपास स्थाई और अस्थाई दुकानों एवं मिठाई विक्रेताओं पर पहुंचकर मिठाई एवं घी के नमूने लिए और व्यापारियों से मिलावटी उत्पाद नहीं बेचने की अपील की।

तिरंगा यात्रा एवं विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस को लेकर बैठक का आयोजन

बैठक में तिरंगा यात्रा निकालने पर चर्चा की गयी।

पावटा। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर एवं प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देशानुसार विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड के नेतृत्व में 12 से 14 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान व तिरंगा यात्रा एवं विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस को लेकर भाजपा पावटा मंडल की बैठक जिला जयपुर उत्तर देहात जिला प्रवक्ता राजेश शर्मा की अध्यक्षता एवं जिला कोषाध्यक्ष विमल गर्ग के मुख्य आतिथ्य में पावटा सीताराम मंदिर में आयोजित हुई। बैठक में तिरंगा यात्रा निकालने पर चर्चा की गयी। बैठक में भारत के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यों को विस्तार से बताया गया। साथ ही देश के वीर सैनिकों के पराक्रम की सराहना की गयी। सभी लोगों ने एक स्वर में कहा कि हम लोग देश के प्रधानमंत्री के कार्य शैली से काफी प्रभावित हैं। इस दौरान जयपुर उत्तर देहात जिला प्रवक्ता राजेश शर्मा एवं जिला कोषाध्यक्ष विमल गर्ग ने बताया कि 12 अगस्त मंगलवार को पावटा भाजपा बालाजी मंडल व प्रागपुरा मण्डल द्वारा प्रातः 9 बजें से प्रागपुरा थाने के सामने से प्रारंभ होकर रामलीला मैदान, राजपूत मोहल्ला, प्रागपुरा सर्विस लाईन होते हुए पावटा सुभाष चौक, घण्टाघर होते हुए एस के अस्पताल तक विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जायेगा। जिसके लिए कार्यकर्ताओं को कार्यक्रम को लेकर जिम्मेदारियां सौंपा गई।

अलवर में इंस्पेक्टर राज कानून के रक्षक ही बने भक्षक तो किससे लगाए गुहार : जूली

अलवर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि अलवर में इंस्पेक्टर राज का बोलबाला है, यहां कानून के रक्षक ही अब भक्षक बन गए हैं ऐसे में आम आदमी किससे गुहार लगाए।

उन्होंने कहा कि अलवर पुलिस सिस्टम के गाल पर लगातार तमाचा मार रही है और सरकार मूकदर्शक बनकर तमाशा देख रही है।

जूली ने कहा कि अलवर पुलिस की पिटाई के बाद शहर में अमित सैनी का सुसाइड मामला अभी सुलझा भी नहीं और अलवर पुलिस की दरिंदगी का एक ओर मामला सामने आया है।

उन्होंने कहा कि नयाबास निवासी अपने ही डिपार्टमेंट के मृतक पुलिसकर्मी के चार बेटों को थाने में लाकर पुलिस ने बेरहमी से पीटा।

पुलिस की बेरहमी से की गई पिटाई से एक युवक तो इतना सहम गया कि न्याय नहीं मिलने पर आत्महत्या की चेतावनी तक दे डाली।

जूली ने अलवर पुलिस पर तंज कसते हुए कहा कि वाह री पुलिस, गजब तेरे कारनामे आमजन में विश्वास, अपराधियों में डर के स्लोगन का अर्थ ही बदल दिया अब अपराधियों में विश्वास और आमजन में डर का माहौल व्याप्त है, यह कानून का उल्लंघन ही नहीं बल्कि लोकतंत्र और मानवाधिकारों पर गहरा आघात है।

जूली बोले भारतीय जनता पार्टी के राज में वर्दी की आड़ में गुंडागर्दी का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि भक्षक शब्द सुनने में भले अटपटा लगता हो लेकिन नौकरशाही और लाल फीताशाही इतनी हावी हो गई है कि आम लोगों को न्याय मिलना मुश्किल हो गया है।

उन्होंने कहा कि एक के बाद एक ऐसी घटनाएं पुलिस का क्रूर चेहरा उजागर करती है जो कि शर्मसार कर देने वाली घटना है।

शिक्षक पर शराब पीकर आने का आरोप

छबड़ा। विद्यालय में शिक्षक ही अगर शराब पीकर सो जाये और बच्चो के साथ मारपीट करे तो ऐसे में बच्चों का भविष्य कैसे संवरेगा। ऐसा ही वाक्या प्राथमिक स्कूल जाला में सामने आया। ग्रामीणों ने एसडीएम को ज्ञापन देकर अध्यापक के विरुद्ध कार्यवाही किये जाने की मांग की।लड्डूलाल, राकेश मीणा, सरदारसिंह लोधा, घनश्याम, सुरेंद्र, भरतसिंह, मुकेश, रामभरोस, हरिभजन आदि ग्रामीणों ने एसडीएम को दिए ज्ञापन में बताया कि प्राथनिक विद्यालय जाला में कार्यरत अध्यापक सुरेन्द्र पाल सहरिया दिन में ही स्कूल समय में शराब पी लेता है तथा बच्चों को पढ़ाने की बजय सो जाता है ओर बच्चो को एक कमरे में बंद कर मारपीट करने व आग लगाने की धमकी देता है। पोषाहार सामग्री व मरम्मत के लिए रखा हुआ सीमेंट तक बाजार मे बैच दिया।

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/364
चूंकि प्रार्थी श्री ANITA MISHRA, F-64, VINAY PATH, TODARMAL MARG, BANI PARK, JAIPUR 302016, RAJASTHAN ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास विश्व सनातन धर्म महासभा ट्रस्ट F-64, VINAY PATH, TODARMAL MARG, BANI PARK, JAIPUR 302016, RAJASTHAN के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा दत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है। कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 11.06.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया। आइदा तारीख पेशी 19.08.2025
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम), देवस्थान विभाग, जयपुर

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 15/25 उत्तराधिकार
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी नाम-श्रीमती छवि दयाल पत्नि निशित दयाल जाति ब्राह्मण विवाद स्थान जयपुर।
मृतक श्रीमती स्व. आशा अग्निहोत्री व स्व. श्री राजेन्द्र प्रसाद की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 08.10.2025
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम स्व. राजेन्द्र प्रसाद अग्निहोत्री जाति ब्राह्मण निवासी 122/196 मानसरोवर जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 08 माह 10 सन् 2025 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 06 माह 08 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
आज्ञा से-शरिस्तेदार
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश संख्या-10 जयपुर महानगर प्रथम न्यायालय सांगानेर
मोहर अदालत

स्कूली बच्चों ने निकाली तिरंगा यात्रा, लगाए देश भक्ति के नारे

- नोनिहालों के हाथ में देश का भविष्य सुरक्षित- सुरेंद्र सिंह राठौड़
- उपखंड पावटा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के बच्चों ने सोमवार को हर घर तिरंगा अभियान के तहत रैली निकाली

पावटा। उपखंड पावटा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के बच्चों ने सोमवार को हर घर तिरंगा अभियान के तहत रैली निकाली। इस दौरान बच्चे हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारे लगाते हुए चल रहे थे। पूरे क्षेत्र में देशभक्ति के नारों की गूंज रही। इस दौरान पावटा तहसीलदार लोकेश मीणा, नायब तहसीलदार संजय खेडड, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी धर्मवीर जिंदोलिया, प्रधानाचार्य जयसिंह यादव पुलिस विभाग प्रागपुरा से कंवर सिंह ने तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तिरंगा रैली में विद्यालय के छात्र-छात्राओं सहित गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। तिरंगा रैली विद्यालय प्रांगण से शनि मंदिर, घंटाघर, सुभाष चौक सहित मुख्य बाजारों से होते हुए पुनः राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पावटा में आकर विसर्जित हुई।

मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी धर्मवीर जिंदोलिया ने कहा कि शासन की तरफ से हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है। स्वतंत्रता दिवस पर हर घर पर झंडा फहराया जाना है, जिसके लिए लोगों को रैली के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है। प्रधानाध्यापक जयसिंह यादव ने कहा कि बच्चों ने पूरे क्षेत्र में तिरंगा लेकर रैली निकाली है।

लोगों को देश भक्ति की भावना से जागृत किया है। इस दौरान भाजपा जिला प्रवक्ता राजेश शर्मा ने पुष्प वर्षा कर तिरंगा रैली का स्वागत किया।प्रधानाचार्य सुरेंद्र सिंह राठौड़ ने छात्र-छात्राओं के उत्साह को देखते हुए कहा कि, इन नोनिहालों के हाथ में देश का भविष्य सुरक्षित है।

तिरंगा यात्रा में स्थानीय विद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी धीरज वशिष्ठ ने संपूर्ण यात्रा मार्ग का नेतृत्व किया जिनके साथ चिरंजीलाल गुर्जर, रमेश वशिष्ठ, मुकेश कुमार रेगर, हितेंद्र सिंह, नमिता चौधरी, रवीना, माली कुमारी, सुभिता डागर समेत विद्यालय के सभी कार्मिक उपस्थित रहे।

शिक्षक ने 5 दिन की मासूम को डोनेट की एबी पॉजिटिव एसडीपी

कोटा, (निसं)। कोटा लायंस क्लब कोटा टेक्नो व टीम जीवनदाता का एसडीपी डोनेशन रक्तदान के क्षेत्र में किया जा रहा कार्य बेहद ही सराहनीय और मददगार साबित हो रहा है। लोगों को समय रहते एसडीपी और दुर्लभ ग्रुप का ब्लड मिल रहा है। लायंस क्लब कोटा टेक्नो के निदेशक व टीम जीवनदाता के संयोजक भुवनेश गुप्ता ने बताया कि 5 दिन की मासूम बच्चे बेबी ऑफ हिमांशी निजी अस्पताल में भर्ती थी, उसे एबी पॉजिटिव एसडीपी की आवश्यकता थी, पिता युवराज परेशान हो रहे थे, ऐसे में जैसे ही टीम जीवनदाता से संपर्क किया तो, उनकी समस्या का समाधान हो गया और डोनर्स के रूप में विकास माहेश्वरी को कॉल किया, वह क्लास ले रहे थे लेकिन क्लास को शीघ्र ही पूर्ण कर अपना मानवीय धर्म निभाते हुए अपना ब्लड सेंटर तलवंडी पहुंचे और उन्होंने 30वीं बार एबी पॉजीटिव एसडीपी डोनेट की है। वह इससे पूर्व 20 बार ब्लड डोनेशन कर चुके हैं, विकास माहेश्वरी का कहना है कि भारतीय संस्कृति में सेवा को सर्वोपरि स्थान दिया गया है, ऐसे में किसी के जीवन को बचाने की सेवा का माध्यम बने तो इससे बड़ा पुण्य कार्य नहीं हो सकता। यह सेवा कार्य आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

जिसमें हर उम्र के महिला, पुरूष, युवा-बच्चे भागीदार बन सकते है। इसमें रजिस्ट्रेशन के लिए नगर निगम के कमरा नं. 310 में डॉ.हेमलता गांधी से सम्पर्क कर सकते है। तिरंगा थीम पर डेकोरेटिव आइटम, हेडीक्राफ्ट, मिठाई डिश, परिधान, ड्रॉइंग, पेंटिंग, फेस पेंटिंग, रंगोली, प्लान्टर, कैरी बैग्स या कोई ऐसे सामान जो तिरंगा रंग में आकर्षक हो प्रतिभागी अपने साथ लेकर आयेगें। उक्त गतिविधियों में भाग लेने वाले प्रत्येक प्रतिभागी को प्रमाण-पत्र दिया जायेगा, साथ ही तिरंगा सजावट, स्थानीय उत्पादों का प्रदर्शन, जूट प्रोजेक्ट, तिरंगा प्रदर्शन गीत, संगीत, कविता, देशभक्ति तिरंगा थीम पर रहेगी। उक्त आयोजन पूर्व में निगम स्तर पर 12 अगस्त को निगम परिसर में किया जाना प्रस्तावित था।

प्रसूता ने तीन बच्चों को एक साथ जन्म दिया

फुलेरा। कस्बे के राजकीय उप जिला चिकित्सालय में सोमवार को एक प्रसूता ने ऑपरेशन से तीन बच्चो को एक साथ जन्म दिया। वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. महेश कढ़ेल ने बताया कि क्षेत्र के निकटवर्ती ग्राम नौरंगपुरा निवासी प्रसूति महिला सुमन पत्नी राजेन्द्र कुमार ने स्थानीय अस्पताल में ऑपरेशन से तीन बच्चो को एक साथ जन्म दिया। जिसमे दो लड़कियां एवं एक लड़का है। साथ ही आगे बताया कि तीनों पूरी तरह से स्वस्थ है।

कार्यालय ग्राम पंचायत हिम्मतपुरा, पंचायत समिति- सवाई माधोपुर जिला- सवाई माधोपुर
क्रमांक:- 07 दिनांक 06/08/2025
ई-निविदा सूचना संख्या -05/2025-26
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि महात्मा गांधी नरेगा एवं ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज विभाग की समस्त विकास योजनाओं में कार्यो के लिए निर्माण सामग्री आपूर्ति करने हेतु उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 व नियम 2013 एवं जी.एस.टी. अधिनियम 2017 के अन्तर्गत पंजीकृत विक्रेताओं/ निविदादाताओं से वार्षिक दर दिनांक 31.03.2026 तक के लिए निविदा दरें ई-प्रोक्योरमेन्ट पद्धति से द्विस्तरीय आमंत्रित की जाती है निविदा से संबंधित नियम, शर्ते व सम्बन्धी दस्तावेज इन साईट पर http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखे एवं डाउनलोड किये जा सकती है।
प्रशासक ग्राम पंचायत हिम्मतपुरा — ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत हिम्मतपुरा

संक्षिप्त

प्रवेश की अंतिम तिथि घोषित

सांभरझील। आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान ने विद्यार्थियों को स्नातक प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश हेतु अंतिम अवसर प्रदान किया है। वरीयता तथा प्रतीक्षा सूची में सम्मिलित वह विद्यार्थी जो किसी कारणवश प्रवेश शुल्क जमा नहीं करवा पाए थे वें दिनांक 14 अगस्त तक महाविद्यालय में दस्तावेज सत्यापन तथा ई मित्र पर जाकर शुल्क जमा करा सकते हैं। प्रवेश नोडल अधिकारी समीक्षा शर्मा ने बताया कि जिन छात्राओं ने ऑनलाइन आवेदन नहीं किया था वें दिनांक 18 से 23 अगस्त तक महाविद्यालय में उपस्थित होकर कॉमन एडमिशन फॉर्म द्वारा ऑफलाइन माध्यम से प्रवेश ले सकती हैं।

अस्पताल में प्रसूता ने तीन बच्चों को दिया जन्म

फुलेरा। कस्बे के राजकीय उपजिला चिकित्सालय में एक प्रसूता ने तीन बच्चों को जन्म दिया। स्टोर प्रभारी प्रवीण कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि सुमन देवी पत्नी राजेंद्र कुमार निवासी नोरंगपुरा प्रसव पीडा होने पर उसके परिजन उपजिला अस्पताल लेकर आए, जहाँ पर वरिष्ठ स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. महेश कडेल, डॉ. आदित्य राठोड ने ऑपरेशन कर प्रसव करवाया, जिसमें महिला ने तीन बच्चो को एकसाथ जन्म दिया। जिसमे दो लड़किया व एक लड़का है, तीनो पूरी तरह से स्वस्थ बताएं जा रहें हैं। गौरतलब है कि महिला के पूर्व में एक 4 वर्षीय लड़की भी है। ऑपरेशन के दौरान सहयोगी के रूप में नर्सिंग अधिकारी प्रवीण कुमार, नीतू यादव और सुमित्रा देवी मौजुद रहे।

संगीतकार आनंद कुमार का ट्रेन दुर्घटना में निधन

राजगढ़। कला एवं संगीत के कलाकार आनंद कुमार का ट्रेन दुर्घटना में निधन हो गया। उनके निधन की सूचना से राजगढ़ कस्बे के कला प्रेमियों एवं संगीत के साधकों में शोक की लहर दौड़ गई। आनंद कुमार हिसार में आयोजित धार्मिक के कार्यक्रम में भाग लेकर राजगढ़ लौट रहे थे। मृदु भाषी एवं कुशल व्यक्तित्व के धनी आनंद कुमार 48 वर्ष निवासी फतेहबुर्ज राजगढ़ हिसार में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में 31 जुलाई को गए थे। संगीतकार एवं ऑर्गन वादक आनंद कुमार 6 अगस्त की रात्रि को हिसार से राजगढ़ ट्रेन से लौट रहे थे। चरखी दादरी के पास ट्रेन से गिरने पर आनंद कुमार की दर्दनाक मौत हो गई। राजगढ़ कस्बे में युवा संगीतकार और ऑर्गन वादक आनंद कुमार के निधन की सूचना पर संगीत एवं कला प्रेमियों में शोक छा गया। अवधूत दत्ता आश्रम के महंत स्वामी अमन भारती महाराज, गायक कलाकार सुरजीत सिंह, संजय राजस्थानी, एवं अन्य संगीत प्रेमियों ने इस हादसे पर दुख व्यक्त करते अपूरणीय क्षित बताया।

पीडब्लूडी ठेकेदार मिले प्रभारी मंत्री से, सौंपा ज्ञापन

झुंझुनूं। पीडब्लू के ठेकेदारों की संवेदक संघर्ष समिति का धरना सोमवार को 47वें दिन भी जारी रहा तथा सोमवार को संघर्ष समिति के सदस्यों ने मुख्यमंत्री के झुंझुनूं आगमन पर प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत के माध्यम से ज्ञापन दिया। इस मौके पर मौजूद जनप्रतिनिधियों ने ठेकेदारों की मांग का समर्थन किया और कहा कि जल्द ही इस पर कदम उठाया जाएगा। इस मौके पर मोहरसिंह सोलाना, मोहनसिंह डोटासरा, सत्यनारायण खेड़ला, राजेश मंडीवाल, लालचंद यादव, अनिल झाझड़िया, दलबीरसिंह, इस्पाक अली खान, सुरेश रूनला, वीरेंद्रसिंह नैण, महेंद्रसिंह झाझड़िया, विजेंद्र लमोरिया, विकास कटेवा, रणवीरसिंह धायल, शैलेंद्र मान, महेंद्रसिंह चाहर, छाजू सैनी, दीपक श्योराण, महिपाल सिंह आदि उपस्थित थे।

तिरंगा कार्यक्रम मेला 14 अगस्त को

कोटा। नगर निगम कोटा दक्षिण की ओर से आजादी का अमृत महोत्सव के आयोजन की श्रृंखला में "हर घर तिरंगा', स्वच्छता अभियान और तिरंगा थीम पर रचनात्मक/कलात्मक गतिविधियों से संबंधित कार्यक्रम के अंतर्गत 14 अगस्त 2025 को जिला स्तरीय तिरंगा मेले/प्रदर्शनी का आयोजन दशहरा मैदान में किया जायेगा। हाथ से तिरंगा कपड़ा बनाने की कला की प्रदर्शनी, राजस्थान की संस्कृति से संबंधित गतिविधियां प्रदर्शित की जायेंगी।

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत हर घर तिरंगा अभियान की जिलेभर में गूंज

- अतिरिक्त जिला कलक्टर ने सरदार स्कूल से हरी झंडी दिखाकर किया तिरंगा रैली को रवाना

कोटपूतली । आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित हर घर तिरंगा अभियान जिलेभर में पूरे जोश और उत्साह से मनाया जा रहा है। राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान और जनमानस में राष्ट्रभक्ति की भावना को प्रबल करने के उद्देश्य से जिले के विद्यालयों, महाविद्यालयों, पंचायत कार्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी श्रृंखला में सोमवार को राजकीय सरदार उच्च माध्यमिक विद्यालय, कोटपूतली से मुख्य बाजार होते हुए एलबीएस कॉलेज तक करीब 600 विद्यार्थियों द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा यात्रा निकाली गई, जिसमें एनसीसी, स्काउट व गाइड सहित स्कूली छात्र-छात्रों ने हाथों में तिरंगा लेकर राष्ट्रप्रेम के नारों के साथ

एलबीएस कॉलेज तक करीब 600 विद्यार्थियों ने हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा यात्रा निकाली ।

पूरे क्षेत्र में जागरूकता फैलाई। अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान तहसीलदार रामधन गुर्जर, डीएसपी राजेन्द्र बुरड़क, जिला शिक्षा अधिकारी रामसिंह यादव सहित अधिकारीगण व आमजन उपस्थित रहे।

विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

अभियान के तहत कार्यक्रमानुसार जिले के हरसौरा, नारहेडा, भूपसेडा, ज्ञानपुरा सहित विभिन्न विद्यालयों में विद्यार्थियों द्वारा रंगोली भी बनाई गई, जो तिरंगे के रंग और प्रतीकों से सजी हुई थी तथा विविध रचनात्मक गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इन गतिविधियों में विद्यार्थियों ने तिरंगे की विविध छवियों के माध्यम से देशभक्ति की अभिव्यक्ति की और नागरिकों को जागरूक किया।

कलेक्ट्रेट में तिरंगा मेले का आयोजन : अभियान के तहत कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय तिरंगा मेले का आयोजन किया गया जहां आईसीडीएस व रजिविका समूह द्वारा विभिन्न प्रकार के तिरंगे झंडे प्रदर्शित किए गए साथ ही मेले के लगाए सेल्फी पॉइंट पर अधिकारियों सहित आमजन ने तस्वीर लेकर पोर्टल पर अपलोड की।

जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी महेंद्र सैनी ने बताया कि हर घर तिरंगा अभियान को जिलेभर में जन-आंदोलन के रूप में अपनाया गया है। सभी वर्गों के नागरिक, छात्र, शिक्षक, ग्रामीण, शहरी नागरिक इस अभियान में उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान राष्ट्रीय एकता, गौरव और सम्मान का प्रतीक बनकर उभरा है।

हरियाला कोटा अभियान का आगाज

कोटा, (निसं)। रोटरी क्लब कोटा द्वारा वर्ष पर्यन्त चलाए जा रहे प्लांटेशन ड्राइव कार्यक्रम हरियाला कोटा के तहत सोमवार को अनंतपुरा स्थित लव-कुश वाटिका में 121 पौधों का रोपण किया गया। जिसमे नीम, आम, गुलमोहर, बिल्व, अमलताश आदि भिन्न-भिन्न औषधीय, फलदार एवं छायादार प्रजाति के पौधे लगाए गऐं। अध्यक्ष मनोज सोनी ने बताया कि प्लांटेशन का कार्यक्रम वर्षपर्यंत चलता रहेगा और समय-समय पर विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण किया जाएगा। सचिव नीरज अग्रवाल ने बताया कि इस कार्यक्रम की चीफ गेस्ट ग्रीन आर्मी की चेयरपर्सन मंजू जैन रही। जिन्होंने क्लब के इस प्रोजेक्ट की सराहना की और वर्षपर्यंत इन पौधों की देखरेख करने का आश्वासन दिया। कोषाध्यक्ष उमेश गोयल ने बताया कि इस पौधारोपण कार्यक्रम में क्लब के पूर्व अध्यक्ष गिरिराज न्याति, पूर्व अध्यक्ष सुरेश चंद जैन, गोपाल मोहन शर्मा, नीरज जैन, नितिन जैन, नितिन अग्रवाल, डीके डक, दिनेश जेठवानी, डॉ.नीरल बरथुनीआ, शशांक मित्तल, मुकेश चौधरी, अनिल गोयल, दीपक भार्गव आदि सदस्य मौजूद रहे। प्रवक्ता संजय गोयल ने बताया कि इस कार्यक्रम में रजनीश मोहता, राहुल जैन, समीर सूद का विशेष सहयोग रहा।

बच्चों ने वेस्ट थीम पर बनाए क्रिएटिव पेपर बैग

कोटा, (निसं)। जेसीआई कोटा स्टार के जूनियर जैसी के बच्चों ने वेस्ट आउट ऑफ बेस्ट थीम पर क्रिएटिव पेपर बेग बनाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान बच्चों ने घर की बेकार वस्तुओं का उपयोग कर आकर्षक और उपयोगी पेपर बैग तैयार किए। जिससे पॉलीथिन के स्थान पर ईको-फ्रेंडली विकल्प अपनाने का संदेश दिया गया। आयोजित प्रतियोगिता में नव्या बंसल ने प्रथम व अध्विक गर्ग ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

योगेश मिश्रा ने कांग्रेस संगठन लिए किया विचार-विमर्श

अलवर । शहर विधानसभा क्षेत्र के मंडल अध्यक्षों की एक आवश्यक मीटिंग कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित की गई।

कांग्रेस प्रवक्ता रिपुदमन गुप्ता ने बताया कि मौजपुर हाउस पर आयोजित मीटिंग में कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने कांग्रेस संगठन और बीएलए 2 की नियुक्ति के लिये विचार-विमर्श किया। उन्होंने शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जयदीप आर्यन एवं सभी मंडल अध्यक्षों को क्षेत्र में जाकर , वरिष्ठ कांग्रेसजन, जिला एवं शहर पदाधिकारी, पार्षद, पूर्व पार्षद, पार्षद प्रत्याशी आदि से रायशुमारी करके दो दिवस में बीएलए 2 की नियुक्त करने के लिए निर्देशित किया।

मीटिंग में शहर अध्यक्ष जयदीप आर्यन, सुदर्शन अरोड़ा, मोतीलाल सैनी, संजय शुक्ला, डॉ. सूबेसिंह यादव, शोभा साहू, रिंकू जाटव, रामप्रकाश शर्मा आदि मौजूद रहे।

'हिंदू समाज को एक सूत्र में पिरोना प्राथमिकता'

सांभरझील, (निसं)। विश्व हिंदू परिषद के नवनियुक्त प्रखंड अध्यक्ष शरद कालानी का शर्मा टेंट हाउस पर गोपाल गौशाला के अध्यक्ष मुन्नालाल शर्मा, प्रखंड मंत्री सुनील शर्मा की तरफ से उनका माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि बिखरे हुए विभिन्न जातियों में हिंदू समाज को एक सूत्र में पिरोने के लिए मेरी ओर से आगामी कदम उठाए जाएंगे। हर हाल में धार्मिक जागरण करते हुए लोगों को अपने धर्म के प्रति समर्पण की भावना से काम करने की प्रेरणा जागने का काम किया जाएगा। प्रखंड अध्यक्ष कालानी ने यह भी कहा कि लव जिहाद की घटनाएं चिंताजनक है, इसको जड़ मूल से समाप्त करने के लिए जो भी प्रभावी कदम होंगे उठाए जाएंगे ताकि हिंदुओं का विघटन होने व हिंदू बेटियों के साथ हो रहे खिलवाड़ को पूरी तरह से रोका जा सके।

नारी शक्ति को और अधिक शिक्षित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए रणनीति तैयार की जाएगी। जिला अध्यक्ष पुखराज स्वामी एवं जिला मंत्री राजेश यादव का आभार जताया कि उन्होंने मुझे इस लायक समझ कर जो जिम्मेदारी दी है उस पर पूरा खरा उतरने का प्रयास किया जाएगा। प्रखंड मंत्री सुनील शर्मा ने बताया कि इसके लिए सांभर नगर सहमंत्री पवन शर्मा, नगर बजरंग दल संयोजक जॉनी चांवला, बजरंग दल सह संयोजक मनीष सांभरिया, धर्म प्रचारक प्रमुख यश सोनी, गौ रक्षा प्रमुख लकी साहू, सेवा कार्य प्रमुख उज्जवल स्वामी व विहिप टीम की तरफ से पूरा सहयोग देने हेतु निर्देशित किया गया है। इसके साथ ही सांभर नगर मातृशक्ति संयोजिका सुनीता अग्रवाल को भी अपने स्तर पर कार्य करने हेतु कहा गया है।

कलेक्टर ने तिरंगा मेला का अवलोकन कर समान खरीदकर बढ़ाया हौसला

- हर घर तिरंगा अभियान के तहत हुआ मेला व प्रदर्शनी का आयोजन, सहायता समूह ने लगे विभिन्न स्थानीय सामानों की स्टाल स्कूली बच्चों ने भी की स्टालों पर खरीदा समान
- तिरंगा मेले में स्कूली छात्रों द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के तहत बनाई गई पेंटिंग्स भी विशेष आकर्षण रहीं

खैरथल। हर घर तिरंगा अभियान के तहत पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खैरथल में स्वंयं सहायता समूहों की ओर से स्थानीय उत्पादों पर विशेष रूप से केंद्रित तिरंगा मेला व प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिला कलेक्टर किशोर कुमार सहित अधिकारियों ने मेले लगी स्वदेशी सामानो की स्टालों का

खैरथल में हर घर तिरंगा अभियान के तहत मेला एवं प्रदर्शनी का अवलोकन करते जिला कलेक्टर किशोर कुमार।

अवलोकन कर खरीदारी की ओर सहायता समूह की महिलाओं का होंसला अफजाई किया। जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने राजीविका की स्वयं सहायता समूहों द्वारा तिरंगा मेला प्रदर्शनी में लगाई गई स्टॉलो का अवलोकन करने के साथ तिरंगा प्रदर्शनी में बनाए गए सेल्फी प्वॉइंट पर सेल्फी भी ली। प्रदर्शनी में सहायता समूह की महिलाओं की ओर से लाख के चूढ़े, साबुन, मिट्टी की मूर्तियां, डिजाइनर जूतियां, जूट बैग समेत कई हस्तनिर्मित वस्तुएं प्रदर्शित की गईं। तिरंगा मेले में स्कूली छात्रों द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के तहत बनाई गई पेंटिंग्स भी विशेष आकर्षण रहीं। इस अवसर पर अवलोकन के दौरान जिला कलेक्टर किशोर कुमार के साथ उपखंड अधिकारी किशनगढ़ बास मनीष कुमार जाटव, खंड विकास अधिकारी संजय यादव, एडीओ अनिल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सोने-चांदी के आभूषण व नकदी की चोरी आरोपी को किया गिरफ्तार

- आरोपी के खिलाफ चोरी के करीबन 14 प्रकरण हैं दर्ज
- चोर सोने चांदी के आभूषण व 50 हजार रूपये की नकदी चुरा कर ले गये हैं

फुलेरा। फुलेरा थाना क्षेत्र में सोने-चांदी के आभूषण व नकदी की चोरी के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है, पुलिस चोरी हुए माल को बरामद व शेष फरार आरोपी को पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

फुलेरा थानाधिकारी चंद्रप्रकाश यादव ने बताया कि विगत 8 अगस्त को परिवादी अभय कुमार पुत्र रामदेव निवासी न्यू कोलोनी फुलेरा ने रिपोर्ट दर्ज करवायी की 1 अगस्त की मध्यरात्रि को मेरे न्यू कोलोनी फुलेरा स्थित आवास में चोरी हो गई है। जिसमें चोर सोने चांदी के आभूषण व 50 हजार रूपये की नकदी चुरा कर ले गये हैं। पुलिस ने मामला दर्ज करके अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू शिवलाल बैरवा व वृत्ताधिकारी सांभरलेक अनुपम मिश्रा के सुपरविजन में तथा फुलेरा थानाधिकारी चन्द्रप्रकाश के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया।

गठित टीम ने आसूचना संकलन व तकनीकी सहायता से अज्ञात आरोपियों का पता लगाकर आरोपी दयाराम (20) पुत्र श्योजीराम निवासी मुरलीपुरा तन कोटखावदा थाना कोटखावदा जयपुर शहर हाल निवासी मांगीलाल पुलिया के पास चाकसू थाना चाकसू को डिटेन कर पूछताछ की तो चोरी की वारदात करना स्वीकार किया, जिस पर आरोपी दयाराम को गिरफ्तार किया गया है। गौरतलब है कि आरोपी के खिलाफ पुलिस थाना चाकसू, मुहाना, कानोता व मलपुरा गैट पर चोरी के 14 प्रकरण दर्ज हैं। प्रकरण में चोरी किया गया माल सोने चांदी के आभूषण व नगदी की बरामदगी के प्रयास तथा शेष फरार आरोपी की तलाश की जा रही है। साथ ही आरोपी ने जांच के दौरान थाना फुलेरा व जयपुर शहर के कई ईलाको में चोरी की वारदात को अंजाम देना बताया है। साथ ही उन्होंने बताया कि आरोपी दिन में मकानों व अन्य स्थानों की रैकी करते हैं तथा फिर मौका पाकर मकानों में घुसकर चोरी की घटना को अंजाम देते हैं। फुलेरा थानाधिकारी चन्द्रप्रकाश के नेतृत्व में पुलिस टीम में एएसआई धूड़सिंह, कमलवीर, कांस्टेबल रामचन्द्र, सरदार, अजय कुमार शामिल रहे।

'शहर की सफाई व्यवस्था की मॉनिटरिंग अब मैनुअल के साथ-साथ तकनीकी से भी होगी'

- बैठक में कलेक्टर ने दिए अधिकारियों को निर्देश कहा आटो टिपर में लगेंगे जीपीएस,हर वार्ड का बनेगा व्हाट्सएप ग्रुप। नागरिकों से वायु स्वच्छता के लिए सुझाव भेजने की अपील की है

अलवर। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला की अध्यक्षता में सोमवार को नगर निगम के कार्यों, योजनाओं एवं साफ-सफाई व्यवस्था की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक में जिला कलक्टर ने नगर निगम के अधिकारियों के साथ आगामी तीन माह के विजन पर विस्तृत चर्चा कर धरातल पर इसकी प्रभावी क्रियान्वित कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर, यूआईटी सचिव एवं नगरीय निगम आयुक्त को अलवर शहर की साफ-सफाई व्यवस्था में और अधिक सुधार के लिए फील्ड विजिट कर प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए है साथ ही उन्होंने उपखण्ड अधिकारी अलवर को शहर में साफ-सफाई व्यवस्था, रोड लाइट आदि कार्यों की मॉनिटरिंग कर धरातल पर व्यवस्थाओं में सुधार लाने एवं उनकी रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया है। जिला कलक्टर ने नगर निगम आयुक्त को निर्देशित किया कि 50 नए ऑटो टिपरों में आगामी 15

जिला कलक्टर ने नगर निगम के अधिकारियों के साथ आगामी तीन माह के विजन पर विस्तृत चर्चा की।

दिवस में जीपीएस लगवाना सुनिश्चित करावे तथा शहर के सभी 65 वार्डो तथा शहर के मार्केट एरिया के सभी 23 वार्डवासियों से चर्चा कर समय निर्धारित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक वार्ड एवं मार्केट एरिया के लिए व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर ऑटो टिप्परों व साफ-सफाई व्यवस्था की बेहतर मॉनिटरिंग करावें, यह सुनिश्चित करें कि इन व्हाट्सएप ग्रुप में निगम के अधिकारी एवं ऑटो ड्राइवर व हैल्पर को भी जोडा जाए। उन्होंने ने निर्देशित किया कि आगामी तीन दिवसों में ऑटो टिपर ड्राइवरों, हेल्परों एवं स्वच्छता सखियों का दोपहर 12 से 2 बजे तक कचरा पृथक्करण (सेग्रीगेशन) के संबंध में गहन प्रशिक्षण करावें, ताकि कचरे का पृथक्करण सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने निर्देश दिये कि सितम्बर माह में हैल्थ कैम्प के माध्यम से सभी स्वच्छता कर्मियों, ऑटो टिपर ड्राइवरों व स्वच्छता सखियों आदि के स्वास्थ्य की जांच कराई जावे। जिला कलक्टर ने अलवर शहर वासियों से घर व प्रतिष्ठान से ही कचरा पृथक्करण करने एवं ऑटो टिपरों में गीले व सूखे कचरे को अलग-अलग कर डालने की अपील की है। उन्होंने निर्देश दिए कि 31 अगस्त तक 50 सार्वजनिक स्थानों पर गीले व सूखे कचरे को अलग-अलग करने हेतु ब्लू व ग्रीन कचरा पात्र लगवाना सुनिश्चित करें।

तिरंगे के सम्मान में आयोजित हुए अनेक कार्यक्रम

अलवर। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला के निर्देशन में जिले में आयोजित किया जा रहा 'हर घर तिरंगा अभियान' जिला मुख्यालय से लेकर गांव-गांव तक जन-जन का अभियान बन गया है। अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रमों एवं गतिविधियों में जनप्रतिनिधिगण, विद्यार्थी, सरकारी व गैर सरकारी संस्थाएं, सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाएं तथा सम्पूर्ण जिलेवासी उत्साह के साथ बढचढकर भाग लेकर देशप्रेम का संदेश दे रहे हैं। आंगनबाडियों में शपथ कार्यक्रम का आयोजन कराया गया जिसमें बडी संख्या में पर्यटकों, विद्यार्थियों एवं आमजन ने देशभक्ति का संदेश दिया। नगर निगम द्वारा अलवर शहर के कम्पनी गार्डन आदि स्थानों पर साफ-सफाई गई तथा जिला, उपखण्ड व ग्राम स्तर के सार्वजनिक स्थानों, जल संरचनाओं, जल और सेनिटेशन सूचनाएं,सीएससी, आरआरसी व अन्य परिसम्पत्तियों की सुरक्षा, श्रमदान ग्राम के रास्तों व सार्वजनिक स्थानों एवं प्लास्टिक वेस्ट कलेक्शन तथा इसके प्रबंधन संबंधी कार्य जैसी विभिन्न गतिविधियां आयोजित कराई गई।

सार-समाचार

बालक की हत्या का सात दिवस में पर्दाफाश, आरोपी गिरफ्तार

बौंली- बामनवास। क्षेत्र के बाटोदा थाना अंतर्गत जीवद गांव में 3 अगस्त को एक 6 वर्षीय बालक की हुई निर्मम हत्या के मामले में बाटोदा पुलिस ने 7 दिवस में हत्या का पर्दाफाश कर आरोपी नरेंद्र उर्फ रामकिशोर मीणा निवासी जीवद को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। बाटोदा थाना प्रभारी यशपाल सिंह ने बताया कि एक युवक द्वारा 3 अगस्त को थाने में मामला दर्ज कर बताया गया था कि मेरी पत्नी को दिखाने में सपोटरा गया हुआ था 4 बजे घर आया तो मेरा 6 वर्षीय बालक नहीं मिला तलाश करने पर बालक का शव पास के तालाब के पास दूसरे दिवस 4 अगस्त को मिला। मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश सवाई माधोपुर के नेतृत्व में बामनवास वृताधिकारी सीताराम मीणा, बाटोदा थाना प्रभारी यशपाल सिंह, रीडर कॉन्स्टेबल विजेंद्र सिंह, कांस्टेबल धर्मवीर सिंह, रामवीर सिंह व भजनलाल की विशेष टीम गठित कर अनुसंधान शुरू किया गया। पुलिस ने संसाधन व तकनीकी आधार पर जीवद गांव के नरेंद्र उर्फ रामकिशोर मीना को पकड़ा गया जिसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि वह गुदा मेथून का आदी है, 3 अगस्त को बालक को अकेला देखकर चॉकलेट देने के बहाने तालाब के पास ले गया एवं पेड़ पौधे की आड़ में कुकर्म करने लगा, बालक के चिल्लाने पर डर के मारे उसे तालाब में फेंक दिया। पुलिस ने आरोपी नरेंद्र उर्फ राम किशोर मीणा को निवासी जीवद को गिरफ्तार कर धारा 137 (2)103(1) बीएनएस एवंपोक्सो एक्ट में मामला दर्ज किया है।

टोल पर हो रही अवैध वसूली

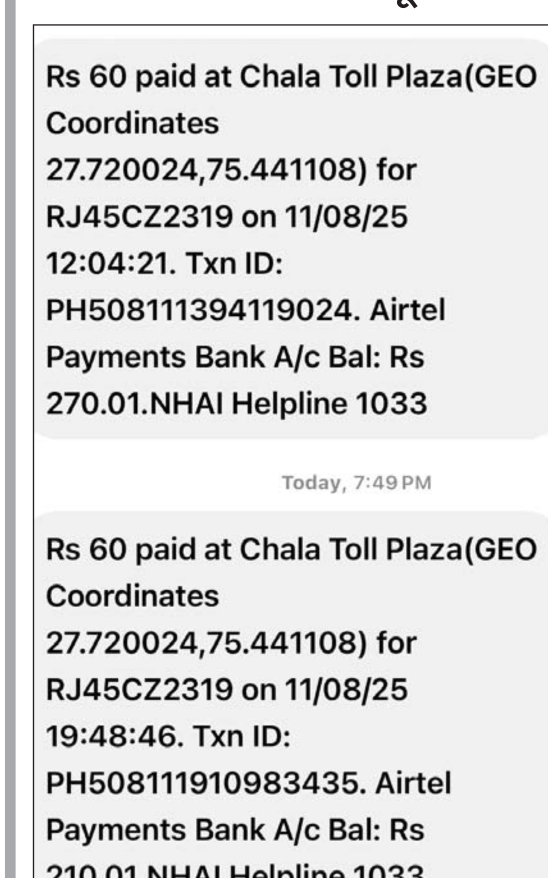

Rs 60 paid at Chala Toll Plaza(GEO Coordinates 27.720024,75.441108) for RJ45CZ2319 on 11/08/25 12:04:21. Txn ID: PH508111394119024. Airtel Payments Bank A/c Bal: Rs 270.01.NHAI Helpline 1033

Today, 7:49 PM

Rs 60 paid at Chala Toll Plaza(GEO Coordinates 27.720024,75.441108) for RJ45CZ2319 on 11/08/25 19:48:46. Txn ID: PH508111910983435. Airtel Payments Bank A/c Bal: Rs 210.01.NHAI Helpline 1033

जयपुर। आरएसआरडीसी के टोल पर फास्टैग के ज़रिए कलेक्शन में जबरदस्त खेल, नियमानुसार 24 घण्टे में रिटर्न यात्रा पर छूट का प्रावधान, लेकिन चला टोल पर काट रहे पूरे पैसे, मात्र 7:30 घण्टे बाद रिटर्न यात्रा पर काट लिया पूरा टोल, यात्रियों से इस अवैध वसूली पर क्या आरएसआरडीसी लेगा कोई एक्शन?

ठेका न देने की मांग दिया ज्ञापन

नैनवा। दुगारी चारागाह विकास समिति ने चारागाह प्लांटेशन भूमि को प्रशासन द्वारा ठेकेदारो को ठेका न देने की मांग को लेकर ज्ञापन दिया।ज्ञापन के माध्यम से बताया कि ग्राम दुगारी पंचायत में करीब 1720 बीघा चारागाह भूमि व प्लान्टेशन भूमि है जिसे भू-जल संरक्षण एवं चारागाह विकास समिति द्वारा प्लान्टेशन का काम जलग्रहण विभाग द्वारा महात्मा गांधी नरेगा योजना में 11000-12000 फलदार पोधे (एप्पल बेर मोसमी अनार व अमरूद) लगाये गये थें बाकी चारागाह भूमि की देखरेख चारागाह विकास समिति कर रही है। किन्तु अभी चारागाह विकास समिति दुगारी के पदाधिकारियो एवं ग्रामवासियों को यह पता चला है कि वर्तमान प्रशासन मनमानी करके मनपंसद ठेकेदार को ठेका देकर ग्राम पंचायत दुगारी की चारागाह भूमि विकास समिति के पदाधिकारी की उपेक्षा कर अन्य ठेकेदार को ठेका देना चाहते है यदि ऐसा किया गया तो ग्राम पंचायत दुगारी की चारागाह भूमि के संबंध में चारागाह विकास समिति जो जिला कलेक्टर महोदय द्वारा बनाई गई है उसकी उपेक्षा होगी। इसलिए उक्त चारागाह भूमि व प्लान्टेशन को अन्य ठेकेदार को ठेके पर नहीं देकर वर्तमान विभाग के अधीन ही संचालित रखा जावें।अत:प्लानटेशन के नाम पर किसी अन्य ठेकेदार को ठेका देने से रोका जावें ।इस अवसर पर अध्यक्ष मनराज मीणा सहित कई ग्रामीण व विकास समिति के सदस्य मौजूद रहे।

र्मयोगी सेवा संस्थान पर स्थापित की 7 फीट की भारत माता की प्रतिमा

कोटा, (निसं)। कर्मयोगी सेवा संस्थान के नयापुरा रोड़वेज बस स्टैंड के कॉर्नर और रिवर फ्रंट के प्रवेश द्वार के करीब स्थित मुख्यालय 'भारत भवन' के प्रथम तल पर भारतमाता की प्रतिमा की स्थापना की गई है। संस्थापक राजाराम जैन कर्मयोगी रावण सरकार ने बताया कि प्रतिमा को अलवर के कारीगरों द्वारा तैयार किया गया है। इसे 5 टन वजनी पत्थर को तराश कर बनाया गया है। 7 फीट ऊंची और 4 फुट चौड़ी प्रतिमा की मोटाई 2 फुट है। प्रतिमा के अलवर से कोटा पहुंचने पर हैवी क्रेन से उठाकर स्थापित किया गया। उन्होंने बताया कि दो शेरों के साथ एक हाथ में राष्ट्रीय ध्वज व एक हाथ में कोहिनूर लिए भारतमाता की देश की पहली प्रतिमा है। जो 'अब बनेगा भारत कोहिनूर' का संदेश देते हुए प्रतीत हो रही है। भारतमाता के साथ ही भारत रत्न मिसाइल मैन पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम, भारत रत्न स्वर कोकिला स्वर्गीय लता मंगेशकर, भारत रत्न समाजसेविका मदर टेरेसा, खेल जगत के भगवान भारतरत्न सचिन तेंदुलकर की 18 इंची लगभग 50 किलोग्राम वजनी 4 प्रतिमाएं भी स्थापित की जा रही हैं। प्रतिमाओं का अनावरण 15 अगस्त की पूर्व संध्या 14 अगस्त को शाम 5.30 बजे होगा। मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री शांति कुमार धारीवाल होंगे। अति-विशिष्ट अतिथि श्री मौजी बाबा पावन धाम आश्रम की महामंडलेश्वर डॉ.हेमा सरस्वती महाराज, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अग्रवाल समाज राजस्थान समाजसेवी गोविंद नारायण अग्रवाल होंगे।

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में हुई विभिन्न प्रतियोगिताएं

चिड़ावा। बागर स्थित सेंट विवेकानंद पब्लिक सैकंडरी स्कूल में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें प्रबंध निदेशक प्रणय गुप्ता ने बताया कि कक्षा चार के विद्यार्थियों के लिए कविता पाठ प्रतियोगिता व कक्षा एक, दो, तीन के विद्यार्थियों के लिए देश भक्ति फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कक्षा चार से कविता पाठ प्रतियोगिता में पार्थ व रियांशी ने प्रथम नंदिनी व जया ने द्वितीय यशिका जतिन व अथर्व ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

हमारी टीम मिथक तोड़कर अगले महीने शुरू हो रहे वनडे महिला विश्व कप में आईसीसी ट्रॉफी का सूखा खत्म करने के प्रतिबद्ध है।
– हरमनप्रीत सिंह

भारतीय महिला टीम की कप्तान, आगामी महिला विश्वकप को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

बोधना शिवानंदन

भारतीय मूल की ब्रिटिश नागरिक बोधना शिवानंदन ग्रैंडमास्टर पीटर वेल्स को हराने वाली सबसे कम उम्र की महिला खिलाड़ी बन गयी है। इंग्लिश शतरंज महासंघ (ईसीएफ) द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, हैरो की इस 10 वर्षीय खिलाडी ने रविवार को लिवरपूल में 2025 ब्रिटिश शतरंज चैंपियनशिप के अंतिम दौर में 60 वर्षीय ग्रैंडमास्टर पीटर वेल्स को हराकर जीत हासिल की। 10 साल, पांच महीने और तीन दिन की उम्र में शिवानंदन की यह जीत अमेरिकी कैरिसा यिप के 2019 के रिकॉर्ड को तोड़ती है, जो आगे चलकर अंतरराष्ट्रीय मास्टर बनीं।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने सीरीज में कुल 3,809 रन बनाए, जो 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में किसी भी टीम द्वारा बनाया गया अब तक का सबसे ज्यादा स्कोर है।

2025 वनडे वर्ल्ड कप टूर्नामेंट का आगाज 30 सितंबर से होगा, मुकाबले भारत और श्रीलंका के कुल 5 मैदानों में खेले जाएंगे

मुंबई, 11 अगस्त। आगामी महिला वनडे वर्ल्ड कप के 13वें सीजन का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। टूर्नामेंट का आगाज 30 सितंबर से होगा, मुकाबले भारत और श्रीलंका के कुल 5 मैदानों में खेले जाएंगे। वर्ल्ड कप का पहला मैच 30 सितंबर को भारत और श्रीलंका के बीच खेला जाएगा। वर्ल्ड कप में कुल 31 मैच खेले जाएंगे, जिमें 28 मुकाबले लीग स्टेज में खेले जाएंगे। घरेलू कंडीशन में खेल रही टीम इंडिया के पास ये वर्ल्ड कप जीतने का सुनहरा मौका होगा।

टीम इंडिया 30 सितंबर को अपने अभियान की शुरुआत श्रीलंका के साथ मैच से करेगी। दूसरा मैच 5 अक्तूबर को पाकिस्तान और उसके बाद तीसरी भिड़ंत 9 अक्तूबर को साउथ अफ्रीका के साथ होगी। 12 अक्तूबर को भारत-पाकिस्तान मैच देखने लायक होगा। वहीं 19 अक्तूबर को उसे इंग्लैंड से भिड़ना होगा। भारत और

न्यूजीलैंड मैच 23 अक्तूबर और टीम इंडिया का आखिरी लीग मैच 26 अक्तूबर को बांग्लादेश के साथ होगा।

30 सितंबर– भारत बनाम श्रीलंका,
5 अक्टूबर– भारत बनाम पाकिस्तान,
9 अक्टूबर– भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका
12 अक्टूबर– भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया
19अक्टूबर– भारत बनाम इंग्लैंड
23 अक्टूबर– भारत नाम न्यूजीलैंड
26 अक्टूबर– भारत बनाम बांग्लादेश

इसके अलावा सेमीफाइनल मैचों का शेड्यूल सेमीफाइनलिस्ट टीमों के आधार पर होगा। पहला सेमीफाइनल गुवाहाटी या कोलंबो में खेला जाएगा। वहीं दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला बेंगलुरु स्थित एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगा। फाइनल के लिए भी अभी वेन्यू तय नहीं है क्योंकि बेंगलुरु या कोलंबो में से किसी एक शहर में खिताबी भिड़ंत होगी। वहीं भारत की महिला क्रिकेट टीम अब तक वनडे वर्ल्ड कप ट्रॉफी नहीं जीत पाई है। 1973 से लेकर अब तक कुल 12 बार महिला वनडे क्रिकेट वर्ल्ड कप खेला जा चुका है। जहां भारतीय महिला टीम महज 2 बार ही फाइनल तक पहुंची है। टीम इंडिया 2005 और 2017 में फाइनल में पहुंची थी।

वर्ल्ड कप 2025 से पहले भारतीय महिला टीम को युवराज सिंह की सलाह

मुंबई, 11 अगस्त। टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने आईसीसी विमेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 से पहले भारतीय महिला क्रिकेट टीम को एक बड़ी सलाह दी है। 50 डेज टू गो इवेंट के दौरान युवराज सिंह ने कहा कि घरेलू परिस्थितियों में वर्ल्ड कप खेलने के अपने फायदे हैं, जिसका लाभ भारतीय टीम को उठान चाहिए। वर्ल्ड कप 2025 भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेला जाना है। घरेलू मैदान पर विश्व कप खेलने के अपने विशेष अनुभव के बारे में बताते हुए युवराज सिंह ने कहा कि ये मौका अहम तो है लेकिन सफलता की कुंजी टीम के अपनी प्रक्रियाओं पर अडिग रहने में निहित है। मुंबई में आयोजित आईसीसी के 50 डेज टू गो इवेंट में युवराज ने कहा कि, मुझे लगता है कि 50 ओवरों का विश्व कप ही वर्ल्ड कप है। ये भारत में हो रहा है और मुझे लगता है कि सभी को इसके लिए उत्साहित होना चाहिए। मेरा मानना है कि ये पल आपके जीवन में बार-बार नहीं आते।

लोकसभा में राष्ट्रीय खेल शासन विधेयक ध्वनि मत से पारित

नयी दिल्ली, 11 अगस्त। लोकसभा ने देश में वैश्विक स्तर का खेल ढांचा तैयार करने, खेल प्रशासन को अधिक जवाबदेह तथा पारदर्शी बनाने और प्रतिभाओं को आसानी से सामने लाने के मकसद से तैयार राष्ट्रीय खेल शासन विधेयक 2025 और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक 2025 को सोमवार को ध्वनि मत से पारित कर दिया। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने विधेयक को सदन में पारित कराने के लिए पेश करते हुए कहा कि सरकार ने देश में खेलों को बढावा देने के लिए 'खेलो इंडिया' जैसे कार्यक्रम शुरु किये हैं जिसके कारण देश के कोने कोने से खेल प्रतिभाएं सामने आ रही हैं और वैश्विक स्तर पर अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेर रही है। इस समय देश के विभिन्न हिस्सों में एक हजार से ज्यादा खेलो इंडिया खेल चल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को अच्छा कोच मिले, खेलने के देश और विदेश में अवसर मिले और रोजगार सुलभ कराया जा सके, उन्होंने कहा कि खेल फेडरेशन में महिला अधिकारी को खेल प्रतिभाओं को सामने लाने तथा महिला खिलाड़ियों को निडर होकर आगे बढने के लिए यह विधेयक महत्वपूर्ण है। विधेयक तैयार करने में एक साल से ज्यादा का वक्त लगा और सार्वजनिक रूप से इसमें 1000 लोगों की सलाह आयी है जिस पर विधेयक को अंतिम रूप् देने से पहले विचार किया गया। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक, 2025 में विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी के सुझावों के मुताबिक संशोधन किए गए हैं। इस विधेयक का मकसद एथलीटों की तैयारी को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार कर प्रतियोगिताओं की निष्पक्षता को मजबूत करना है।

मांडविय ने इसके साथ ही सदस्यों से राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक, 2025 को भी पारित करने का अनुरोध किया और कहा कि विधेयक में वाडा यानी विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी के सुझावों के मुताबिक संशोधन किए गए हैं। इसका उद्देश्य एथलीटों की तैयारी को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाना और प्रतियोगिताओं की निष्पक्षता को मजबूत करना है। मांडविया ने कहा कि भारत जैसे बड़े देश का ओलंपिक और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शन अब तक संतोषजनक नहीं रहा है, जबकि तैयारी का स्तर उत्कृष्टता के उच्चतम मानकों के अनुसार होना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि ये विधेयक भारतीय खेलों में संरचना, पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धात्मकता को नयी ऊंचाई देंगे।

सीकर जिला कॉर्फबॉल के चुनाव सम्पन्न

सीकर, 11 अगस्त। जिला कॉर्फ बाल संगम सीकर के चुनाव दिनांक 10 अगस्त 2025 को होटल पारीक पॅलेस सीकर में चुनाव अधिकारी ईश्वर सिंह (पूर्व जिला खेल अधिकारी सीकर)

राज्य संघ कोषाध्यक्ष कॉर्फ बाल) के सचिव परसराम शर्मा, जिला खेल अधिकारी प्रकाश गोदारा, जिला ओलंपिक संघ के जगदीश फौजी की देखरेख में निर्विरोध सम्पन्न हुए।

निर्वाचित कार्यकारिणी निम्नानुसार है।

अध्यक्ष, बसन्त कुमार कुमावत, चैयरमैन श्रवण कुमार नेहरा, उपाध्यक्ष गुरुचरण पूनिया, मुश्ताक अहमद मोहमद शाहिद, कानाराम जाट, सचिव मोहम्मद अमीन लहरा, संयुक्त सचिव मुकेश खेदड़, शफीक गौड़, सुमन कंवर, तौसीफ अहमद, कोषाध्यक्ष अविनाश खेतान। कार्यकारिणी के सदस्य लियाकत अली, इकबाल इसैन खान, मो. असलम खान, आरेफा बानो, मो रफीक, जी.एम. मुगल, तौसीफ अहमद।चुनाव प्रक्रिया के बाद नव-नियुक्त अध्यक्ष वसन्त कुमार कुमावत ने कहा कि कॉर्नबॉल खेल के विकास में किसी भी प्रकार की कमी नहीं होने देगें, आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता सीकर जिले में आयोजित करवाई जाएगी।

सीएसके बताये आगामी आईपीएल में क्या भूमिका होगी ? : अश्विन

चेन्नई 11 अगस्त। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के ऑलराउंडर आर अश्विन ने अपनी टीम से पूछा है कि आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में उनकी भूमिका क्या होगी। उन्होंने फ्रैंचाइजी से कहा है कि अगर वह टीम की योजनाओं में फिट नहीं बैठते तो उन्हें टीम से अलग होने में कोई आपत्ति नहीं है।

खिलाड़ियों को रिलीज करने की अंतिम तारीख आमतौर पर इस बात पर निर्भर करती है कि उस साल की नीलामी कब है। यह आईपीएल 2026 के लिए अभी तय नहीं हुआ है। बड़ी नीलामी हर तीन साल में होती है, लेकिन छोटी नीलामी हर साल होती है। यह आमतौर पर नवंबर

से फरवरी के बीच कभी भी हो सकती है। अगर किसी खिलाड़ी का ट्रेड होना हो तो यह नीलामी से एक हफ्ते पहले तक हो सकता है। अश्विन आईपीएल में पांचवें सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने सीएसके से शुरुआत की थी और इसके बाद वह राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स, किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स), दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के लिए खेले। वह फिर 2025 में सीएसके में लौटे।

सीएसके को अभी और भी बड़े फैसले लेने हैं, जिसमें कप्तानी का मामला भी शामिल है। पिछले सीज़न जब नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ चोटिल होकर बाहर हो गए थे, तब महेंद्र सिंह धोनी ने कमान संभाली थी। फ्रैंचाइजी हमेशा धोनी के ट्रेनिंग शुरू करने के बाद साल के अंत तक उनकी उपलब्धता के फैसले का इंतजार करती है। पिछले वर्ष सीएसके ने धोनी के मौजूद होने के बावजूद गायकवाड़ को कप्तान बनाया था और अगले साल भी ऐसा ही होना चाहिए, चाहे धोनी खेलना जारी रखें।

जयपुर जिला शतरंज संघ के चुनाव सम्पन्न

जयपुर, 11 अगस्त। जयपुर जिला शतरंज संघ के चुनाव यूथ हॉस्टल जयपुर में आयोजित किए गए। इस चुनाव में जयपुर जिला शतरंज संघ की नई टीम का गठन किया गया। निर्वाचित पैनल इस प्रकार

है- आशा भार्गव अध्यक्ष, जयेन्द्र चतुवेर्दी सचिव, मधु मेहता कोषाध्यक्ष, विक्रम सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष, डॉ. ललित भराड़िया (एनईओ क्लिनिक) उपाध्यक्ष, आर.के. भाड़ा पांचाल उपाध्यक्ष, कनक भार्गव उपाध्यक्ष, अशोक चोमल उपाध्यक्ष, अब्दुल कादिर गुड्डु संयुक्त सचिव, अमरीश जोशी संयुक्त सचिव, के एल यादव संयुक्त सचिव, नितुल खरे संयुक्त सचिव, संकल्प विजय संयुक्त सचिव, तरूण शर्मा संयुक्त सचिव। पूर्व सचिव अशोक भार्गव, पूर्व अध्यक्ष रघु शर्मा और आरसीए के समस्त पदाधिकारियों ने निर्वाचित निकाय को बधाई दी और वर्तमान संस्था द्वारा किए गए अच्छे कार्यों को जारी रखने की सलाह दी। उन्होंने यह भी कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि जल्द ही नई ऊँचाइयों को छुआ जाएगा और अधिक से अधिक टूर्नामेंट आयोजित किए जाएँगे।

जयपुर, राजस्थान शतरंज में हो रही शैक्षिणक बोर्ड आधारित भागीदारी की असमानता पर सवाल

जयपुर, 11 अगस्त। अभिभावक एवं मीडिया प्रभारी, चेस पेरेंट्स एसोसिएशन राजस्थान, जिनेश कुमार जैन ने बताया कि शतरंज के क्षेत्र में हो रहे विभिन्न स्कूल टूर्नामेंट्स में छात्रों को बराबर अवसर मिलना चाहिए, लेकिन यह देखकर अत्यंत खेद होता है कि सीबीएसई स्कूलों द्वारा आयोजित शतरंज टूर्नामेंट्स में आरबीएसई (राजस्थान बोर्ड) के छात्रों को भाग नहीं लेने दिया जाता, जबकि आरबीएसई द्वारा आयोजित टूर्नामेंट्स में सीबीएसई स्कूलों के छात्र सहजता से भाग लेते हैं। यह स्थिति स्पष्ट रूप से भेदभावपूर्ण है और "खेलों में समानता" की भावना के विरुद्ध है। इस विषय पर संबंधित खेल संगठनों, शैक्षिणक बोड्र्स और आयोजकों से निवेदन करता हूँ कि इस विषय पर गंभीरतापूर्वक विचार करें और न्यायसंगत नीति लागू करें, ताकि हर छात्र को समान अवसर मिल सके और शतरंज का समग्र विकास सुनिश्चित हो।

सीएसके के दिग्गज ने खुद दिया जवाब
आईपीएल 2026 में धोनी खेलेंगे या नहीं?

नई दिल्ली, 11 अगस्त। आईपीएल 2026 में एमएस धोनी खेलेंगे या नहीं ये सवाल हर किसी के मन में है। आईपीएल के अगले सीजन में अभी भी काफी समय बाकी है, लेकिन ये सवाल हर किसी के दिमाग में चल रहा है कि, धोनी सीएसके के लिए एक और सीजन खेलेंगे? हर कोई जानता है कि धोनी घुटने

के दर्द से परेशान हैं, जहां आईपीएल 2025 के बाद भी वह घुटने के दर्द की वजह से कई बार परेशान दिखे। 2025 सीजन में सीएसके ने अंक तालिका के सबसे निचले पायदान पर रहते हुए अपना सफर समाप्त किया था, लेकिन फैंस धोन को एक बार फिर खेलते हुए देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि उनके पास बहुत समयहै ये सोचने के लिए कि, वह आईपीएल 2026 में खेलेंगे या नहीं। होस्ट से बातचीत करते हुए धोनी ने कहा कि, मुझे नहीं पता कि मैं खेलूंगा या नहीं। मेरे पास सोचने के लिए अभी बहुत समय है। दिसंबरतक मेरे पास कुछ समय बाकी है तो मैं कुछ महीनों में सोचूगा और फिर आखिरी फैसला लूंगा।

करेन खाचानोव ने अपने करियर की 200वीं जीत दर्ज की

ओहायो (अमेरिका), 11 अगस्त। रूस के करेन खाचानोव ने सोमवार को सिनसिनाटी ओपन के शुरुआती मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करे हुए फ्रांस के वैलेंटिन रॉयर को सीधे सेटों में हराया। यह उनके हार्ड कोर्ट करियर की 200वीं जीत है। आज यहां खाचानोव ने फ्रांसीसी क्वाली फायर वैलेंटिन रॉयर को रोमांचक मुकाबले में 6-4, 7-6 (6) से हराया।

रॉयल राजस्थान फाउंडेशन ने अपनी फ्लैगशिप पिंक प्रॉमिस पहल 260 ग्रामीण घरों का सौर विद्युतीकरण पूरा किया

जयपुर, 11 अगस्त। राजस्थान रॉयल्स की सामाजिक इक्विटी शाखा रॉयल राजस्थान फाउंडेशन ने अपनी प्रमुख पहल पिंक प्रॉमिस के हिस्से के रूप में चार सौर इंजीनियरों का प्रशिक्षण और 260 घरों का सौर विद्युतीकरण पूरा कर लिया है। पिंक प्रॉमिस पहल 6 अप्रैल, 2024 को एक ऐतिहासिक आईपीएल मैच के दौरान शुरू की गई थी, जहाँ राजस्थान रॉयल्स ने पहली बार पिंक प्रॉमिस मैच की मेजबानी की थी।

राज्य स्तरीय सीनियर वीमेन 20 प्रतियोगिता का शुभारम्भ
प्रतियोगिता के उद्घाटन मैच के अवसर पर आरसीए एडहॉक संयोजक डी.डी. कुमावत रहे मौजूद

जयपुर 11 अगस्त , आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 -26 की सीनियर महिला क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान सीनियर महिला टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए द्वारा आज से जयपुर व उदयपुर जिला केंद्र पर राज्य स्तरीय सीनियर महिला 20 प्रतियोगिता का आयोजन शुरू हुआ ,

आज आरसीए अकादमी पर खेल जाने वाले प्रतियोगिता के उद्घाटन मैच के अवसर पर आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत ने दोनों टीमों के खिलाडियों के साथ मुलाकात की व टॉस कराकर प्रतियोगिता का विधिवत शुभारम्भ किया।

पहले दिन खेल जाने वाले मैच :-

आरसीए अकादमी :- पहला मैच, उदयपुर - करौली (उदयपुर 10 विकेट से जीती)

करौली पारी 67/5, टीम के लिए पालक 16 व सरगम 16 रन, उदयपुर की गेंदबाज ऋतु व अल्पना प्रत्येक 2-2 विकेटउदयपुर पारी 68/0, टीम के लिए प्रियांशीनाबाद 32 नताशा नाबाद 22

दूसरा मैच बाड़मेर - जैसलमेर (बाड़मेर 54 रनो से जीती), बाड़मेर पारी 174/2, टीम के लिए सिमरन 77 व तनीषा 39, जैसलमेर की गेंदबाज हर्षिता 22/2, जैसलमेर पारी 120/5, टीम के लिए ममता 18, बाड़मेर के गेंदबाज करिश्मा व गंगा प्रत्येक 1-1 विकेट।

जयपुरिया ग्राउंड- अजमेर - सवाई माधोपुर, अजमेर 64 रन से जीती, अजमेर पारी 130/6, टीम के लिए दीक्षा 36, स्नेहा 26, सवाईमाधोपुर की गेंदबाज पूनम 23/2, सवाई माधोपुर पारी 66/9, टीम के लिए पूजा 24, अजमेर की गेंदबाज कृति शर्मा 20/3 व वध्या 13/2

बीकानेर - झालावाड़ (बीकानेर 109 रन से जीती, बीकानेर पारी 211/8, टीम के लिए किलम 43 व कंचन 42, झालावाड़ की गेंदबाज टीना, इरम व पद्मिनी प्रत्येक 2-2 विकेट, झालावाड़ पारी 102 आल आउट, टीम के लिए डॉल्वी 30, बीकानेर की गेंदबाज पर्ल व किलमप्रत्येक 3 - 3 विकेट।

नारायणा ग्राउंड- पाली - चूरू (चूरू 7 विकेट से जीती), पाली पारी 75 आल आउट, टीम के लिए उषा 33 व औली 31, चूरू की गेंदबाज अयाना7/5 व कृतिका 19/3, चूरू पारी 76 /6, टीम के लिए सायना 20

हनुमागढ़ - टोंक (हुमानगढ 3 रन से जीती), हनुमानगढ़ पारी 127/7, टीम के लिए आरजू 75, टोंक की गेंदबाज संजना 20/3, टोंक पारी 124/5, टीम के लिए मेधावी 42 व मनीषा शर्मा 20, हनुमानगढ़ की गेंदबाज मंजू , आरजू प्रत्येक 1-1 विकेट।

संस्कार ग्राउंड- जयपुर - डूंगरपुर (जयपुर 10 विकेट से जीती), डूंगरपुर पारी 32/9, जयपुर की गेंदबाज संजू 6/2, जयपुर पारी 33/0, टीम के लिए अर्चना नाबाद 16, श्रेया जोशी नाबाद 10 रन।

श्रीगंगानगर - भरतपुर (श्रीगंगानगर 7 विकेट से जीती), भरतपुर पारी 51 आल आउट टीम के लिए ख़ुशी 22 रन, श्रीगंगानगर की गेंदबाज पिंकी 6/3 , मनमीत व वंदना 2-2 विकेट, श्रीगंगानगर पारी 52/3, टीम के लिए राजवीर कौर 17 रन।

अनंतम ग्राउंड- सीकर - सिरोही (सीकर 10 विकेट से जीती), सिरोही पारी 4 आल आउट, सीकर की गेंदबाज भूमिका जांगिड़ 2/6 व प्रीत 1/3 विकेट, सीकर पारी 5/0।

नागौर - बारां (नागौर 10 विकेट जीती), बारां पारी 50 / 9, टीम के लिए प्रीती 16 रन, नागौर की गेंदबाज सीमा 9/2 सुमल 11/2, नागौर पारी 54/0, टीम के लिए कृतिका नाबाद 23 व हेमलता नाबाद 22 रन।

सोनी स्टेडियम- चित्तौड़गढ़ - बांसवाड़ा (चित्तोड़ 102 रन से जीती), चित्तौड़गढ़ पारी 172/3, टीम के लिए सुमित्रा जाट 102 व अनीता 50 रन, बांसवाड़ा पारी 70/5, टीम के लिए आसिफा 33, चित्तौड़गढ़ की गेंदबाज नायला 13/2।

भीलवाड़ा - अलवर (भीलवाड़ा 33 रनो से जीती), भीलवाड़ा पारी 91/8, टीम के लिए चंद्र 28 व शानू 20 रन, अलवर की गेंदबाज निशिता 7/2, अलवर पारी 58/8, टीम के लिए निशिता10, भीलवाड़ा की गेंदबाज चानू 6/4 व शानू 4/2 विकेट।

झुंझनू - दौसा (झुंझनू 9 रन से जीती), झुंझनू पारी- 109/7, टीम के लिए बबिता68 रन, दौसा की गेंदबाज तनिका शर्मा 17/2, दौसा पारी 100/9, टीम के लिए तनिका 24 व भूमिका 12 रन, झुंझनू की गेंदबाज ज्योति 16/3 व कंचन 15/2 विकेट।

कोटा - जालोर (कोटा 113 रन से जीती), कोटा पारी 184/ 5, टीम के लिए आयुषी 46 व प्रतीक्षा 38 रन, जालोर की गेंदबाज कौशल्या 18 /2, जालोर पारी 71 आल आउट, टीम के लिए कौशल्या 46, कोटा की गेंदबाज अनुष्का 19 /3 व माहिरा 2 विकेट। उदयपुर के शिकार बाड़ी ग्राउंड पर खेल जाने वाले मैच।

जोधपुर - प्रतापगढ़ (जोधपुर 80 रन से जीती), जोधपुर पारी 157 /2, टीम के लिए प्रियंका 69 व धृति 55 रन, प्रतापगढ़ पारी 77 आल आउट, टीम के लिए आरुषि 14 रन, जोधपुर की गेंदबाज वंशिका 5 /3, मैना 10 / 3 व बिंदु 15 /2 विकेट।

राजसमंद - बूंदी (राजसमंद 5 रन से जीती), राजसमंद पारी 151/1, टीम के लिए तनूजा 70 व नंदनी57 रन, बूंदी की गेंदबाज दर्ष्टि39 /1, बूंदी पारी 146 /3, टीम के लिए विजेता 50 रन।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
भारत सरकार
सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग
वर्ष 2025-26 के लिए

एससी तथा अन्य लाभवंचित समूहों के छात्रों हेतु मैट्रिक-पूर्व छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत छात्रवृत्तियों की घोषणा करता है।

घटक-1-एससी छात्रों के लिए मैट्रिक पूर्व छात्रवृत्ति

पात्रता	कार्य क्षेत्र	छात्रवृत्ति
एससी वर्ग से संबंधित छात्र माता-पिता/अभिभावक की वार्षिक आय 2.50 लाख रूप से अधिक नहीं होनी चाहिए	मान्यता प्राप्त विद्यालयों के कक्षा 9 तथा कक्षा10 में अध्ययनरत छात्र लाभार्थियों का चयन राज्य सरकार/ संघ राज्य क्षेत्र द्वारा किया जाएगा सबसे गरीब परिवारों के आवेदकों को प्राथमिकता	प्रतिवर्ष डे स्कॉलर के लिए 3500/- रूपए और हॉस्टलर के लिए 7000/- रूपए का अकादमिक भत्ता दिव्यांग छात्रों (विशेष रूप से सक्षम) के लिए 10 प्रतिशत अतिरिक्त भत्ता

घटक-2-अस्वच्छ एवं खतरनाक व्यवसाय में कार्यरत माता-पिता/अभिभावकों के बच्चों के लिए मेट्रिक पूर्व छात्रवृत्ति

पात्रता	कार्य क्षेत्र	छात्रवृत्ति
छात्र जिनके माता-पिता/अभिभावक अस्वच्छ एवं खतरनाक व्यवसाय में कार्यरत है। कोई आय सीमा पात्रता नहीं है	मान्यता प्राप्त विद्यालयों के कक्षा 1 से कक्षा 10 में अध्ययनरत छात्र लाभार्थियों का चयन राज्य सरकार/ संघ राज्य क्षेत्र द्वारा किया जाएगा सबसे गरीब परिवारों के आवेदकों को प्राथमिकता	प्रतिवर्ष डे स्कॉलर के लिए 3500/- रूपए और हॉस्टलर के लिए 8000/- रूपए का अकादमिक भत्ता दिव्यांग छात्रों (विशेष रूप से सक्षम) के लिए 10 प्रतिशत अतिरिक्त भत्ता

छात्र के पास वैध मोबाइल नम्बर, आधार नम्बर (यूआईडी), आधार से जुड़ा बैंक खाता, आय प्रमाण पत्र, पिछले वर्ष की मार्कशीट तथा जाति प्रमाण पत्र होना चाहिए।

योजना के दिशा निर्देश तथा विस्तृत पात्रता मानदंड नीचे दिए गए लिंक पर उपलब्ध है।
https://socialjustice.gov.in/schemes/23

योजना के दिशा-निर्देशों के लिए क्यू.आर. कोड स्केन करें

CBC 38101/11/0009/2526

राज्य सरकार अन्नदाता को बना रही है ऊर्जादाता-मुख्यमंत्री भजनलाल

■ केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि राजस्थान सरकार कृषक कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम कर रही है।

पीएम फसल बीमा योजना में देश भर के 34 लाख लाभांवित किसानों में 9.70 लाख राजस्थान से

केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने झुंझुनूं में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की क्लेम राशि जारी की और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चैक भी वितरित किए।

झुंझुनूं/जयपुर, 11 अगस्त। केन्द्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ और किसान भारत की आत्मा है। हमारी डबल इंजन की सरकार राजस्थान में किसानों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है तथा कृषि का रोड मैप बनाते हुए वैज्ञानिक पद्धति को प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने राजस्थान सरकार द्वारा कृषक हित में किए जा रहे अभूतपूर्व कार्यों के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को बधाई दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा ब्याज मुक्त ऋण, पीएम किसान सम्मान निधि में वृद्धि, किसानों को दिन में बिजली जैसी सौगातों से किसानों को राहत मिली है। चौहान सोमवार को झुंझुनूं में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत फसल बीमा क्लेम भुगतान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कोई भी देश तभी प्रगति करता है, जब वह आत्मनिर्भर होता है। शर्मा ने कहा कि प्रदेश में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत, 7 करोड़ 4 लाख फसल बीमा पॉलिसी की जा चुकी हैं, जो गत सरकार के शुरुआती 2 वर्षों से लगभग 4 गुना अधिक हैं। साथ ही, 1 करोड़ 48 लाख किसानों को फसल बीमा क्लेम का भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार किसानों को दिन में बिजली देने के उद्देश्य से कार्य कर रही है, जिससे अन्नदाता किसान ऊर्जादाता भी बन सकेगा। केन्द्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने किसान कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के साथ ही, एमएसपी में निरंतर वृद्धि की जा रही है। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि केंद्र और राज्य की डबल इंजन की सरकार ने किसान हित में बड़े निर्णय किए हैं।

इस दौरान केन्द्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री चौहान तथा मुख्यमंत्री शर्मा ने बटन दबाकर रबी सीजन 2024-25 एवं खरीफ सीजन 2024 की बीमा दावा राशि की पहली किश्त डीबीटी के माध्यम से किसानों के खातों में हस्तांतरित की। कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभार्थियों को चैक भी वितरित किए गये। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत देशभर में 34 लाख 48 हजार किसानों को लाभान्वित किया गया है, जिनमें प्रदेश के 9 लाख 70 हजार किसान भी शामिल हैं। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, राज्य किसान आयोग अध्यक्ष सी.आर. चौधरी, सैनिक कल्याण बोर्ड अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजौर पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ सहित, कई नेता व अफसर मौजूद थे।

विपक्ष ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राहुल गांधी द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य, कि नरेन्द्र मोदी कैसे "वोट चुराकर" चुनाव जीत रहे हैं, ने विपक्षी नेताओं को सोचने पर मजबूर कर दिया है कि वे किसके खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं। चुनाव आयोग को लोकतंत्र और निष्पक्ष चुनावों को पटरी से उतारने की साजिश का हिस्सा बताया गया है, और यह संदेश आम जनता तक पहुँच चुका है। राहुल गांधी का यह कहना है कि सरकार ने सभी संस्थाओं पर कब्ज़ा कर लिया है, अब केवल जनता का वोट ही बचा है, और वह भी छीना जा रहा है। अब वह 17 अगस्त से 15 दिनों की यात्रा पर बिहार जा रहे हैं , जहां वे इस नैरेटिव को लेकर एनडीए को चुनौती देने की रणनीति पर काम करेंगे।

"यह आंकड़े ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हालत देखिए, 300 सांसद चुनाव आयोग से मिलना चाहते हैं, लेकिन चुनाव आयोग कहता है - आप नहीं मिल सकते। क्योंकि चुनाव आयोग को सच से डर लगता है।" उन्होंने दोहराया कि यह लड़ाई अब राजनीतिक नहीं, बल्कि संविधान को बचाने की है। उन्होंने आगे कहा, "यह कोई राजनीतिक लड़ाई नहीं है, यह देश की आत्मा को बचाने की लड़ाई है। यह संविधान को बचाने की लड़ाई है। संविधान कहता है, एक व्यक्ति, एक वोट। हमने स्पष्ट रूप से दिखा दिया है कि अब 'एक व्यक्ति-एक वोट' की अवधारणा नहीं रही। देश के युवाओं को यह सच्चाई पता चल चुकी है। अब चुनाव आयोग के लिए इसे छुपाना मुश्किल है।"

एस.आई. पेपर लीक :

पुलिस लाइन से रवानगी करा कर फरार हुआ रविन्द्र सैनी

■ एस.ओ.जी. एस.आई. सैनी के लिए जगह-जगह दबिश दे रही है। उनका फोन लगातार बंद आ रहा है।

जयपुर, 11 अगस्त। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) द्वारा उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा (एसआई) 2021 पेपर लीक मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पीएसओ राजकुमार यादव और उसके बेटे भरत यादव की गिरफ्तारी के बाद सीकर पुलिस में तैनात सब इंस्पेक्टर (एसआई) रविंद्र सैनी फरार हो गया और उसका मोबाइल फोन भी बंद आ रहा है। जानकारी के अनुसार, सब इंस्पेक्टर (एसआई) रविंद्र सैनी को एसओजी ने छह अगस्त को पूछताछ के लिए नोटिस जारी किया था। इसके बाद सीकर पुलिस लाइन से रवानगी लेकर वह फरार हो गया।

एसओजी उसकी तलाश में अलग-अलग जगह दबिश भी दे रही है। उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा (एसआई) में झुंझुनूं निवासी रविंद्र सैनी ने 156 वीं रैंक हासिल की थी। पिछले करीब 6 महीने से वह सीकर में पोस्टेड था।

सीकर पुलिस अधीक्षक प्रवीण नायक नुनावत ने बताया कि एसआई रविंद्र सैनी ने शुक्रवार को पुलिस लाइन से रवानगी करवाई। लेकिन वह अब तक एसओजी मुख्यालय में पूछताछ के लिए पेश नहीं हुआ। बता दें कि भर्ती परीक्षा में चयनित 13 एसआई पुलिस लाइन सीकर में पोस्ट हुए थे। हालांकि इन्हें कहीं पोस्टिंग नहीं दी गई।

गौरतलब है कि उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा (एसआई) 2021 भर्ती परीक्षा मामले में पीएसओ राजकुमार यादव की गिरफ्तारी हुई। उससे पूछताछ में पता चला कि उसने बेटे भरत के लिए कुंदन कुमार से पेपर खरीदा था। बाद में रविंद्र के पिता ने राजकुमार से यह पेपर खरीदा था। राजकुमार ने सतेन्द्र को भी पेपर बेचा था। सतेन्द्र ने ही पूछताछ में सीएम अशोक गहलोत के पीएसओ राजकुमार यादव का नाम लिया था। राजकुमार यादव और रविन्द्र सैनी, दोनों को ही एसओजी ने पूछताछ के लिए बुलाया था। रविन्द्र ने राजकुमार यादव से पूछा तो उसने ही रविन्द्र को फरार होने की सलाह थी।

गंगोत्री में बनी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

झेलनी पड़ रही है। धराली की तबाही के बाद अब ऐसी स्थितियों ने स्थानीय लोगों को एक बार फिर चिंतित कर दिया है। दरअसल, धराली में गंगोत्री के पास बनी एक झील से पानी आ रहा है। इस पानी के कारण जगह-जगह जलभराव की हालत है।

गत 15 सालों से अनुबंध की धज्जियां उड़ा रहे मेट्रो...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पाया। दोनों कम्पनियों को एक तयशुदा बैंक में 'एस्क्रो अकाउण्ट' बनाना था, जिसमें अस्पताल की आय को जमा करना था, ताकि अनुबंध के अनुसार, राज्य सरकार के वित्तीय हितों को बचाया जा सके और राजस्व साझेदारी की निगरानी व निरीक्षण भी किया जा सके, परन्तु ऐसा नहीं किया गया।

नोटिस में यह भी बताया गया है कि अनुबंध की शर्तों की अवहेलना करते हुए 'थर्ड पार्टी' जांचकर्ता (ऑडिटर) को भी वित्तीय जांच नहीं करने दी और वित्तीय 'रिकॉर्ड', 'डेली स्टेटस रिपोर्ट' और अन्य वित्तीय दस्तावेज उपलब्ध ही नहीं कराए गये। साथ ही ये कम्पनियाँ मुम्बई स्थित 'एटोमिक एनर्जी रेगूलेरिटी बोर्ड', (एईआरबी) से महत्वपूर्ण लाईसेंस और मंजूरियां भी प्राप्त नहीं कर पायीं। नोटिस के अनुसार दोनों कम्पनियों ने आवश्यक बीमा कवर सुचारू नहीं रखा।

इस नोटिस में एस.एम.एस. प्राचार्य ने बताया कि वर्ष 2020 में 'मेट्रो इंस्टियूट ऑफ मेडिकल साइसेंज प्राइवेट लिमिटेड' ने राजस्थान सरकार के खिलाफ राजस्थान हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की थी। ष

इस याचिका में कम्पनी द्वारा अदालत से गुहार की गई थी, कि पहली तो यह कि बी.पी.एल. श्रेणी के मरीजों के उपचार से सम्बन्धित अनुबंध की शर्तों को बदला जाए। दूसरी यह कि कम्पनी को राज्य सरकार के कर्मचारियों का उपचार सी.जी.एच.एस. की दरों पर करने की अनुमति दी जाए, न कि राज्य सरकार द्वारा दी गई दरों पर।

तीसरी यह कि कम्पनियों को अनुबंध के अनुसार दी गई सम्भावित आय पर राज्य सरकार को शुल्क (कंसेशन फीस) देने की दर में बदलाव करने की अनुमति दी जाए। अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए 7, अक्टूबर, 2020, आदेश दिए थे कि राज्य सरकार इस मामले की अगली सुनवाई पर कम्पनियों के खिलाफ केवल 'कंसेशन फीस' देने के मामले में दण्डात्मक कार्यवाही न करे।

एस.एम.एस. अस्पताल के प्राचार्य ने अपने नोटिस में कहा कि कम्पनियों द्वारा बार-बार अनुबंध की शर्तों का उल्लघंन करने के कारण उन्हें यह नोटिस दिया जा रहा है और हिदायत दी जा रही है कि 'बैंक अकाण्ट्स' और अन्य दस्तावेज अनुबंध अनुसार नोटिस मिलने के 7 दिन में मुहैया कराएं। नोटिस में कहा गया है कि अगर नोटिस मिलने के 7 दिन के अन्दर सरकार के साथ किए गए अनुबंधों की सभी शर्तों को लागू नहीं किया गया तथा त्रुटियों को दूर नहीं किया गया तो राज्य सरकार व एस.एम.एस. अस्पताल कानून अनुसार कार्यवाही करेगा और अनुबन्ध कर दिया जायेगा।

चुनाव आयोग के दफ्तर से एक किलोमीटर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बना हुआ था। उन्होंने बिहार में एस आई आर प्रक्रिया के खिलाफ नारेबाज़ी की। वे अपने हाथों में तख्तियां एवं बैनर लिए हुए थे।

संसद के मकर द्वार से मार्च शुरू करने से पहले सांसदों ने राष्ट्रगान गाया।

पुलिस ने पहले से ही भारी बंदोबस्त कर रखा था और पार्लियामेंट स्ट्रीट पर ट्रांसपोर्ट भवन के पास विरोध प्रदर्शन कर रहे सांसदों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए बैरिकेड लगा दिये थे। पुलिस ने लाउडस्पीकर के जरिए सांसदों को आगे न बढ़ने की चेतावनी दी और उन्हें चुनाव आयोग मुख्यालय की ओर जाने से रोक दिया गया, जो संसद भवन से थोड़ी ही दूरी पर है। इस मार्च में शामिल प्रमुख नेताओं में द्रमुक के टी.आर. बालू, शिवसेना (यूबीटी) के संजय राउत, टीएमसी के डेरेक ओ'ब्रायन, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी और समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव के अलावा, द्रमुक, राजद और वाम दलों के अन्य सांसद भी थे।

प्रदर्शनकारी सांसदों के सबसे आगे वाले बैनर पर लिखा था, एस आई आर प्लस वोट चोरी लोकतंत्र की हत्या। विरोध प्रदर्शन कर रहे सांसदों के एक अन्य बैनर में लिखा था, एस आई आर लोकतंत्र पर वार।

चुनाव आयोग तथा सरकार के बीच मिलीभगत के आरोप वाले पोस्टरों के अलावा, कई सांसद "एस आई आर पर चुप्पी क्यों" लिखे पोस्टर लिए हुए थे।

कई सांसदों ने वोट चोरी के आरोपों वाले पोस्टर भी उठाए थे, जो राहुल गांधी द्वारा लगाए गए थे, लेकिन चुनाव आयोग ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने इससे पहले चुनाव आयोग को पत्र लिखकर उनसे मुलाकात की अनुमति मांगी थी, ताकि एस आई आर और अन्य मुद्दों पर आयोग के साथ चर्चा की जा सके।

चुनाव आयोग को भेजे अपने पत्र में रमेश ने इस मार्च की सूचना देते हुए लिखा था, इसके बाद, सांसद चुनाव आयोग से सामूहिक रूप से मिलना चाहते हैं और कई मुद्दों पर चर्चा करना चाहते हैं, जिनमें बिहार में चल रही, तथा अन्य राज्यों के लिए प्रस्तावित प्रक्रिया भी शामिल है।

उन्होंने आगे लिखा, हम आयोग के साथ मीटिंग को लेकर काफी आशान्वित हैं। यह मीटिंग हमारी संसदीय परंपरा के उच्चतम आदर्शों के अनुरूप होगी।

'श्री सीमेंट को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नोटिस 'फेसलैस एसेसिंग ऑफिसर' (गोपनीय मूल्यांकन ऑफिसर) ने नहीं दिया था, सहायक आयुक्त आयदाता एक-दूसरे को जानते थे और यह नोटिस एक सर्वे के बाद दिया गया, जो नियम के विरूद्ध है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908